Shraddha Kapoor Wanted To...

Ranchi ● Friday, 27 December 2024 ● Year: 02 ● Issue: 334 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

झारखंड में 3 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है पेट्रोल और डीजल

PHOTON NEWS RANCHI:

हेमंत सरकार हर स्तर पर राज्य के खजाने को मजबूत बनाने के लिए तत्पर है। वर्तमान समय में राज्य के खजाने की स्थिति बेहतर नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए अभी हाल में कई जरूरी खर्च के लिए 15 विभागों से योजना का पैसा सरेंडर कराकर द्वितीय अनुपूरक बजट में सरकार ने पैसे का इंतजाम किया गया था। ऐसे में सरकार की कमाई कैसे बढ़े, इसके लिए कई कठोर कदम उठाने पर भी विचार चल रहा है। इसी दृष्टि से बताया जा रहा है कि झारखंड में पेट्रोल-डीजल ₹३ प्रति लीटर महंगा हो सकता है। राज्य सरकार सेस लगाने की तैयारी कर रही है। दरअसल पथ निर्माण विभाग ने सड़कों के निर्माण के लिए सेस लगाने को लेकर नियमावली का प्रारूप तैयार किया है। वाणिज्य कर विभाग ने सेस लगाने और उसकी

हेमंत सरकार को ₹३५० करोड़ सालाना होगी अतिरिक्त कमाई राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर बोले- ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं



विमान के ईंधन पर टैक्स लगाना चाहता है केंद्र : फाइनेंस मिनिस्टर

राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाने की संभावना से साफ इनकार कर दिया है। इस मसले पर कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं है। केंद्र खुद विमान के ईंधन पर टैक्स वसलना चाहती है। राजस्थान में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में झारखंड सरकार ने इसका विरोध भी किया। उन्होंने कहा कि झारखंड को जीएसटी से कंप्सेशन भी नहीं मिल पा रहा है। हवाई जहाज



राजस्व बढाने का एक स्रोत भी है। यह नुकसान झारखंड को मंजूर नहीं है।

कैबिनेट की बैठक में लगेगी प्रस्ताव पर मुहर अभी पेट्रोल-डीजल पर लागू है 22 फीसद वैट

मनमोहन

इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी लेनी होगी। सेस की वसूली कैसे होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है। इस पर मंथन चल रहा है। सेस कितना लगेगा, यह कैबिनेट की बैठक में ही तय होगा। सूत्रों के अनुसार सारी प्रक्रिया पूरी कर इसी सप्ताह के अंत तक इसे लागू किस जाने की संभावना है। झारखंड में अभी पेट्रोल-डीजल पर 22 फीसदी वैट लागू है। इसमें पेट्रोल पर 22 फीसदी वैट या 17 रुपये प्रति लीटर में जो ज्यादा हो, वह उपभोक्ताओं से वसूला जा रहा है। इसी तरह डीजल में भी 22 फीसदी वैट या 12.50 रुपये प्रति लीटर में जो ज्यादा होता है, वह वसूला जाता है। फिलहाल रांची में पेट्रोल 97.86 रुपये और डीजल 92.62 रुपये प्रति लीटर की दर से बिक रहा है। राज्य सरकार ने लगभग तय कर लिया है कि राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ करें नियम लागू करने होंगे। वर्तमान में परिवहन, भू-राजस्व, मालगुजारी, खासमहाल, उत्पात शुल्क, वैट सहित विभिन्न विभागों के सेस में बढोतरी हो सकती है।

वित्तीय हालत ठीक करने को बनी विशेष टीम

राज्य सरकार ने वित्तीय हालात सुधारने और विकास योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने और राज्य की आय में बढ़ोतरी करने के लिए एक विशेष समिति बनाई है। वित्त विभाग के विशेष सचिव की अध्यक्षता में बनी समिति में खान निदेशक, वाणिज्य कर आयक्त समेत महाधिवक्ता के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा संयुक्त परिवहन आयुक्त भू-अर्जन निदेशक और वित्त विभाग के संयुक्त सचिव भी बतौर सदस्य हैं। समिति आय में बढोतरी के लिए साधन स्रोत, खनन क्षेत्र में लागू पुरानी करों में वृद्धि एवं न्यायिक मामलों में लंबित वसूली में तेंजी लाने का प्रस्ताव तैयार करेगी। विशेष समिति राजस्व संग्रहण में तेजी लाने के लिए नए स्रोत तलाशेगी। समिति राजस्व उगाही के क्षेत्र में सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव देगी। राजस्व उगाही में होनेवाली वैधानिक अड़चनों की स्थिति में समिति विचार-विमर्श कर उसे दूर करने से संबंधी प्रस्ताव भी देगी

: 78,472.48

वसूली करने पर सहमति दे दी है।

निफ्टी : 23,750.20

7,305 100.00

(नोट : सोना २२ कैरेट प्रति ग्राम)

OBRIEF NEWS एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर को

घूस लेते एसीबी ने दबोचा

LOHARDAGA: गुरुवार की सुबह पलामू प्रमंडल की एसीबी टीम ने झारखंड के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों में शामिल नेतरहाट आवासीय विद्यालय के एडिमनिस्ट्रेटिव ऑफिसर रोशन कमार बख्शी को ५० हजार घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम रोशन कुमार बख्शी को अपने साथ लेकर पंलामू चली गई। जानकारी के अनसार, नेतरहाट आवासीय विद्यालय के एडिमिनिस्टेटिव ऑफिसर ने सप्लायर से बिल निकासी के लिए 50 हजार की घूस मांगी थी। सप्लायर घूस देने के लिए तैयार नहीं था। इसके बाद उसने इसकी शिकायत एसीबी से की।

29 को दिल्ली में होगी भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक

RANCHI: 29 दिसंबर को भाजपा

के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक दिल्ली में होगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह बैठक बुलाई है। झारखंड से बाबूलाल मरांडी इस बैठक में शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक बैठक में राजनीतिक गतिविधियों को लेकर एक रोड मैप भी तैयार किया जाएगा। साथ ही वर्तमान राजनीतिक हलात पर भी चर्चा की जाएगी। इसी दिन एक कार्यशाला भी होगी।

विशेष विमान से रांची पहुँचे रघुवर दास

RANCHI: गुरुवार को ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद वे रांची पहुंचे। वे 44 साल में दूसरी बार बीजेपी की सदस्यता लेने वाले हैं। दास शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इससे पहले वह 80 के दशक में जनता पार्टी से बीजेपी में शामिल हुए थे। उनके सदस्यता गृहण कार्यक्रम के मौके पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश सदस्यता अभियान संयोजक राकेश प्रसाद समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद

पीएम ने भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह को किया संबोधित

युवाओं के सामने है आत्मनिर्भर व विकसित भारत का लक्ष्य : मोदी

NEW DELHI @ PTI:

गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश युवाओं के साहस और सामर्थ्य की जमकर सराहना की। कहा कि आज के युवाओं के सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। युवाओं के कारण विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की सफलता सुनिश्चित है। प्रधानमंत्री नई दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का शुभारंभ भी किया। इसका उद्देश्य पोषण संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन को मजबूत करके और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी सनिश्चित करके पोषण संबंधी परिणामों और कल्याण में सुधार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के दौरान ने प्रधानमंत्री

सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का प्राइम मिनिस्टर ने किया उद्घाटन



राष्ट्रपति ने १७ बच्चों को दिया प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

गरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सात श्रेणियों में प्रधानमंत्री राष्टीय बाल पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित

होने वालों में सात लडके और 10 लड़कियां हैं। राष्ट्रपति ने इन्हें एक पदक, प्रमाण पत्र और एक प्रशस्ति पत्र पुस्तिका देकर सम्मानित किया। आज के समारोह में सबसे कम आयु के परस्कार विजेता कोलकाता में रहने वालें मास्टर अनीश सरकार उस आयु

नर्सरी कक्षा में होते हैं। मास्टर अनीश विश्व में सबसे कम उम्र में विश्व रैंकिंग पाने वाले शतरंज खिलाडी बन गए हैं। पंद्रह साल की बेटी हेमबती नाग के माता-पिता का स्वर्गवास हो चुका है।

वर्ग में हैं, जब बच्चे प्ले स्कूल और

बच्चों से भी बातचीत की। के 17 बच्चे बहादुरी, नवाचार, कला जैसे क्षेत्रों में पुरस्कार प्राप्त (पीएमआरबीपी) के विजेता प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल और कर रहे हैं। उन्होंने दिखा दिया है

भारत यंग लीडर्स डायलॉग का आयोजन

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का भी आयोजन होगा। देशभर के लाखों युवा इसका हिस्सा बनेंगे। इसमें विकसित भारत के विजन पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस पर हम साहिबजादों की वीरता और बलिदान को याद करते हैं। हम माता गुजरी और श्री गुरु गोबिंद सिंह को भी श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम तीसरे 'वीर बाल दिवस' का हिस्सा बन रहे हैं। तीन साल पहले हमारी सरकार ने वीर साहिबजादों के बलिदान की अमर स्मृति में वीर बाल दिवस मानने शुरूआतं की थी। मोदी ने कहा कि अब यें दिन करोड़ों देशवासियों के लिए, पूरे देश के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बना है।

कि भारत के युवा और बच्चे

डुमरी विधायक पर सरकारी काम में बाधा डालने का भी आरोप जयराम महतो पर रंगदारी मांगने का मामला दर्ज

डुमरी विधायक जयराम महतो के

जयराम महतो के समर्थकों ने



कब्जा, खाली कराने पहुंची पुलिस से भिड़े बुधवार की रात एक बजे पुलिस जब क्वार्टर को खाली कराने और उसमें बंद प्रशिक्ष कर्मियों को छुडाने पहुंची तो विधायक जयराम महतो आधी रात को बेरमो पहुंच गए और वहां पहुंचकर पुलिस वालों से भिड़ गए। बेरमो

केउसके बाद जयराम महतो भी वहां पहुंच गए और वहीं पर

पहुंचे और सीसीएल ढोरी क्षेत्र में क्वार्टर लेने पर अड़ गए। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के मकोली ओपी स्थित सेंट्रल कॉलोनी में जयराम समर्थकों द्वारा अवैध रूप से क्वार्टर कब्जा करने पर स्थानीय पलिस और सीआईएसएफ के जवान पहुंचे। इसकी सूचना समर्थकों द्वारा विधायक

PHOTON NEWS BOKARO: बोकारो के चंद्रपुरा थाना में सात नामजद सहित ४० अज्ञात पर एफआईआर समर्थकों ने अवैध रूप से क्वार्टर पर किया

खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जयराम पर बोकारो के चंद्रपुरा थाना में मामला दर्ज हुआ है। इस मामले में जयराम महतो सहित सात नामजद पर मामला दर्ज हुआ है। इनमें संदीप महतो, तिलक महतो, नितेश, संजीत कुमार, राहुल पासवान और बिनोद चौहान सहित 40 अज्ञात लोगों पर रंगदारी, अवैध कब्जा, चोरी सहित सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगा है। बता दें कि सीसीएल क्वार्टर पर जबरन कब्जा

कर लिया था। इसकी सूचना

अनुमंडल स्थित डुमरी विधायक जयराम महतो दो बजे रात में सेंट्रल कॉलोनी जयराम महतो को दी गई।

उपस्थित मजिस्ट्रेट को काफी

गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन के कारण नष्ट होने की स्थिति में प्राकृतिक तंत्र

बर्फबारी और बारिश की कमी ने बढ़ाया वायु प्रदूषण

प्रकृति हमारा पोषण करती है, तो प्रकृति को सुरक्षित

रखना हमारी जिम्मेदारी भी है। हम अपनी गतिविधियों से प्रकृति की सुरक्षा या प्रकृति का विनाश करते हैं। विकास के नाम पर प्रकृति को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति अंततः हमारे ही जीवन के लिए घातक साबित होती है। जिस तरह से इस साल अपेक्षा के अनुसार न बारिश हुई और न बर्फबारी, इसका असर वायु प्रदूषण पर साफ दिख रहा है। वायु प्रदूषण का बढ़ना हमारी सेहत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अब मेट्रोपोलिटन शहरों के अलावा मध्य और छोटे शहरों में भी वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। भारत मौसम विभाग की और सें दी गई जानकारी के अनुसार, देश के ज्यादातर क्षेत्रों में सितंबर के बाद अब तक बारिश न होने के कारण वह प्राकृतिक तंत्र नष्ट हो गया है, जो आमतौर पर प्रदूषकों को फैलाकर दूर ले जाने और वायु गुणवत्ता में सुधार

करने में मदद करता है। अभी हाल की स्थिति से पता

चलता है कि बारिश की कमी ने दिल्ली सहित देश के

कई शहरों में प्रदूषण संकट को और बढ़ा दिया है।

अब देश के छोटे-छोटे शहरों में भी गंभीर होता जा रहा एयर पॉल्यूशन का संकट सामान्य रूप से सर्दी में गिरता है तापमान, लेकिन बढ़ जाता प्रदूषण का स्तर वर्षा और

सड़कों पर बेतहाशा बढ़ते वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण तत्व हवा को <u> बना रहे जहरीला</u>

रेन और स्नोफॉल का संबंध

प्राकृतिक पैटर्न बताता है कि अगर बारिश कम होगी तो बर्फबारी भी कम ही होगी। इसका व्यापक असर हिमालय से जुड़े देशों पर पडेगा क्योंकि यह पर्वतमाला एशिया की जल मीनार और मौसम नियामक का काम करती है।



🗕 वायु गुणवत्ता में

सुधार लाने के

लिए विशेष

रणनीति को

सुव्यवस्थित

करना जरूरी

बादल मिलकर वायुमंडल के प्रदूषकों को करते हैं साफ

🛚 विभिन्न प्रदूषकों को पकड़ कर हवा से अलग करने में बर्फबार<u>ी</u> की भूमिका अहम

हवा को शुद्ध करने में वर्षा का महत्व मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि

जब बारिश होती है, तो बादल और बारिश मिलकर वायुमंडल से प्रदूषक तत्वों को साफ करते हैं। बारिश उन कणों को वापस धरती पर भेजती है और बादल उन्हें सोख लेते हैं। कुछ खतरनाक प्रदूषक जैसे कार्बन मोनोऑक्साइंड, सीसा, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, ओजोन, विभिन्न धातओं से मिश्रित कण और और सल्फर डाइऑक्साइड हवा को विषाक्त

और खतरनाक बनाते हैं। सर्दी का मौसम ऐसा होता है, जब तापमान गिरता है, लेकिन प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। चूंकि बारिश की बूंदें आकाश में गिरती हैं इसलिए यह धूल, पराग, सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य कणों को पकड़कर हवा को शुद्ध करने में मदद करती है। बारिश किसी भी सतह से प्रदूषकों को धो देती है। इसलिए हवा को शुद्ध करने में बारिश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।



मेलबर्न टेस्ट में कोहली पर मैच फीस का 20%

NEW DELHI: इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने जुर्माना लगाया है। मैच रेफरी एंडी

• ऑस्ट्रेलिया कोहली की 20 के बैटर कोंस्टास को मारा था धक्का, दोनों के बीच हुई थी बहस

फीस काटी है। साथ ही एक डी-मेरिट पॉइंट भी दिया है। कोहली पर यह जुमार्ना मैदान पर खराब व्यवहार के लिए

लगाया गया है। 37 साल के भारतीय बल्लेबाज ने डेब्यू मैच खेल रहे 19 साल के ऑस्ट्रेलिया के ओपनर सैम कोंस्टास को धक्का मारा और बहस भी की। यह वाकया ऑस्ट्रेलिया की पारी के 10वें और 11वें ओवर के बीच हुआ। कोहली ने रेफरी के सामने सुनवाई के दौरान अपनी गलती स्वीकार ली। इसके साथ ही कोहली को एक डीमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। डीमेरिट पॉइंट एक पेनाल्टी सिस्टम है, जो खिलाड़ियों को उनके खराब व्यवहार या कोई नियम तोड़ने के लिए दिया जाता है। दो से अधिक डी-मेरिट पॉइंट होने पर खिलाड़ियों को एक से ज्यादा टेस्ट, वनडे या टी-20 मैच के लिए बैन किया जा सकता है। आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, क्रिकेट में भले ही अनजाने में भी. लापरवाही से चलने या दौड़ने या किसी अन्य खिलाड़ी को टकराने के अलावा कंधे से कंधा मिलाकर चलने की अनुमति नहीं है।



लगेगा जुर्माना

भारतीय खिलाडी विराट कोहली पर पाएकॉफ्ट ने

प्रतिशत मैच

सिंह 26 सितंबर 1932 निधन 26 दिसंबर 2024



सिंह, 92 साल की उम्र में दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस साल 2004 से 2014 रत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार तक देश के 14वें को 92 साल की उम्र में

प्राइम मिनिस्टर थे निधन हो गया। उन्हें बेहोश होने के बाद शाम 8:06 बजे दिल्ली के डॉ. सिंह, 1991 से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती <u>1996 तक थे भारत</u> कराया गया था। रात 9:51 बजे के वित्त मंत्री उन्होंने अंतिम सांस ली। बता दें कि मनमोहन सिंह 2 बार देश के भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री रहे। इससे पहले वह भारत े नेताओं में से एक डॉ मनमोहन के वित्त मंत्री और वित्त सचिव भी रह सिंह जी के निधन पर शोक मनात चुके थे। वे लंबे समय से स्वास्थ्य है। साधारण परिवार से उठकर वह एक संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे पतिष्रित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त थे। इससे पहले भी उन्हें कई बार स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती

मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पढ़ों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक मजबूत छाप छोड़ी। संसद में उनका हस्तक्षेप भी व्यावहारिक था। हमारे प्रधान मंत्री के रूप में, उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।

आज देश ने अपना एक महान लाल खो दिया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्वविख्यात अर्थशास्त्री आदरणीय श्री मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है। विकासशील राजनीति और गवर्नेस के पुरोधा आदरणीय मनमोहन सिंह जी ने निःस्वार्थ भाव के साथ देश और देशवासियों की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया था। आज मनमोहन सिंह जी हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनके आदर्श और विचार हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार समेत देशवासियों को दुःखं की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दे।

कराया जा चुका था। एम्स के बाहर

सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। प्रियंका

गांधी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी

एम्स पहुंचे। उधर, पीएम मोदी ने सिंह

के परिवार से बात की। इस बीच

कर्नाटक के बेलगावी में चल रही

कांग्रेस वर्किंग कमेटी मीटिंग रद्द कर

दी गई।

काटीटांड स्थित एसबीआई बैंक के पास की घटना

बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े लूटे ₹13.65 लाख

राजधानी रांची में अपराधियों ने

पुलिस को फिर खुली चुनौती दी है। राजधानी से कुछ किलोमीटर दूर रातू इलाके में अपराधियों ने एक व्यक्ति से 13.65 लाख रुपये लूट लिए। यह घटना रातू के काठीटांड़ स्थित एसबीआई बैंक के पास हुई। दो अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। दोनों अपराधी बाइक पर सवार थे। रात् थाना प्रभारी राम नारायण सिंह ने घटना की पुष्टि की है। रातू थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जारी किया है। इसमें हेलमेट पहने दो लोग बाइक चलाते दिख रहे हैं। जिस व्यक्ति से रुपये लूटे गये हैं,



हुई है लूटपाट

• सीसीटीवी फुटेज जारी

वह पेट्रोल पंप का कर्मचारी बताया जा रहा है। यह घटना दोपहर करीब ढाई बजे हुई। घटना के बाद पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गई है। जगह-जगह नाकेबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

पलामू में अंतरराज्यीय सड़क लुटेरा गैंग के नौ सदस्य धराए

ट्रेलर लूटकर हुए थे फरार, अलग-अलग जगहों से सभी किए गए गिरफ्तार

पलाम् प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा पुलिस को सड़क लुटेरों के खिलाफ बडी सफलता हाथ लगी है। लुटेरों के गैंग के नौ सदस्य पलिस के गिरफ्त में आए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में गढ़वा के टंडवा का तैकीर आलम, शिरीया टोंगर का निशार अंसारी उर्फ छोटू, इम्माम अंसारी, परसवान का फिरदौश अंसारी, कदवन का सदरे आलम, पतिहारी का अलताफ अंसारी, बिहार के गया का बुटू यादव, पंकज कुमार यादव और पलामू के चैनपुर का शत्रधन चौरसिया शामिल है। गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी दीपक पांडेय ने बताया कि 20 दिसंबर की रात अपराधियों ने



पुलिस गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

क्षेत्र के रंका रोड में ओबरा के पास से लूट कर फरार हो गए थे। अपराधी ट्रेलर लूटने अशोका लीलैंड चेचिस इंजन और बलेनो कार से पहुंचे थे। ओवर टेक कर ट्रेलर को लट था। इस मामले में गढ़वा थाना में एफआईआर दर्ज हुई थी। एसपी ने बताया कि

गढ़वा एसडीपीओ नीरज कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया था। अपराधियों की जानकारी जुटाने में टीम लगी हुई थी। इसी क्रम में पलिस टीम की त्वरित कारवाई से घटना में लुटे गए ट्रॉली और इंजन को रंका के जेपीएस लाईन होटल और लरकोरिया में इम्तियाज होटल के

पास से बरामद किया गया । छापेमारी टीम ने घटना में शामिल अंतरराज्यीय लुटेरों गैंग के सभी नौ अपराधियो को अलग अलग जगहो से गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर लूट में प्रयोग किया गया बलेनो कार और

लुटेरों ने 26 अगस्त की रात रेहला-गढ़वा रोड बेलचम्पा के पास से एक ट्रॉली को लूट लिया था। लटे गए टॉली को बरामद करने के लिए एक टीम को राज्य से बाहर भेजा गया है। लूटे गए ट्रॉली का पहचान छिपाने के लिए चांडील के पास एक गैरेज में पेन्ट करा दिया गया है।

इस कांड में प्रयुक्त स्विफट डिजायर कार को भी बरामद

18 चक्का ट्रॉली को लूटकर 17 लाख की ट्रॉली पांच लाख में दूसरे राज्य में बेच देते थे। दोनों ही लूट में प्रयोग किया गया अशोक लीलैंड का चेचिस शेरघाटी के रहने वाले बुटू यादव

शादी में गया था परिवार किशोरी ने लगाई फांसी

KODERMA: जिले के तिलैया

थाना क्षेत्र के देवी मंडप रोड स्थित एक मकान में एक किशोरी ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान सुहानी सिन्हा (17) के रूप में हुई है। मामले को लेकर मृतका के चाचा अनिल सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि वे सब बिशुनपुर रोड स्थित अपने किसी रिश्तेदार के यहां पार्टी में गए हए थे। वापस लौटा तो देखा कि सहानी का कमरा बंद पड़ा हुआ है। दरवाजा खटखटाने पर जब सुहानी के जरिये दरवाजा नहीं खोला गया तो दरवाजा तोड़कर अंदर घसने पर देखा कि उसका शव फंदे से लटक रहा है। उसे आनन फानन में सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। खुदकुशी के कारणों का पता

देखने के लिए नहीं आई और

मरीज को कंपाउंडर के हवाले ही

कर दिया। रात भर गर्भवती तड़पती

रही और गुरुवार की सुबह 6.30

गंभीर स्थिति में आई थी मरीज :

इधर डॉ. साधना ने बताया कि

लापरवाही का कोई मामला नहीं

है। मरीज काफी गंभीर स्थिति में

यहां आई थी। उसके पेट में 5

महीने का बच्चा था। चोट लगने

की वजह से पेट में ही बच्चे की

मृत्यु हो गई थी और पेट में खुन

जम गया था। मरीज की स्थिति

काफी गंभीर थी। घर वालों को

बता दिया गया था। बाहर ले जाने

के लिए भी कहा गया था, लेकिन

बजे उसकी जान चली गई।

अफीम की खेती के खिलाफ प्रशासन ने चलाया अभियान



बैठक करते पशासनिक पदाधिकारी

AGENCY KHUNTI: उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ गुरुवार को व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत खुंटी प्रखंड के चिकोर सहित अन्य क्षेत्रों में अफीम की अवैध खेती को नष्ट किया गया। जिला प्रशासन ने ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों का उपयोग कर इन फसलों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। कार्रवाई में अधिकारी, पदाधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने

खेती करने वालों को कड़ा संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को जिले में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अफीम की अवैध खेती मामले में संलिप्त लोगों को चिह्नित कर एफआइआर सिहत अन्य कार्रवाई का निर्देश दिया गया। साथ हीं उपायुक्त ने जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि जिले को अपराधमक्त बनाया जा सके। साथ हीं उन्होंने अवैध अफीम की खेती छोड़ कर ऐसे लोगों को वैकल्पिक खेती

BRIEF NEWS

भाजपा ने मनाया वीर बाल दिवस



KHUNTI: भाजपा तोरपा मंडल के जरिये एनएचपीसी मैदान में शिव मंदिर के सामने गुरुवार को वीर बाल दिवस मनाया गया। मौके पर वीर बालक बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को श्रद्धांजलि दी गई और उन्हें याद किया गया। साथ ही बच्चों को उनकी जीवनी के बारे में बताया गया। मौके पर उपस्थित बच्चों के बीच मिठाइयां बांटी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष पुरेंद्र मांझी ने की। मौके पर युवा मोर्चा के जिला महामंत्री दीपक तिग्गा, मंडल महामंत्री सुबोध कुमार सहित कई

बड़कागांव व मांडू सीट हारने पर झामुमी ने किया मंथन

RAMGARH: झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। रामगढ़ जिले में एक सीट पर गठबंधन

जीत हुई और दो सीट पर हार मिली है। बड़कागांव और मांडू विधानसभा सीट से इंडी गठबंधन के उम्मीदवार की हार पर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने मंथन किया है। गुरुवार को पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष विनोद किस्कृ की



अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान विधानसभा चुनाव की समीक्षा की गई। साथ ही पार्टी की सदस्यता अभियान पर चर्चा हुई। यहां पंचायत और बृथ स्तर की कमेटी की मजबूती पर बल दिया गया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि अभी से ही सदस्यता अभियान चलाई जाएगी। सभी आनुषंगिक इकाई मिलकर ऐतिहासिक सदस्य बनाने का काम करेंगे। जिला अध्यक्ष ने कह कि इंडी गठबंधन सरकार की सभी योजना को जिले के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए हर टोले, मुहल्ले में झामुमो के सिपाही दौरा करेंगे।

खंटी में कांग्रेस ने निकाली सद्भावना यात्रा

KHUNTI: कर्नाटक के बेलगाम में 1924 के हुए अधिवेशन में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने जाने के उपलक्ष्य

में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर गुरुवार कांग्रेस के खुंटी जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा के नेतत्व में पार्टी कार्यकताओं ने खंटी से दितया तक सद्भावना यात्रा निकाली।



मौके पर कांग्रेस के जिला प्रभारी अमल्य नीरज खलखो भी उपस्थित थे। सद्भावना यात्रा के बाद कार्यकताओं ने महात्मा गंधी की प्रतिमा पर मार्ल्यपण कर उन्हें नमन किया और गांधीजी के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। बाद में अस्पताल में मरीजों के बीच फलों का वितरण कर

धनबाद में जच्चा-बच्चा की मौत पर साधना अस्पताल में खूब हुआ हंगामा, तोड़फोड़

डॉ. साधना पर लापरवाही का आरोप, रात भर कंपाउडर के हवाले कर दी गई गर्भवती

रामगढ़ में ट्रेलर ने स्कूटी सवार को रौंदा, हो गई मौत

छावनी परिषद कार्यालय के निकट गुरुवार को ट्रेलर ने स्कूटी सवार रौंद दिया। इस घटना में स्कृटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार पतरातू थाना के जयनगर निवासी सद्दाम हुसैन, पिता जावेद आलम

RAMGARH: रामगढ़ शहर के के लिए सर्विस सेंटर जा रहा था। इसी बीच पीछे से आ रही ट्रेलर ने रौंदते हुए सड़क किनारे तक ले गया। फिर तेज रफ्तार से

> वही, लोगों ने उसे नया बस स्टैंड के पास पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने चालक सिमरिया चतरा निवासी रूपेश कुमार पांडे को हिरासत में लेकर थाने लाकर पूछताछ कर

जमीन बेचने के लिए बनाई फर्जी

एलपीसी, सीओ ने रोका आवेदन

PHOTON NEWS DHANBAD: जच्चा-बच्चा की मौत पर गुरुवार को गोल बिल्डिंग स्थित साधना अस्पताल में जमकर हंगामा और तोड़फोड़ हुआ। 24 वर्षीय साजिया खातून की मौत के बाद घर वालों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की। सूचना पर सरायढेला थाना की पुलिस साधना अस्पताल पहुंची। किसी तरह लोगों को समझाया बुझाया जा रहा है। पूर्वी टुंडी के बरवाटांड़ के रहने वाले अनवर

सिद्दीकी ने बताया कि तीन दिन

चार महीना पहले से पत्नी के

गुस्साई भीड़ को पुलिस ने कराया शांत

मौत की सुचना के बाद काफी संख्या में गांव से लोग साधना अस्पताल पहुंच गए। लोग यहां डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। अस्पताल के गेट और कुछ अन्य खिड़िकयों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने लोगों का गुस्सा शांत कराया। फिलहाल पुलिस बैठक करके मामले को शांत करने में जुटी हुई है।

चल रहा था। घर वालों ने बताया कि बुधवार शाम 4 बजे मरीज को यहां भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने

अल्ट्रासाउंड देखकर बताया कि पेट में बच्चा मर गया है, ऑपरेशन

लोहरदगा में करंट लगने जनजाति समाज को सशक्त से किसान की हुई मौत



KHUNTI: वनवासी कल्याण केंद्र के तत्वावधान में संघ भवन में गुरुवार को कल्याण आश्रम का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता की तस्वीर पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत के श्रद्धा जागरण प्रमुख मसाफिर विश्वकर्मा ने कहा कि विश्व का सबसे बडा जनजाति संगठन वनवासी कल्याण आश्रम है, जो जनजातियों के बीच में कार्यरत है। कल्याण आश्रम के 14 आयाम के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को राष्ट्रहित में कार्यरत है। इस कार्यक्रम को जनजातियों में परंपरा रूढ़िवादिता को सरिक्षत तथा संरक्षण करते हुए राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने में लगे है। आज प्रखर और संगठित होकर जनजाति समाज को सशक्त करने की आवश्यकता है। तभी उनकी संस्कृति और सभ्यता बचेगी। मौके पर जिला अध्यक्ष नौरी पर्ति, नगर अध्यक्ष गौरा कमारी देवी, जिला महामंत्री योगेश मिश्र, नगर अध्यक्ष जयप्रकाश भगत, प्रदीप कुमार गुप्ता, संच

तरहसी प्रखंड क्षेत्र में भू-माफिया के कारनामे एक से बढ़कर एक सामने आ रहे हैं। अवैध तरीके से

जमीन की खरीद बिक्री के लिए भू माफिया के जरिये फर्जी एलपीसी का सहारा लिया जा रहा है। हद तो तब हो गई, जब एक व्यक्ति ने अपना नाम छुपाकर दूसरा व्यक्ति बनकर अंचल कार्यालय में एलपीसी बनाने के लिए आवेदन दिया। हालांकि मामला सामने आने के बाद सीओ ने तत्काल उस आवेदन को स्थगित कर जांच शुरू कर दी। बताया जाता है कि टीरवा गांव के हेमंत पांडेय ने दूसरे व्यक्ति अमरेश कुमार पांडेय के नाम से तरहसी अंचल में एलपीसी बनाने के लिए फर्जी आवेदन जमा किया.

जिस व्यक्ति के नाम से अंचल में

एलपीसी के लिए आवेदन दिया



गया, वह व्यक्ति पलाम् से बाहर दूसरे स्थान में पुलिस की नौकरी करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जो व्यक्ति पलामु से बाहर दूसरे स्थान पर नौकरी करता है और डयटी में हैं, तो वह एलपीसी के लिए तरहसी अंचल को आवेदन कैसे दे सकता है। यह गंभीर विषय है। हालांकि तरहसी सीओ ने अमरेश कुमार पांडेय और हेमंत पांडेय को नोटिस भेजा है। इसके

अलावा सीसीटीवी फुटेज निकाला जा रहा है कि आखिर कौन व्यक्ति के जरिये फर्जी एलपीसी बनाने के लिए आवेदन दिया गया है। सग्गी निवासी विजय तिवारी ने गुरूवार को पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग पलाम डीसी से की है। इस मामले में अंचलाधिकारी बालेश्वर राम ने बताया कि फर्जी एलपीसी आवेदन का मामला

डांड स्थित नदी के समीप मटर खेत की सिंचाई करने गया हुआ था, जो देर शाम तक घर नही आया तो मां के कहने पर पुत्र शंकर उरांव मटर खेत गया। जहां पिता को मंह के बल खेत में गिरा हुआ पाया। पुत्र ने घटना की सूचना परिजन और ग्रामीणों को दिया। साथ ही घटना की सूचना सेन्हा थाना प्रभारी को दिया गया। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अजित कुमार के निर्देश पर गुरुवार को एस आई पंकज कुमार यादव दलबल के साथ मुर्की ग्राम पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया।

प्रमुख लक्ष्मी नारायण नाग आदि उपस्थित थे।

गोइलकेरा में सड़क का शिलान्यास और पुल का किया उद्घाटन, विधायक जगत माझी और सोनाराम सिंकू रहे उपस्थित

सड़क व पुलों के निर्माण से विकास को मिलेगी गति : जोबा

PHOTON NEWS GOILKERA: सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी ने गुरुवार को गोइलकेरा प्रखंड में सड़क का शिलान्यास व नवनिर्मित पुल का उद्घाटन किया। पथ निर्माण विभाग से महादेवशाल एनएच-320 डी से कुमदी तक लगभग 8.495 किमी. सड़क के शिलान्यास के मौके पर मनोहरपुर के विधायक जगत माझी भी उपस्थित थे।

वहीं जगन्नाथपुर विस क्षेत्र अंतर्गत गोइलकेरा प्रखंड के आराहासा पंचायत के ग्राम कुरकुटिया के जाहिरास्थल में पुल के उद्घाटन अवसर पर विधायक सोनाराम सिंकू उपस्थित रहे। इस मौके पर सांसद ने कहा कि गांवों को पंचायत और पंचायत से प्रखंड को जोड़ने के लिए सड़क जरूरी है। 1995 में पहली बार विधायक बनी थी तो इसी सड़क



से आवागमन करती थी। दो पुलिया टूटी हुई थी। सड़क और पुलों के निर्माण से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। कहा कि यह गोईलकेरा से रोवाम को जोड़ेगी। सांसद ने लोगों को जानकारी दी कि सोनुवा के

चांदीपोस से जराइकेला तक नेशनल हाईवे की रिपेयरिंग भी जल्द होगी। जनवरी में इसका शिलान्यास होगा।

वहीं विधायक जगत माझी ने कहा कि बहुप्रतीक्षित सड़क के निर्माण से करीब 15 किमी की दुरी कम हो जाएगी। उन्होंने संवेदक से मजदूरों को समय पर मजदुरी देने और सड़क का निर्माण गुणवत्ता के साथ करने

वहीं आराहासा में विधायक सोनाराम सिंकू ने कहा कि

अबुआ सरकार में कोई गांव विकास के मामले में पीछे नहीं रहेगा। आज पुल का उद्घाटन किया गया है तथा आने वाले दिनों में अन्य समस्याओं का भी

समाधान किया जाएगा। सांसद-विधायक का ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया। आराहासा गांव में महिलाओं के साथ सांसद पारंपरिक नृत्य में शामिल हुईं। इस अवसर पर बीडीओ विवेक कुमार, जिप सदस्य ज्योति मेराल, मुखिया गणेश बोदरा, जोंको अंगरिया, झामुमो नेता अकबर खान, हरीश बोदरा, मनसुख गोप, प्रिंस खान, एजाज अहमद अंसारी, सुखमती कोड़ा, दिनेश गुप्ता, इमरान खान, मंगरु अंगरिया, जेई पार्थ सत्पथी, कोड़ा, लकड़ा, सोनाराम कोड़ा आदि उपस्थित रहे।

मजदूरी भुगतान के मुद्दे पर सिरका कोल माइंस बंद करने की चेतावनी

AGENCY RAMGARH:

मजदूरी के भुगतान के मुद्दे पर एक बार फिर सिरका लोकल सेल बंद होगा। 27 दिसंबर से अनिश्चितकालीन बंदी का ऐलान सेल संचालन समिति ने किया है। बंदी से पहले समिति के पदाधिकारियों ने सीसीएल के पदाधिकारी और रामगढ़ जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी है। सेल संचालन समिति के अध्यक्ष राजेश बेदिया ने बताया कि लोकल सेल को शांतिपूर्ण और मजदुर हित में चलाने को लेकर कई महीनो से जारी विवाद खत्म हो गया था। साथ ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सेल को संचालित करने का फैसला भी हुआ था। इस दौरान यह निर्देश भी जारी किया गया था कि मजदुरों का बकाया मजदुरी लिफ्टर से प्राप्त कर भुगतान कर दिया जाए। लेकिन लिफ्टर अब किसी की बात नहीं मान रहे हैं।



सिरका कोल माइंस की फाइल फोटो

इस मुद्दे पर सेल्स संचालन समिति ने यह फैसला किया है कि मजदूरों का बकाया मजदूरी शीघ्र भुगतान किया जाए। अन्यथा 27 दिसंबर से सिरका कोलियरी का उत्पादन और संप्रेषण अनिश्चितकालीन के लिए बंद कर दिया जाएगा। इसकी जवाबदेही स्थानीय सीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन की होगी। सेल संचालन समिति के अध्यक्ष राजेश बेदिया ने बताया कि समिति और कांग्रेसी नेता समसूद खान के बीच 20 दिसंबर को

एसडीओ कार्यालय में वार्ता हुई थी। उस दौरान एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी और रामगढ़ विधायक ममता देवी भी मौजूद थी। इस वार्ता में सितंबर माह से मजदूरों का बकाया मजदूरी व्यवसायियों कोयला प्रतिनिधियों से लेकर मजदुरों के बीच भुगतान करने का फैसला हुआ था। एसडीओ और ममता देवी ने मौखिक आदेश दिया था, लेकिन उसके बावजूद भुगतान नहीं हो सका।

O BRIEF NEWS गवर्नर ने नितिन कुलकर्णी को प्रोन्नति पर दी बधाई



RANCHI: राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। राज्यपाल ने नितिन कुलकर्णी को राज्य के अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि नितिन मदन कुलकर्णी के प्रशासनिक अनुभव व कार्यकुशलता का लाभ राज्यवासियों को अवश्य मिलेगा।

मुख्यमंत्री से लेफ्टिनेंट जनरल ने की मुलाकात



RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल वाईएस अहलावत, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, जीओसी- 17 कोर और मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, वीएसएम और जीओसी-23 इन्फैंट्री डिवीजन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सीएम से मिले सीसीएल के अध्यक्ष और कुलपति

RANCHI: गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड मंत्रालय में सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। दूसरी ओर, मख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने रांची विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया।

दो वाहनों में टक्कर, दो लोग हो गए घायल



RANCHI: राजधानी रांची में देर रात करीब ढाई बजे दो वाहनों की जोरदार टक्कर हुई है। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर अरगोड़ा-कटहलमोड़ रोड में दीपाटोली के पास हुई है। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी ने ट्रैक्टर में मारी जोरदार टक्कर मारी है। स्कॉर्पियो में 2 लोग सवार थे जो गंभीर रूप से घायल हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुंदाग पुलिस ने दोनों वाहन को जब्त किया और वहीं घायलों का इलाज चल रहा है।

लाइसेंस व नक्शा को लेकर पहले ही संचालकों को दिया गया था नोटिस

36 रूफ टॉप रेस्टोरेंट पर निगम करेगा कार्रवार्ड

राजधानी रांची में 36 रूफ टॉप रेस्टोरेंट बिना नक्शा और परमिशन के चल रहे हैं। यह बातें सामने तब आईं, जब रांची निगम ने हाईकोर्ट के निर्देश के बाद इनका सर्वे कराया। नगर निगम की ओर से जानकारी दी गई कि इन रेस्टोरेंट्स में से किसी के पास भी रूफ टॉप पर रेस्टोरेंट चलाने के लिए परिमशन ही नहीं है। रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार की बेंच ने रेस्टोरेंट के मालिकों को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया था। हालांकि कई रेस्टोरेंट मालिकों ने पहले ही अपना जवाब दाखिल कर दिया है। अब संचालकों के जवाब की समीक्षा करने के लिए कोर्ट ने चार और सात जनवरी का दिन निर्धारित किया है। बताते चलें कि सात जनवरी तक जवाब देने की डेडलाइन तय की गई है। वहीं हाईकोर्ट ने रांची निगम को बिना नक्शे और परमिशन के चल रहे रूफ टॉप रेस्टोरेंट्स को तत्काल बंद करने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट ने अवैध रूप से चल रहे रूफ टॉप रेस्टोरेंट को बंद कराने का दिया है आदेश



अवैध हॉस्टल-लॉज पर भी कार्रवार्ड की तैयारी रांची नगर निगम ने बिना लाइसेंस के चल रहे हॉस्टल-लॉज संचालकों को भी नोटिस जारी किया है। इसके तहत सभी से लाइसेंस लेने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने की स्थिति में उनपर तीन बार 25–25 हजार रुपए फाइन लगाया जाएगा। इसके बाद भी लाइसेंस नहीं लेने पर हॉस्टल-लॉज को सील करने का प्रावधान है। बता दें कि रेवेन्यू कलेक्शन बढ़ाने को लेकर नगर विकास मंत्री सिदव्य कमार ने भी नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया है। ऐसे में इतना तो तय है कि अब बिना लाइसेंस के अवैध से रूप से हॉस्टल–लॉज का संचालन आसान नहीं होगा। अबतक लगभग 77 संचालकों ने लाइसेंस लिया है। वहीं दो दर्जन के करीब संचालकों ने लाइसेंस के लिए आवेदन दिया है। इसके अलावा किसी भी संचालक को कार्रवाई का डर नहीं है। इसका अंदाजा इसी

बात से लगाया जा सकता है कि नोटिस के बावजूद आवेदन तक नहीं दे रहे है।

सर्वे में इन रेस्टोरेंट के नाम आए सामने

स्काईस्कैप, विनिहा हॉस्पिटैलिटी एलएलपी (धुनकी), बेबीलोन, प्राना ब्रेंस हॉस्पिटैलिटी लूप, एमआई एमोर (यूनिट बाइ गीत समरी एंड संस), नेवर द लेस, मैकेनिक्स रेस्टोरेंट एंड लाउंज, जंगली जांट्स प्राइवेट लिमिटेड, मदिरा लाउंज एंड बार, क्राउन ७ ए फैमिली रेस्टोरेंट, फर्स्ट डेट कैफे, अटारी किचेन एंड लाउंज, द कोव रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट टेन 11 रेस्टोरेंट, मोक्ष बार एंड रेस्टोरेंट, मोचा रेस्टोरेंट, एमएस विडोरा रेस्ट्रो, स्मोवड, होटल द रासो, कोरल ग्रैंड, अर्श हॉस्पिटैलिटी ग्रीका, सिग्नेचर रेस्टोरेंट एंड लाउंज द अर्बन ब्रैविया बार, कैलोरीज रेस्टोरेंट. अनारदाना स्काई वॉक लाउंज एंड बार, स्काई डाइन रेस्टोरेंट, लेवल ७ रूफ टॉप रेस्टोरेंट, सोरोस किचन एंड बार ओलिव्स एंड फिग्स, निवार्ना लाउंज एंड रेस्टोरेंट, याराना रूफ टॉप कैफे बार. लिटिल रूफ रूफ रेस्टोरेंट, द

शैक किचन, द अर्बन ब्रावा

PHOTON NEWS RANCHI:

गुरुवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस

कमेटी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी

के अवसर पर कांग्रेस भवन रांची में

एक कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। इस दौरान महात्मा गांधी के

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर उनके

कांग्रेस अध्यक्ष बनने तक के

महत्वपूर्ण क्षणों पर आधारित चित्रों

की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का

अवलोकन कांग्रेस के नेताओं,

कार्यकताओं और आम जनता ने

किया। सभी ने गांधी की प्रासंगिकता

को समझा और उनके योगदान को

सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते

'पेट्रोल-डीजल पर सेस् लगाकर दाम बढ़ाने की तैयारी में हेमंत सरकार'

RANCHI: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि राज्य में पेट्रोल-डीजल

लीटर बढ़ोतरी



चल रही है। मरांडी ने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राजस्व बढ़ाने के निर्देश के बाद अधिकारी जनता के पॉकेट पर बोझ लादकर सरकारी खजाना भरने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यह जनविरोधी फैसला तत्काल वापस लें। क्योंकि, इससे रोजमर्रा की चीजों में काफी महंगाई आ सकती है और आम जनजीवन पर बरा असर पडेगा। मरांडी ने कहा है कि बिजली दर में बढ़ोतरी का प्रस्ताव और अब पेटोल डीजल के दामों में बढ़ोतरी के संकेत को देखकर जनता समझ चुकी है कि हेमंत सोरेन ने अव्यवहारिक चुनावी वादे कर उनके साथ कितना

मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों को मिलाकर बनाएं हेल्थ सर्किट



अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुधार और रांची शहर के विकास पर संबंधित अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और जिला अस्पतालों को मिलाकर हेल्थ सर्किट बनाने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को एक अस्पताल से दसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा सके और अस्पतालों पर दबाव न बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए परी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सरकारी अस्पतालों को 247 फंक्शनल बनाने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा सुनिश्चित

करने की बात की। सामदायिक

स्वास्थ्य केंद्रों के बेहतर संचालन

PHOTON NEWS RANCHI:

 सीएम हेमंत सोरेन ने स्वास्थ्य व्यवस्था व रांची के री-डेवलपमेंट पर अधिकारियों के साथ की बैठक

और किडनी रोगियों के लिए पेरीटोनियल डायलिसिस की सुविधा की दिशा में भी कदम उठाने का आदेश दिया। रांची के री-डेवलपमेंट प्लान और यातायात व्यवस्था को लेकर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने रांची शहर को सुंदर और स्मार्ट बनाने के लिए कई अहम निर्देश दिए। इसमें सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण हटाने व सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस दौरान सीएम ने रिम्स में मरीजों के प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि अस्पतालों में अव्यवस्था को खत्म करने के लिए पेशेवर प्रबंधन की सेवा ली जाए।

श्री श्याम मंदिर में मनाया गया सफला एकादशी उत्सव

PHOTON NEWS RANCHI:

गुरुवार को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में सफला एकादशी उत्सवव श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। सुबह से ही भक्तों की भीड़ इस पावन अवसर पर प्रभु के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। प्रभु को नए और सुंदर वस्त्र (बागा) पहनाकर, स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया। इसके बाद जूही, बेला, रजनीगंधा, गुलाब और तुलसी दल की मालाओं से श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान बजरंगबली और शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि में जयकारों के साथ पावन ज्योत प्रज्वलित की गई। सदस्यों द्वारा भावपूर्ण संकीर्तन में भजनों पर भक्त झमते रहे। उत्सव के दौरान प्रभु को विभिन्न प्रकार

PHOTON NEWS RANCHI:

कम्युनिस्ट

(भाकपा) के 100 वर्ष पूरे होने

पर गुरुवार को राज्य कार्यालय में

उल्लास और नए संकल्प के साथ

स्थापना दिवस मनाया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम की

अध्यक्षता जिला सचिव अजय

कमार सिंह ने की। भारतीय

कम्यनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव

महेंद्र पाठक ने कहा कि भाकपा ने

100 साल के लंबे सफर में देश

को बनाने-संवारने, किसान,

मजदूर, छात्र, नौजवान के हक

और अधिकार के लिए लगातार

संघर्ष किया है। संघर्ष के दौरान

बड़ी संख्या में पार्टी के सदस्यों ने

शहादत देकर लाल झंडे के रंग को

और लाल एवं गहरा कर दिया है।

वर्ष 2025 संगठन और संघर्ष का

पार्टी



लाइसेंस लेना तो दूर की बात है।

के मेवे, फल, खीर, चूरमा और केसरिया दुध का भोग अर्पित किया गया। महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम जोशी, रमेश सारस्वत, चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका. मनोज ढांढनीयां. गौरव परसरामपरिया, नितेश केजरीवाल, नितेश लाखोटिया, विकास पाड़िया, प्रियांश पोद्दार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाकपा ने सौ वर्ष पूरे होने पर राज्य

कार्यालय में मनायां स्थापना दिवस

वर्ष रहेगा। आने वाले दिन के लिए

आरपी चौधरी ने कहा कि देश के

निर्माण में पार्टी की अहम भूमिका

रही है। उन्होंने 100 साल की

संघर्ष गाथा को विस्तृत रूप से

लोगों बताया। एटक के

महासचिव अशोक यादव ने कहा

कि हमारे संघर्ष का लंबा इतिहास

रहा है। देश में सबसे ज्यादा

शहादत देने वाली पार्टी भाकपा

परी तैयारी कर रही है।

21 होमगार्ड जवानों को इलाज

RANCHI: पुलिस जवानों की कुमारी शामिल है।

के लिए मिले 38.46 लाख

तरह होमगार्ड जवानों को भी कल्याण कोष से इलाज के लिए राशि मिली है। झारखंड होमगार्ड के 21 जवानों को इलाज के लिए कल्याण कोष से 38.86 लाख रुपये मिले हैं। जिन जवानों को राशि मिली है, उनमें दिवाकर कुमार मिश्रा, संजय कुमार बैठा, बैजनाथ महतो, रामकुमार राय, विद्याभूषण राय, मुद्रिका साह, मनोज कुमार यादव, कन्हैया प्रसाद के पुत्र रोहित कुमार, विपिन बिहारी तिवारी, घनश्याम सिंह, बुजलेश कुमार, मो. रशीद, वीरेंद्र पांडे, सुधीर प्रजापति, शाहनवाज आलम की पुत्री नफीसा रानी, राजेश्वर उपाध्याय, असीम अंसारी, इंद्रनाथ साहू,अनिल किस्कू, विकास मुंडा और बबीता

है। देश के मजदूर की लड़ाई

लड़ते हुए अंग्रेजों से भी कई

अधिकार प्राप्त किए। कार्यक्रम में

किसान सभा के महासचिव

पुष्कर महतो, वरीय उपाध्यक्ष भंते

जैनेंद्र, अब्दुल कलाम रसीदी,

आरपी चौधरी, इप्टा के श्यामल

मल्लिक, पुरंदर महतो, लक्ष्मी

देवी, अमित कुमार और मनोज

ठाकुर शहीद के अलावा कई

लोग मौजूद थे।

हए मख्य अतिथि वित्त मंत्री ई-केवाईसी कराने के लिए

28 फरवरी तक बढा डेट

RANCHI: अगर आप भी झारखंड के राशन कार्ड होल्डर हैं। आपने अब तक ई- केवाईसी नहीं कराया है तो आपके लिए बड़ी खुशखबरी है। क्योंकि खाद्य आपूर्ति विभाग ने ईकेवाईसी कराने की तारीख 28 फरवरी तक बढ़ा दी है। प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह ने इसकी जानकारी दे दी है। उन्होंने रांची, जमशेदपुर व धनबाद के एसआरओ और जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्धारित अवधि में ई-केवाईसी का कार्य पुरा करने का निर्देश दिया है। बता दें कि जनवितरण प्रणाली दुकान के माध्यम से राज्य में? आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के आधार पर लाभुकों के बीच नमक, चीनी, दाल और धोती-साड़ी आदि का वितरण किया जाता है।

कोशिश कहीं से उचित नहीं : राधाकृष्ण किशोर

महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के शताब्दी वर्ष पर पार्टी ने किया कार्यक्रम

गांधी के विचारों और संविधान को बदलने की

कार्यक्रम को संबोधित करते वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर। प्रभावी हो सकता है। साथ ही यह

राधाकृष्ण किशोर ने महात्मा गांधी की अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का मानना था कि हिंसा सैद्धांतिक रूप से गलत है और इसका विरोध हर किसी का कर्तव्य है। उन्होंने जो सत्याग्रह की नींव रखी, वह केवल सद्भावना और जनकल्याण के उद्देश्य से ही

भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा गांधी के विचारों और संविधान को बदलने की कोशिश उचित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह देश गांधी का है और गांधी जी की प्रासंगिकता बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। कांग्रेस इसके लिए सदैव तत्पर है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि यह शताब्दी समारोह राज्य के विभिन्न जिलों में भी आयोजित किया गया। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी। सभी पर्यवेक्षकों ने अपने प्रभार वाले में कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित किया। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर तिवारी और आसिफ नईम के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। कांग्रेस भवन में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर मुख्य अतिथि के रूप में

सुधीर दुबे व कन्हैया सिंह के खिलाफ राज्य सरकार ने दायर की थी याचिका

दो कुख्यात अपराधियों की जमानत रद्द करने पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड हाईकोर्ट में कुख्यात अपराधी अखिलेश सिंह के करीबी माने जाने वाले सुधीर दुबे और कन्हैया सिंह की जमानत रद्द करने के लिए राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका पर सनवाई हुई। हाईकोर्ट की खंडपीठ में दोनों अपराधियों की ओर से सरकार के शपथ पत्र में प्रस्तुत बिंदुओं की सत्यता की जांच के लिए जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया। राज्य सरकार ने शपथ पत्र के माध्यम से बताया कि सुधीर दुबे और कन्हैया सिंह को जमानत मिलने के बाद उनके खिलाफ नए मामले दर्ज हुए हैं। कन्हैया सिंह पर जमानत मिलने के बाद 8 और



सुधीर दुबे कन्हैया सिंह

सुधीर दुबे पर 5 नए आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए हाई कोर्ट से इनकी जमानत रद्द करने का आग्रह किया। सुधीर और कन्हैया को जमशेदपुर के सोनारी थाना कांड से संबंधित अमित राय की हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। हाई कोर्ट ने 2019 में सजा के खिलाफ

दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दोनों को जमानत प्रदान की थी। राज्य सरकार की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका (आईए) में कहा गया है कि सुधीर और कन्हैया जमानत मिलने के बाद से अधिक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो गए हैं। इस आधार पर उनकी जमानत रद करने का अनुरोध किया गया। सरकार के वकील भोलानाथ ओझा ने याचिका की पैरवी की। कोर्ट ने पूर्व सुनवाई में सुधीर और कन्हैया को नोटिस जारी कर पूछा था कि क्यों नहीं इनकी जमानत रद की जाए। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति आनंद सेन की पीठ में की जा रही है।

बेहतर सेहत : आज सभी विभागों के डॉक्टरों के साथ मीटिंग करेंगे डॉ. इरफान अंसारी

रिम्स की व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे स्वास्थ्य मंत्री

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शुक्रवार (२७ दिसंबर) को प्रशासनिक भवन में रिम्स के डॉक्टरों के साथ मीटिंग करेंगे। बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, बैठक में रिम्स के प्रबंधक, डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, कर्मचारी और संबंधित अधिकारी शामिल होंगे। इसमें रिम्स की प्रगति, सुधार समेत विभिन्न योजनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। रिम्स की स्थिति सुधारने को लेकर टास्क भी दिया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारी को समय पर बैठक में उपस्थित रहने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा को लेकर तैयारी के साथ आने को कहा गया है। बता दें कि 26 दिसंबर को बैठक निर्धारित थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। बैठक में विभिन्न प्रशासनिक और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा होने वाली थी।

अस्पताल की प्रगति और सुधार सहित विभिन्न योजनाओं को लेकर किया जाएगा विमर्श अलग-अलग स्तर पर चिकित्सकों और अधिकारियों को सौंपा जाएगा टास्क



स्वास्थ्य मंत्री के रिम्स आने की सूचना पर हॉस्पिटल में 2 दिन से तैयारी चल रही है। वार्ड से लेकर ओपीडी में व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। सफाई करने वाली एजेंसी को पूरे हॉस्पिटल को चकाचक करने

को कहा गया है। इसके लिए सुपरवाइजर को जमकर

स्वास्थ्य मंत्री के आने की सूचना पर दो दिनों से चल रही तैयारी फटकार भी अधिकारियों ने लगाई है, ताकि स्वास्थ्य मंत्री के निरीक्षण के दौरान कहीं भी गंदगी दिखाई न दें। इसके पहले भी शपथ ग्रहण के बाद स्वास्थ्य मंत्री के आने की सूचना पर पूरे हॉस्पिटल में व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा गया था।

इलाज कराने बाहर से भी आते हैं मरीज

बता दें कि रिम्स में इलाज कराने के झारखंड के दूर दराज के इलाकों से ही नहीं, बिहार, ओडिशा और बंगाल से भी हर दिन मरीज पहुंचते है। इसमें इमरजेंसी में 500 मरीज होते है। ओपीडी में 2000 मरीज इलाज के लिए आते है। ऐसे में रिम्स की व्यवस्था सुधारने को लेकर उपायुक्त की भी एट्री हो चुकी है। एसडीओ ने भी रिम्स का निरीक्षण किया था। उपायुक्त ने रिम्स अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की थी। इसमें उन्होंने मरीजों को बेहतर सुविधाएं मुहैया

कराने को कहा था।

झारखंड राज्य स्क्वैश टीम का चयन ३० दिसंबर को

RANCHI: झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन (जेएसआरए) 38 वीं राष्ट्रीय खेल चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए 30 दिसंबर को स्क्वैश खिलाड़ियों का चयन ट्रायल आयोजित करेगा। रांची डिस्ट्रिक्ट स्क्वैश एसोसिएशन के सचिव आशीष कुमार बनर्जी ने जानकारी दी कि तय कार्यक्रम के अनुसार अगले साल 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेल चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। एकदिवसीय चयन ट्रायल रांची के फिरायालाल क्रॉस कोर्ट में 30 दिसंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पुरुष और महिला वर्ग के लिए ओपन और सीनियर इवेंट में नॉकआउट आधार पर होगी। इसके बाद झारखंड स्क्वैश टीम की घोषणा की जाएगी, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग में चार-चार खिलाड़ी शामिल होंगे।

डीसी ने मंईयां सम्मान कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा



PHOTON NEWS RANCHI:

गुरुवार को उपायुक्त मंजूनाथ खोजा टोली, नामकुम स्थित ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचे। यहां उन्होंने 28 दिसंबर को होने वाले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों के बारे में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल की सभी व्यवस्था को समय पर पूरा करें जिससे कि कार्यक्रम के दौरान कोई परेशानी न हो। उन्होंने लाभुकों के आवागमन,

बैठने, खाने-पीने, शौचालय, पार्किंग जैसी व्यवस्था की भी जानकारी ली। उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक पैमाने पर पुलिस बल व मजिस्ट्रेट की तैनाती पर जोर दिया। उन्होंने पार्किंग स्थलों की व्यवस्था पर भी ध्यान केंद्रित किया। कहा कि बड़ी संख्या में आने वाले लाभुकों के वाहनों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो और ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। कार्यक्रम स्थल पर वाहनों के आवागमन के लिए रूट चार्ट भी निर्धारित किया गया है।

समाचार सार

ऑल इंडिया संताली राइटर्स का सम्मेलन कल से

JAMSHEDPUR: ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन का 37वां वार्षिक सम्मेलन और साहित्यिक महोत्सव 28 दिसंबर से आरंभ होगा।



यह कार्यक्रम परसुडीह के करनडीह स्थित दिशोम जाहेर में होगा। सीतारामडेरा स्थित

अध्यक्ष लक्ष्मण किस्कू ने बताया कि इस साल भी दोदिवसीय आयोजन 28 और 29 दिसंबर को होगा, जिसमें देश भर से संताली भाषा के जानकार उपस्थित होंगे। प्रेस वार्ता में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मदन मोहन सोरेन और महासचिव रविंद्र नाथ मुर्मू के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

डालसा की मोबाइल वैन पटमदा पहुंची

JAMSHEDPUR: जिला विधिक सेवा प्राधिकार, न्याय सदन, सिविल



कोर्ट जमशेदपुर के निर्देशन में मोबाइल वैन गुरुवार को पटमदा प्रखंड पहुंची, जहां आसपास के क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता अभियान चलाया

पटमदा बस्ती, काशीडीह, सुंदरपुर आदि जगहों में जरूरतमंदों के बीच कानुनी जागरूकता अभियान चलाया गया। डालसा टीम में पीएलवी दिलीप जायसवाल, सदानंद महतो, सुजय दत्ता, शिवशंकर महतो, नंदा रजक, बुधेश्वर मुर्मू, लक्ष्मीकांत गोप, फटिक चंद्र महतो भी शामिल थे।

याद किए गए बालक जोरावर व फतेह

GHATSILA: घाटशिला कॉलेज में गरुवार को वीर बाल दिवस मनाया गया। इसमें सिखों के दसवें



गुरु गुरुगोविंद सिंह के पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत को याद किया गया। प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने बताया कि गुरुगोविंद सिंह ने 1699

में खालसा पंथ की स्थापना की थी। 26 दिसंबर 1705 को उनके 9 वर्षीय पुत्र बाबा जोरावर सिंह और 6 वर्षीय बाबा फतेह सिंह की शहादत हुई थी। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने वीर बाल दिवस पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग एवं निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें रूपाली मुर्मू प्रथम, गुरुवारी हेंब्रम द्वितीय, बिनोती पातर को तृतीय तथा तुलसी धीवर, जयंती महतो, भैरवी मार्डी व भानु टुडू के पोस्टर को प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में सुलेखा गोराई प्रथम, लाबो मार्डी द्वितीय एवं पुनीत चंद्र बास्के को तृतीय स्थान मिला। सभी विजेताओं को प्राचार्य ने पुरस्कृत किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी को किया याद

कमेटी व गोलमुरी प्रखंड

नंबर बस्ती, हिंदुस्तान मित्र मंडल चौक के समीप महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया। जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, मुख्य अतिथि रविंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू, अशोक चौधरी व वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 26 दिसंबर 1924 को बेलगाम, कर्नाटक में कांग्रेस का 39वां अधिवेशन आयोजित हुआ था।

पोटका व गुड़ाबांदा के बीएसओ को लापरवाही पर किया शोकॉज

छह माह से राशन नहीं उठाने वाले उपभोक्ताओं का कार्ड रद्द करने का निर्देश

समाहरणालय सभागार उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में गुरुवार को आपूर्ति एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण, चना दाल, नमक व चीनी वितरण, डाकिया योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इस दौरान पोटका व गुड़ाबांदा के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (बीएसओ) को शोकॉज किया गया। उपायुक्त ने पाया कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) व झारखंड राज्य योजना (जेएसएफएसएस) में खाद्यान्न का वितरण राज्य के औसत से कम हुआ है। प्रखंड आपूर्ति



बैटक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

पदाधिकारियों ने बताया कि कई बावजूद राशन नहीं ले रहे हैं, अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है। इसके साथ ही साथ नया राशनकार्ड के लिए रिक्ति भी

उत्पन्न नहीं हो पा रही है। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि विगत छह माह से उठाव नहीं कर रहे

भी संतोषजनक नहीं पाया गया। निर्धारित समय सीमा वितरण कराने का निर्देश दिया पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने-अपने क्षेत्र के सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता को अविलंब चीनी के निर्धारित मुल्य का बैंक ड्राफ्ट जमा कराते हुए ससमय इसका उठाव एवं वितरण कराना सुनिश्चित

सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं पणन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी पीवीटीजी कार्डधारियों को डाकिया योजना के अंतर्गत प्रत्येक माह के प्रथम

खाद्यान्न का पैकेट उनके घर पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

धान अधिप्राप्ति में प्रगति की समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिए पूरे जिले में 46 धान अधिप्रप्ति केंद्र खोला गया है, जिसमें से अब तक 40 क्रय केंद्र कार्यरत हैं।

शेष 6 के संबंध में जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि केंद्रों की जांच करते हुए 31 दिसंबर तक शुरू कराना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी. सभी एमओ, प्रखंड आपर्ति पदाधिकारी. सहायक गोदाम प्रबंधक आदि

बिष्टुपुर में बंद घर से नकद समेत १६ लाख



JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर थाना

क्षेत्र के आउटर सर्किल रोड स्थित क्वार्टर नंबर एल5/24 में बुधवार शाम एक चोरी की वारदात ने इलाके में हडकंप मचा दिया। घर के मालिक भावेश चंद्र पाल अपने परिवार के साथ किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर गए थे, तब चोरों ने उनके उनका परिवार शाम करीब 6.30 बजे पास ही एक परिचित के घर किसी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वे रात करीब 9.30 बजे अपने घर लौटे, तो पाया कि घर के मुख्य गेट पर लगा ताला टूटा हुआ था। अंदर प्रवेश करने पर घर के भीतर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और सभी अलमारी खुली हुई थीं, जिससे स्पष्ट था कि चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। भावेश ने तुरंत पुलिस को सुचित किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि चोरों ने घर के अलमारी को तोड़कर उसमें रखे कीमती गहनों और नकद पैसे पर हाथ साफ किया। भावेश के मुताबिक चोरों ने लगभग 15 लाख रुपये के गहने और 1.25 लाख रुपये नकद चराए हैं। चोरों ने पूरी योजना के तहत वारदात को

ऑब्जर्वेशन होम से बरामद हुआ बीड़ी गांजा, गुटखा, रस्सी और मोबाइल

अनुमंडल पदाधिकारी ने जताई नाराजगी, कार्यशैली में सुधार के दिए सख्त निर्देश

उपायुक्त के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम शताब्दी मजुमदार ने गुरुवार को करनडीह स्थित ऑब्जर्वेशन होम व बाल गृह का औचक निरीक्षण किया। कार्यपालक दंडाधिकारी चंद्रजीत सिंह व सुदीप्त राज के साथ निरीक्षण के दौरान ऑब्जर्वेशन होम से बीड़ी, गांजा, गुटखा, रस्सी, मोबाइल फोन आदि जब्त किए गए। एसडीओ ने नाराजगी जताते हुए ऑब्जर्वेशन होम के प्रबंधन को कार्यशैली में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया। इंट्री गेट पर भी गार्ड द्वारा बगैर पूछताछ के इंट्री देने पर उन्होंने फटकार लगाई और बिना अनुमति किसी को भी परिसर के अंदर नहीं जाने



बरामद किए गए नशीले पदार्थ

देने के निर्देश दिए। ऑब्जर्वेशन होम परिसर में साफ-सफाई की भी कमी पाई गई, मौके पर मौजूद शिक्षक को उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के बेहतर रखरखाव व परिसर की नियमित साफ-सफाई का निर्देश दिया। ऑब्जर्वेशन होम प्रबंधन की समस्याओं को भी सुना, उन्होंने स्टाफ की कमी बताई, जिस पर यथोचित कार्रवाई

एसडीओ ने बच्चों से की बात, सकारात्मक जीवन की दी प्रेरणा

अनुमंडल पदाधिकारी ने बाल गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने किचन, बच्चों के रूम, परिसर आदि का मुआयना किया। बाल गृह में 19 बच्चे एवं केयरटेकर मौजूद थे। उपस्थिति रजिस्टर व स्टॉक आदि अपडेट पाया गया। बच्चों से संवाद स्थापित कर एसडीओ ने उन्हें जीवन में अपनी ऊर्जा का सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। पबंधन को पोजेक्टर के माध्यम से अच्छी डॉक्यूमेंट्री, फिल्म, जानकारीपूण ीडियो आदिं दिखाने के निर्देश दिए, जिससे उपलब्ध संसाधन का सही उपयोग हो एवं बच्चों के मन मस्तिष्क पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़े।

बाइक से गिर कर युवक की हो गई मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाईबासा में मोटरसाइकिल से गिरने से मुफस्सिल थाना के तांबो निवासी 25 वर्षीय विनीत किशोर परती की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात विनीत किशोर पुरती बरकुंडिया नदी से पिकनिक मना कर घर मोटरसाइकिल से लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में अचानक मोटरसाइकिल समेत गिर पड़ा। इससे गंभीर रूप से घायल होने के कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को चाईबासा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि बुधवार को अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने के लिए बरकुंडिया नदी गया था। वापस आने के दौरान बाइक से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी।

वैन से टकराई बाइक तीन युवक हुए घायल



दुर्घटना के बाद सड़क पर लगी भीड़

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के काशिदा गांव स्थित बुरु रिसॉर्ट के समीप गुरुवार को एक बुजुर्ग महिला को बचाने के दौरान बाइक अनियंत्रित होकर वैन से टकरा गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार कालचित्ती निवासी सुखलाल सिंह और पवन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पावड़ा निवासी मिलन नमाता को भी चोटें आईं। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल घायलों को घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने उनका प्राथमिक उपचार किया। गंभीर स्थिति को देखते हुए सुखलाल सिंह और पवन सिंह को बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि मिलन नमाता का इलाज अनुमंडल अस्पताल में किया गया। घटना की सूचना मिलते ही घाटशिला थाना के एसआई उमेश कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और

बुजुर्ग की हत्या का आरोपी हुआ गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA: जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में एक बजर्ग व्यक्ति की पडोस मे रहने वाले युवक ने हत्या कर दी थी। सूचना मिलने पर जगन्नाथपुर व जेटेया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद जगन्नाथपर थाना की पलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। वहीं, आरोपी को गिरफ्तार

कर लिया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सबह मेरोमसाई से सैलदोरी जाने वाली सड़क किनारे स्थित पत्तारबंदा के लोगों ने अज्ञात शव देखा। लोगों ने इसकी जानकारी बडानंदा के ग्रामीण मुंडा बलराम लागुरी को दी, जिसके बाद मुंडा ने घटनास्थल जाकर शव की पहचान अगल- बगल के लोगों से की, जिसके बाद शव की पहचान



घटनास्थल पर पहुंची पुलिस

सैलदौरी निवासी आईबन लागरी (63) वर्ष के रूप में हुई। इसके बाद मुंडा द्वारा जगन्नाथपुर थाना में इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जगन्नाथपुर पुलिस मौके पर पहुंची। दसके बाद मृतक के पुत्र राजेश लागुरी ने पुलिस को बताया कि 25 दिसंबर बुधवार को मेरी फुआ की मृत्यु होने पर मेरे पिता आईबन लागुरी ओडिशा के निमापोखरिया गांव स्कॉर्पियो बुक करके गांव के संदीप नामक व्यक्ति के साथ गए थे। आज मेरे पिता की

मामले में पति हिरासत में थाना अंतर्गत कीताडीह के वैष्णवी

महिला की संदिग्ध मौत के

अपार्टमेंट के पास रहने वाले संजीव कुमार की पत्नी आरती देवी (34) की २४ दिसंबर को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने संसुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए संजीव के घर में तोड़फोड़ भी की थी। वहीं आरती के पिता के बयान पर परसुडीह थाना में पति संजीव समेत ससुराल पक्ष पर हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने संजीव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इधर, गुरुवार को पुलिस ने आरती के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। परसडीह के थाना प्रभारी फैज अहमद ने बताया कि संसुराल पक्ष के अनुसार २४ दिसंबर को आरती देवी रसोईघर में काम करने के दौरान गिरकर घायल हो गई थी। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर गए, जहां से उसे एमजीएम रेफर

वीरों को षड्यंत्रपूर्वक भुलाया गया, इतिहास से हुआ अन्याय : बड़कुंवर



JAMSHEDPUR: भाजपा जमशेदपुर महानगर ने वीर बाल दिवस के अवसर पर सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की अंतुलनीय शहादत को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुवार को जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित वीर बाल दिवस के कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बड़कुंवर गागराई ने साहिबजादों की वीरता और बलिदान को नमन करते हए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास से अन्याय हुआ है. वीरों को षड्यंत्रपूर्वक भुलाया गया। वीर बाल दिवस भारतीयता और धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। यह दिन श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की वीरता और निष्ठा को रमरण करने का दिन है।

छात्रों की लिखी गई पुस्तक 'स्वच्छता संवाद' का किया गया अनावरण

पर्यावरण जागरूकता और युवा जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरक कदम उठाते हुए, टाटा स्टील युआईएसएल ने पोटली प्रोडक्शंस और द हाइफन के सहयोग से पूर्वी सिंहभूम जिले के 25 स्कूलों के 43 छात्रों द्वारा लिखित एक अभूतपूर्व पुस्तक स्वच्छता संवाद का अनावरण किया। स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत मिशन) के साथ संरेखित यह पहल स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए समर्पित युवा आवाजों की रचनात्मकता और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। लॉन्चिंग कार्यक्रम में कृष्ण कुमार (उपनगर आयुक्त, जमशेदपुर अक्षेस) और रवींद्र कुमार सिंह (महाप्रबंधक, टाउन ओ एंड एम, टाटा स्टील यूआईएसएल) ने भाग



पुस्तक का अनावरण करते अतिथि

का जश्न मनाया गया।

लिया। इसमें इस पहल को सफल बनाने वाले 3,000 से अधिक भाग लेने वाले छात्रों के योगदान

परियोजना की शुरूआत शहर भर में निबंध प्रतियोगिता के साथ हुई. जिसमें छात्रों को स्वच्छता प्रथाओं, चुनौतियों और समाधानों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभा के इस समूह

JAMSHEDPUR : मानगो में

• फोटोन न्यूज पोटली प्रोडक्शंस की संस्थापक दीपाली रैना के नेतत्व में एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला के लिए 43 असाधारण छात्रों का चयन किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से, छात्रों ने अपनी कहानी कहने और संचार कौशल को निखारा और अब स्वच्छता संवाद में दिखाए जाने वाले

आकर्षक आख्यान तैयार किए।

पुराना कोर्ट परिसर में अनुशासन पर अधिवक्ताओं ने लिए निर्णय



JAMSHEDPUR : जमशेदपुर जिला बार संघ की गुरुवार को पुराना कोर्ट परिसर में बैठक हुई। इसमें सबसे पहले वीर बालकों को श्रद्धांजलि दी गई। जिला बार संघ के महासचिव कुमार राजेश रंजन की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन अधिवक्ता विनोद कुमार मिश्रा ने किया। इस दौरान न्यायालय परिसर को . स्व्यवस्थित और सुरक्षित बनाए रखने के लिए चार मुख्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि कोर्ट परिसर में मौजूद सभी टाइपिस्ट केवल डॉक्यूमेंट टाइपिंग ही करेंगे। अन्य कोई गतिविधि में उनकी संलिप्तता नहीं होगी। यह कदम न्यायालय परिसर में अनुशासन और पारदर्शिता के लिए उढायाँ गया। वहीं, सभी नोटरी पब्लिक को निर्देश दिया गया कि वे केवल अधिवक्ताओं द्वारा लाए गए दस्तावेजों को ही नोटराइज करें। ऐसे दस्तावेजों पर अधिवक्ता और दस्तावेज बनाने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

जहां-जहां शिव के आंसू गिरे, वहां रुद्राक्ष वृक्ष उत्पन्न हुए : कथावाचक

एनएच-33 स्थित वसुंधरा एस्टेट (नियर इरिगेशन कॉलोनी) में श्री शिव महापुराण कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिन गुरुवार को वृंदावन से पधारे स्वामी वृजनंदन शास्त्री महाराज ने व्यास पीठ से शिव महापुराण, शोभायात्रा. महात्म्य, रूद्राक्ष, भस्म महिमा आदि प्रसंग पर व्याख्यान दिया। कथा के दौरान प्रसंग के आधार पर कलाकारों ने जीवंत झांकी भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि जब भगवान शिव ने मानव जाति के कष्ट और पुनर्जन्म के चक्र को देखा, तो उनका हृदय करुणा से भर गया। उनकी आंखों से आंस् बहने लगे, और जहां-जहां ये आंसू गिरे, वहां रुद्राक्ष वृक्ष उत्पन्न हुए। शिव कथा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भस्म, रुद्राक्ष धारण करके ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करने वाला



प्रवचन देते वृजनंदन शास्त्री

मनुष्य शिव रूप हो जाता है। भस्म रुद्राक्षधारी मनुष्य को देखकर भूत-प्रेत भाग जाते हैं। देवता पास में दौड़ आते हैं। उसके यहां लक्ष्मी और सरस्वती दोनों स्थायी निवास करती हैं, विष्णु आदि सब देवता प्रसन्न होते हैं। महाराज ने आगे कहा कि शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है।

नोटिफिकेशन के चार माह बाद भी केयू में नहीं लागू हो सकी ओल्ड पेंशन स्कीम

सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक भी पुरानी पेशन से हो रहे वचित

• फोटोन न्यूज

हत्या होने की सूचना मिली। इस

पर जगन्नाथपर थाना प्रभारी

शिवनारायण तिवारी ने मृतक के

पुत्र राजेश लागुरी से मृतक के बारे

में परी जानकारी ली। किस तरह

मतक व हत्यारा ओडिशा गए.

किसके साथ गए, पूरी जानकारी

लेने पर थाना प्रभारी को शक हुआ

कि संदीप लागुरी ने ही पैसे के

लालच में हत्या की होगी। इसके

बाद एक घंटे में आरोपी संदीप

लागुरी को गिरफ्तार कर लिया

PHOTON NEWS JSR:

कोल्हान विश्वविद्यालय पदाधिकारियों की लापरवाही व लेटलतीफी का खामियाजा यहां के छात्र, शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी भूगत रहे हैं। आलम यह है कि छोटे से छोटा निर्णय लेने में भी विवि के अधिकारी 5 से 6 महीने का वक्त लगा रहे हैं। वही कार्य दूसरे विवि में एक सप्ताह में हो जा रहे हैं।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण ओल्ड पेंशन स्कीम है। इसे लागू करने की अधिसूचना उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अगस्त में ही जारी कर की गई थी, लेकिन चार महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोल्हान विवि ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। इसकी वजह से विवि व उसके कॉलेजों में सेवा देने वाले शिक्षकों व कर्मचारियों



को सेवानिवृत्ति के बाद भी इसका लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे वे परेशान हैं। मालूम हो कि इस योजना को उच्च शिक्षा विभाग के नोटिफिकेशन के बाद सभी विवि को नोटिफाई कर लागू करना था, जिसके बाद ही इसका लाभ वहां के शिक्षकों व कर्मचारियों को मिलेगा, लेकिन केयू में ऐसा नहीं हो रहा है। जबसे उच्च शिक्षा विभाग ने यह नोटिफिकेशन जारी किया है तब से विवि के शिक्षक व कर्मचारी केयू से इसे नोटिफाई करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन पिछले चार महीने से विवि उनकी मांगों को नहीं सुन रहा है, जिससे शिक्षक परेशान हैं। मालूम हो कि केयू में पिछले तीन महीने में 15 से सिंडिकेट से अनुमोदन के बाद करेंगे लागू

ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने पर हो रही देरी पर कोल्हान विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इससे संबंधित प्रस्ताव को पहले सिंडिकेट में रखा जाएगा। वहां से अनुमोदन होने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। उनकी मानें तो अगले महीने विवि के सिंडिकेट की बैठक होगी। इसमें इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। हालांकि दूसरे विवि द्वारा बिना सिंडिकेट अनुमोदन के ही इसे लागू किए जाने पर केयू का कहना है कि दूसरे क्या कर रहे हैं, यह देखना उनका काम नहीं है। वे नियमानुसार ही काम करेंगे।

केयू को छोड़ राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में लागू

ओल्ड पेंशन स्कीम की बात करें तो राज्य के 8 विश्वविद्यालयों में से 7 विश्वविद्यालयों में यह लागू हो चुका है और सेवानिवृत्त होने के बाद वहां के शिक्षकों व कर्मचारियों को इसका लाभ मिल रहा है। कई विवि में तो सितंबर 2024 में ही इसे नोटिफाई कर दिया, लेकिन कोल्हान विवि राज्य का इकलौता विवि है, जहां इसे नोटिफाई नहीं किया गया है।

ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने की दिशा में हम काम कर रहे हैं। अगले महीने इसे सिंडिर्केट से पास कराया जाएगा। इसके बाद लागू कर दिया जाएगा। यह सही है कि दूसरे विवि में यह लागू हो चुका है, लेकिन यहां नहीं।

अधिक शिक्षक व शिक्षकेत्तर पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ नहीं

– डॉ . परशुराम स्याल, रजिस्ट्रार केयू

कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं, जिन्हें

www.thephotonnews.com Friday, 27 December 2024

© BRIEF NEWS बिहार पुलिस में फेरबदल १०१ डीएसपी का तबादला

PATNA : बिहार पुलिस में बडे स्तर पर तबादले हुए हैं। राज्य में 101 डीएसपी स्तर के पदाधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। गुरुवार को गृह विभाग ने इन पदाधिकारियों के तबादले की अधिसूचना जारी की। विभाग के अनुसार, इन सभी पदाधिकारियों को हाल ही में डीएसपी पद का उच्चतर प्रभार दिया गया था। अब इन्हें नई पोस्टिंग दी गई है। बिनोद कुमार सिंह को आर्थिक अपराध ईकाई में, संजीत कमार सिन्हा डीएसपी टाउन पटना में बतौर डीएसपी तैनात किया गया है।

अनाथ आश्रम में बच्चे की संदिग्ध स्थिति में मौत

NALANDA: बिहार थाना क्षेत्र के गढ पर मुहल्ले में स्थित बिष्ट दत्तक अनाथ आश्रम में गुरुवार की सुबह आठ वर्षीय बच्चे की संदिग्ध मौत हो गयी। घटना के संबंध में आश्रम के प्रबंधक रानी कमारी ने बताया की आज सबह बच्चों को नास्ता देने के क्रम में एक बच्चा कमरे में अचेत पड़ा था जिसे आनन फानन में ईलाज के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ में भर्ती कराया गया जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनाक्रम की जानकारी बिहार थाना पुलिस को दी गयी जो अस्पताल जाकर मामले की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। संवाद प्रेषण तक मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। बिहार थाना पुलिस घटना की हर बिंदु पर जांच करनें में जुट गयी है।

छात्र राजद ने जलाया मुख्यमंत्री का पुतला

BHAGALPUR : जिले के नवगछिया स्टेशन चौक पर गुरुवार को छात्र राजद प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत कुशवाहा के नेतृत्व में बीपीएससी छात्रों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में छात्र राजद के द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका गया। इस मौके पर छात्र राजद जिला प्रभारी राजीव यादव ने कहा कि नीतीश कमार पूरी तरह बूढ़े हो चुके हैं। उनसे अब बिहार चलने वाला नहीं हैं। यह छात्र विरोधी सरकार हैं। इस मौके पर युवा नेता सुमित यादव, शैलेश यादव, सुमित, गोली, रोशन आदि मौजूद थे।

नवादा में 10 साइबर अपराधी गिरफ्तार

NAWADA: साइबर क्राइम का हब बन चुका नवादा में पुलिस ने शिकंजा कसते हुए विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर गुरुवार 10 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। नवादा के जालसाजों के द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से धनी फायनांस, बजाज फायनांस, मोबाइल टावर और विभिन्न बैंक से सस्ते दर पर लोन आदि के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। साइबर थाना की पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केंद्रआ, कादिरगंज थाना क्षेत्र के अतौआ गांव, काशीचक थाना क्षेत्र के नयाडीह गांव में छापेमारी कर साइबर अपराध में शामिल 10 साइबर ठग को धर-दबोचा है। बताया जाता है कि ये साइबर ठग पिछले कई वर्षों से साइबर ठगी के धंधे में लिप्त थे।

40 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार, आसपास के गन्ना किसान होंगे खुशहाल

चार साल बाद रीगा चीनी मिल चालू मुख्यमंत्री नीतीश ने किया उद्घाटन

मख्यमंत्री नीतीश कमार गरुवार को

प्रगति यात्रा के तहत शिवहर और सीतामढी दौरे पर हैं। सीतामढी में उन्होंने चार वर्षों से बंद रीगा चीनी मिल का उद्घाटन किया। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक पुतुर देव राजुलू ने बताया कि विस्तार के क्रम में इस मिल की पेराई क्षमता का विस्तार 5000 टीसीडी से बढ़कर 10000 टीसीडी तक किया जाएगा। डिस्टिलरी का विस्तार 45 केएलपीडी से 545 केएलपीडी तक, बिजली की आपूर्ति 11 मेगावाट से 50 मेगावाट तक करने के साथ ही प्रेस्डमड से 20 टीडीपी सीबीजी (कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट) स्थापित किए जाएंगे। पी। देवराजुलु ने कहा कि पहले जितने भी मजदर इस मिल में काम करते थे, उन सबों की सेवा की जाएगी। किसी का साथ नहीं छोड़ा जाएगा। सभी कामगार स्थानीय होंगे। उन्होंने कहा कि उनके कर्नाटक के मिल में 30 प्रतिशत कामगार बिहार के ही

प्रगति यात्रा के तहत शिवहर और सीतामढ़ी दौरे पर पहुंचे थे सीएम



रिमोट दबाकर चीनी मिल का उद्घाटन करते सीएम नीतीश कुमार व अन्य।

टेक्नोलॉजी से लैस किया जाएगा। इससे पूर्व यहां के किसानों को गन्ना के नए प्रभेद की खेती के लिए बीज उपलब्ध कराने के साथ ही तकनीकी जानकारी भी दी जाएगी। चीनी मिल के नए मालिक मरूगेश आर। निरानी ने कुछ महीने पहले मिल को हर हाल में चालू करने की घोषणा की थी। वे मेसर्स निरानी सगर, बंगलोर के चेयरमैन हैं। अपने वादे के मताबिक निरानी मिल को

नियत समय पर चालू कराने जा रहे हैं। 26 दिसंबर यानी आज मिल के उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र के करीब 40 हजार लोगों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा और वे आर्थिक रूप से संबल और खुशहाल होंगे। मिल मालिक निरानी करीब 25 वर्षों से चीनी मिल के कारोबार में हैं। उनके मुताबिक वे भी वे किसान परिवार से आते हैं। इस लिहाज से किसानों की स्थिति

क्षेत्र के लोग हार्ड वर्क करते है। ऐसे में उनकी कोशिश राजनीति से दर रहकर किसानों के हित के बारे में सोचने की रहेगी। अधिक से अधिक रोजगार देने की पूरी कोशिश करेंगे। वहीं, नए मिल मालिक मिलने से क्षेत्र के किसान भी खुश हैं। पूर्व के चीनी मिल मालिक की ओर से समय पर किसानों को गन्ना का भुगतान नहीं किया जाता था। इस समस्या का समाधान न तो जिला प्रशासन और न राज्य सरकार ही कर सकी। हालांकि अब किसानों को आसानी से भुगतान की पूरी उम्मीद है। चेयरमैन निरानी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा है कि वे हर सप्ताह गन्ना आपर्ति के एवज में किसानों को भगतान करेंगे। मिल मालिक निरानी की मानें तो फिलहाल इस मिल की क्षमता 11 मेगावाट बिजली उत्पादन की है, आने वाले समय में इसे बढ़ाकर 20 मेगावाट करेंगे।

से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि इस

हत्या का केस नहीं उठाने पर बदमाशों ने की फायरिंग

SASARAM : सासाराम नगर थाना अंतर्गत मोची टोला मोहल्ला में बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। दिनदहाड़े गोलियों की तड़तड़ाहट से मोची टोला में दहल गया। हालांकि इस गोलीबारी के दौरान किसी प्रकार की हताहत की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि पूर्व के विवाद में हुई हत्या मामले में दर्ज केस नहीं उठाने पर विपक्षी के द्वारा पपीता व्यवसाई के घर पर गोली चलाई गई है। गोलीबारी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच में जुट गई है। पीड़ित पपीता व्यवसाई मोहम्मद अंजिम ने बताया कि अगस्त 2023 में उसके भाई मोहम्मद अफरोज आलम उर्फ चीकू की हत्या गोली मारकर कर दी गई थी। जिस मामले में आरोपी बार-बार केस उठाने की धमकी

शिवहर को दी १८७ करोड़ की सौगात

AGENCY SHEOHAR: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पहले चरण की प्रगति यात्रा के तहत गुरुवार को शिवहर जिले का दौरा किया। यात्रा की शुरूआत पिपराही प्रखंड के मेसौढा पंचायत से हुई, जहां उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान जीविका दीदियों का उत्साह चरम पर दिखा। नीतीश कुमार ने भी उन्हें निराश नहीं किया और सभी के साथ सेल्फी ली ।मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से शिवहर बागमती प्रमंडल पहुंचने के बाद पिपराही प्रखंड के मेसौढा पंचायत में 10 कट्टा जमीन में एक करोड़ 30 लाख 33 हजार 300 रुपये की लागत से निर्मित पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन किया। साथ में अमृत सरोवर जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका स्वच्छता मिशन , ग्रामीण सड़क का निरीक्षण किया। वहीं विभिन्न विकास कार्यक्रमों की भी मुख्यमंत्री ने समीक्षा की। कुशहर में पैरामेडिकल कॉलेज, जीएनएम कॉलेज, मीनापुर से शिवहर राजस्थान चौक तक 98 करोड़ की लागत से पथ् चौड़ीकरण ,देकुली धाम से कुशहर चौक तक दो लेन में पथ का निर्माण सहित २३० विभिन्न



योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। १८७ करोड़ ४२ लाख रुपये की लागत से 230 विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति दी। वही विभिन्न विभागों के कुल 23 स्टाल लगाए गए, जिसका निरीक्षण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। समेकित मुर्गी विकास योजना,पशु चिकित्सा,बंस डायल नंबर 1962, शिक्षा विभाग द्वारा आधारभूत संरचना के कार्य, जल जीवन हरियाली,राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय शिवहर कल्याण विभाग सामाजिक कल्याण विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग आदि समेत 23 स्टॉल इसमें शामिल किए गए हैं। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एक झलक पाने के लिए सड़कों के दोनों किनारे लोगों की भीड देखने को मिली।

दिसंबर से ही प्रगति यात्रा पर है। गरुवार को शिवहर और सीतामढी पहुंचे और दोनों जिलों को करोड़ों की सौगात दी है। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री मनियारी में करोड़ों की लागत से बने सतुआही पोखर का उद्घाटन किया। वहीं मनिहारी पंचायत सरकार भवन में पहुंचकर उन्होंने ने जिम सहित पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन किया। इसके बादे सीएम हवाई मार्ग से सीतामढी जिले के टटे तटबंधों का निरीक्षण किया। लोकसभा चनाव में भी मिल को लेकर पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने मिल खुलवाने का आश्वासन दिया था। चीनी मिल के उद्घाटन से क्षेत्र के गन्ना किसानों में खुशी की लहर है और उनका मानना है कि चीनी मिल के चालू होने के बाद अब उनके अच्छे दिन लौट आएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले रीगा चीनी मिल के उद्घाटन को जिले के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। 1932 ईस्वी में अंग्रेजों ने स्थानीय लोगों के रोजगार और किसानों के लिए रीगा चीनी मिल की स्थापना की थी। जिसके बाद लाखों किसान और हजारों की संख्या में

मजदुरों को रोजगार मिला था।

2020 में रीगा चीनी मिल बंद हो

गया और किसानों के करोड़ों रुपया

मिल पर बकाया था।

नीतीश ने दूटे तटबंधों

का किया हवाई निरीक्षण

SITAMARHI : बिहार के

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 23

केंद्रीय मंत्री जीतन राम ने किया दावा एनडीए के संपर्क में राजद के 12 नेता

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को बड़ा दावा करते हुए कहा, राजद के करीब 12 नेता एनडीए के घटक दलों के संपर्क में हैं। एनडीए में कोई मनमुटाव नहीं है। बीजेपी ने भी साफ कर दिया है कि विधानसभा चुनाव 2025 नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। तेजस्वी के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए अनाप शनाप बयान दे रहे हैं। तेजस्वी यादव कोई भविष्यवक्ता हैं क्या? उनका कोई जनाधार तो है नहीं, माता-पिता के बाद वह राजनीति में आ गए हैं। नीतीश कुमार का 19 साल का राजनीतिक जीवन रहा है। उनको कौन चलाएगा, वह बहुत अच्छे से बिहार चला रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा था, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बिहार का सीएमओ कार्यालय चला रही है।



इनके जो चार नेता हैं, दो दिल्ली चले गए हैं दो पटना में हैं। यह पूरी तरह से बीजेपी के संपर्क में हैं और पूरी तरीके से बिहार को अमित शाह कंट्रोल कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की सरकार तो बीजेपी चला रही है। कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने कहा कि हम पार्टी के मुखिया जीतन राम मांझी की बातों को क्या सीरियस लें। वो खुद कह चके हैं कि जब वो सीएम थे तो उन्हें

रबर स्टैंप जैसे यूज किया गया। ज्ञान रंजन ने कहा कि जीतन राम मांझी को अपने विधायक को बचाने पर ध्यान देना चाहिए। एनडीए के कई विधायक महागठबंधन के संपर्क में हैं। आने वाले दिनों में हमारी सरकार बनेगी। लालू यादव के बेहद करीबी माने जाने वाले राजद के वरिष्ठ नेता भाई वीरेंद्र ने कहा, ्रराजनीति में कोई भी परमानेंट दोस्त और दुश्मन नहीं होता।

AGENCY PATNA:

पटना पुलिस का खुलासा, बीपीएससी आंदोलन की दिल्ली से हो रही फंडिंग

बिहार की राजधानी पटना में बीपीएससी 70वीं परीक्षा को रद करने की मांग के साथ हो रहे आंदोलन को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पटना के डीएम चंद्रशेखर ने गुरुवार को संकेत दिए कि इस आंदोलन की दिल्ली से फंडिंग हो रही है। पुलिस ने बुधवार को बीपीएससी कार्यालय के बाहर हुए बवाल के कथित मास्टरमाइंड को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए शख्स का नाम रोहित कुमार है। वह एक कोचिंग शिक्षक है। डीएम चंद्रशेखर ने कहा, ₹शुरूआती जांच में पता चला है कि रोहित कुमार नाम के एक शिक्षक ने अभ्यर्थियों को भड़काकर उन्हें संगठित किया और फिर वे



करने पहुंचे। बता दें कि बुधवार को बीपीएससी कार्यालय के बाहर आंदोलनरत छात्र-छात्राओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इस पर राजनीतिक पारा गमार्या हुआ है। आरजेडी, कांग्रेस समेत पार्टियों के नेताओं ने अभ्यर्थियों के समर्थन में

पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को हुए हंगामे की शरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी रोहित कुमार ने अभ्यर्थियों को भड़काया। रोहित दिल्ली से कुछ अन्य साथियों के

सिवान में १ लाख ३५ हजार की लूट विरोध करने पर चाकू से किया जख्मी

AGENCY SIWAN:

बिहार जिले के सिवान में अपराधी बेलगाम हो गए हैं। बुधवार की रात अपराधियों ने एक व्यक्ति को पिस्टल और चाकू का भय दिखाकर 1।35 लाख रुपए लूट लिये। विरोध करने पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। घटना बुधवार की देर रात्रि करीब 11:00 बजे के आसपास की बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सिवान जिले के सराय ओपी थाना क्षेत्र के नवादा गांव के रहने वाले श्रीराम यादव मोटरसाइकिल से किसी को 1लाख 35 रुपया रुपये देने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि उनका लड़का बाहर रहता है उसी ने यह पैसा अपने रिश्तेदार



को देने के लिए भेजा था। सराय थाना क्षेत्र के ही बड़का गांव पहुंचे थे कि पिस्टल एवं चाकू का भय दिखाकर उनसे पैसे लुटने लगे। श्रीराम यादव ने कहा कि उसने लूट का विरोध किया तो अपराधियों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और पैसे लूटकर फरार हो गए। वहीं पीड़ित श्री राम यादव को राहगीरों ने इलाज हेतु सिवान अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। उसका इलाज

युवक की हत्या कर झाड़ी में फेंका शव

SIWAN : बिहार के सिवान में एक व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर शव को झाड़ी में फेंक दिया गया। गुरुवार को झाड़ी में शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना हुसैनगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। मृतक कि पहचान हसैनगंज थाना क्षेत्र के दुधिया गांव निवासी जितेन्द्र यादव के रूप में हुई है। रात में घर से बाजार गया था। देर रात जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। गुरुवार की सुबह गांव से कुछ दूरी पर खून से लथपथ उसका शव बरामद हुआ। शव बरामद होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

2025 की बाढ़ से पहले बिहार में 115 व नेपाल में 58 स्थानों पर होगा कटाव निरोधक कार्य

AGENCY PATNA:

बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने और कटाव से सुरक्षा के लिए जल संसाधन विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। इस वर्ष की बाढ अवधि में विभिन्न स्थानों पर हुए कटाव एवं अन्य क्षति का आकलन करते हुए 2025 की बाढ़ अवधि से पहले कराये जाने वाले कटाव निरोधक कार्यों से संबंधित स्थल निरीक्षण, समीक्षा और अनुमोदन की प्रक्रिया को पुरा कर लिया गया है।विभाग में उपलब्ध निधि और कार्य की प्राथमिकताओं का आकलन करते हुए इस वर्ष राज्य योजना मद के अंतर्गत बिहार भूभाग कुल 115 कटाव निरोधक योजनाओं को योजना समीक्षा समिति द्वारा स्वीकृति दे दी गई है, जिनकी कुल लागत राशि लगभग 475 करोड रुपये है। इसके अतिरिक्त. नेपाल भू-भाग में कुल 58 कटाव



निरोधक योजनाओं को क्रियान्वित करने पर सहमति बनी है, जिनकी लागत राशि लगभग 86 करोड़ रुपये है। इस प्रकार 2025 की बाढ़ से पूर्व पूर्ण करने के लिए जल संसाधन विभाग की कुल 173 योजनाओं की स्वीकृति मिल गई है, जिनकी कुल राशि लगभग 562 करोड रुपये है। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत बाढ़ प्रक्षेत्र के सभी मुख्य

अभियंताओं ने बिहार राज्य में विभिन्न नदियों पर प्रस्तावित कटाव निरोधक कार्यों को बिहार राज्य तकनीकी सलाहकार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इन योजनाओं की समीक्षा बिहार राज्य तकनीकी सलाहकार समिति, गंडक उच्च स्तरीय समिति, और कोसी उच्च स्तरीय समिति द्वारा की गई। निधि की उपलब्धता एवं कार्य की प्राथमिकता के आधार पर इन अनुशंसित योजनाओं को योजना समीक्षा समिति की 2 दिसंबर से 6 दिसंबर और 20 दिसंबर को हुई बैठकों में अनुशंसा प्रदान की गई। विभाग के स्तर पर सभी स्वीकृत योजनाओं के लिए ह्यगो-अहेडह्न निर्गत कर दिया है। अब संबंधित कार्यपालक अभियंता इन योजनाओं के लिए निविदा प्रक्रिया का निष्पादित कर रहे हैं. ताकि योजनाओं को समय पर पूरा

साथ हाल ही में पटना आया था, उनके साथ कछ लडिकयां भी हैं। ट्रैक्टर की चपेट में आकर पांच वर्षीय बच्चे की मौत

CHAMPARAN : जिले में

सिकरहना अनमंडल अंतर्गत चिरैया थाना क्षेत्र के डीह महआही गांव में अनियंत्रित एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मतक अंकुश कुमार उक्त गांव निवासी पुकार सहनी का पुत्र बताया गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची चिरैया थाना पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है। वही ट्रैक्टर को बरामद कर लिया है। घटना के समय मतक अपने घर के पास खेल रहा था। इसी क्रम में मिड़ी लोड कर तेज आवाज में भोंपू बजाते हुए तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ने उसे कचल दिया। जिस कारण बच्चे की घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को पकड़ कर

अनोखी शवयात्रा : असामाजिक तत्वों ने काट दिए ७०० पौधे, हिंदू रीति-रिवाज के साथ किया गया अंतिम संस्कार

सजाकर गाजे-बाजे के साथ निकाली गई पेड़-पौधों की अर्थी

AGENCY BHAGALPUR:

अभी तक आपने इंसान या पालत् पशु पक्षियों का अंतिम संस्कार करने के बारे में देखा या सुना होगा, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ होगा कि पेड़-पौधों का की अर्थी जुलूस निकाली गई हो। भागलपुर में सैकड़ों पेड़ को काट दिया गया, जिसके बाद बागान मालिक ने श्मसान घाट पर हिन्दू रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया। दरअसल जिले के पीरपैंती प्रखंड के मोहनपुर गांव के निवासी किसान ओमप्रकाश जायसवाल के बागान में लगे आम, लीची, महोगनी, सागवान, टमाटर सहित 700 पेड़-पौधों को असामाजिक तत्वों ने काट कर नष्ट कर दिया था। साथ ही किसान के



बागान में बासा में भी आग लगा दी

थी। यह घटना 21 दिसंबर की रात हुई थी। किसान ओमप्रकाश जायसवाल के पुत्र अरुण कुमार जायसवाल पेड़-पौधे से काफी प्यार करते थे। उनका अपने परिवार के सदस्यों की तरह देखभाल करते थे।

तत्वों ने पेड़ पौधों को काटकर नष्ट कर दिया तो उन्हें काफी दुख पहुंचा। उन्होंने पेड़ पौधे को काटने पर दुख प्रकट किया और इसे हत्या मानकर पेड़-पौधों की हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पारंपरिक तरीके से अंतिम यात्रा निकालकर गंगा में प्रवाहित किया। बागान के बटाईदार गोपी

गंगा में प्रवाहित किए गए पेड़

इस अंतिम यात्रा में गांव के सैकड़ों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बता दें कि शव यात्रा बागान के मालिक के घर से गाजेबाजे के साथ और निर्गुण गाते हुए चौक चौराहे पर पंच परिक्रमा करते हुए गंगा घाट पहुंची। वहां पर मंत्रोच्चारण र्के साथ कटे हुए पेड़ पौधों को गंगा में प्रवाहित किया गया। अंतिम यात्रा निकालने से पहले बागान मालिक अरुण कुमार जायसवाल ने अपने घर पर बांस मंगा कर अर्थी बनाया। उसे फूल पत्ती व रंगीन कागज से सजाया। फिर कटे हुए पेड़ पौधों को नहलाया और राम नाम लिखे कफन को उड़ाकर चार लोगों ने उन्हे कंधा दिया और अंतिम यात्रा पर निकल गए। इस दौरान गांव के लोगों ने भी जगह-जगह पर कंधा दिया। अंतिम यात्रा में शामिल होकर सभी मोहनपुर गंगा घाट पहुंचे, जहां अंतिम संस्कार किया गया।

मंडल ने बताया कि हम पूरी मेहनत और शिद्दत से परिवार के साथ बागन में लगे सभी पेड़ पौधों का परिवार के सदस्यों के तरह देखरेख करते थे। जिस दिन सभी पेड़ पौधों को असामाजिक तत्वों द्वारा नष्ट किया गया, उस दिन मुझे खाना खाने का मन नहीं किया। ऐसा लग

रहा था कि हमारे बीच से एक परिवार का अहम सदस्य चला गया है। अरुण जायसवाल की पत्नी शालिनी कुमारी ने बताया कि हम लोगों के लिए पेड़ पौधा परिवार के सदस्य की तरह था। हमारे पूर्वजों ने भी इसी तरह से अंतिम संस्कार

चार घरों में लगी आग लाखों का हुआ नुकसान

ARARIYA : जिले के भरगामा प्रखंड क्षेत्र के खुटहा बैजनाथपुर पंचायत के वार्ड संख्या 14 में देर रात को अज्ञात कारण से झोपड़ीनुमा घर में अचानक आग लग गई। जिसमें चार परिवारों के आवसीय घर जलकर राख हो गया। दर्जनों ग्रामीण आनन फानन में मौके पर पहुंच गए, जो बाल्टी समेत घरेलू उपयोग वाले बर्तनों में पानी भरकर आग को बुझाने की कवायद में जुट गए। पीड़ित गृहस्वामी मो. अबुल, मो. जिस्ताक ,मो. इस्तियाक, मो. मुस्ताक ने बताया कि अज्ञात कारण से लगी इस अग्निकांड में उनके झोपड़ीनुमा मकान और उसमें रखा करीब दस से बारह लाख की सम्पत्ति सहित लगभग छह लाख पचास हजार नगद रुपये सहित घरेलू उपयोग का सारा सामान जलकर राख हो गया।

नवादा में बनेगा न्यूविलयर पावर प्लांट : विवेक टाकुर

AGENCY NAWADA:

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवादा से लोकसभा सांसद विवेक ठाकुर ने आज यहां कहा कि नवादा के हरदिया में 10 वर्षों से लंबित पावर प्लांट स्थापित होगी। वे गुरुवार को नवादा परिसदन में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। सांसद ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना जो बीते 10 साल से अटकी हुई कार्य को फिर से 2024 में ऊपर किया गया है। उन्होंने कहा कि आज 26 दिसंबर को एनटीपीसी के इंजीनियर न्युक्लियर पावर प्लांट का हरदिया डैम का निरीक्षण करने पहुंच गए हैं। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो आने वाले दिनों में देश का दूसरा न्यूक्लियर पावर प्लांट रजौली के हरदिया डैम में



पुलिस को सौंप दिया है।

बनेगा। जिससे नवादा वासियों को एक बड़ी सौगात मिलेगी और रोजगार भी मिलेगी । उन्होंने आगे कहा कि 2012 से लंबित यह मांग 2025 में फिर से स्पर्श सर्वे किया जा रहा है ।भारत सरकार और बिहार सरकार या दोनों मिलकर इस पावर प्लांट पर काम करेगी। उन्होंने आगे कहा कि कई ऐसी योजना नवादा जिला को मिलने वाली है । जिससे नवादा विकास की गति पहुंच पकड़ लेगी।

रत की राजनीति निश्चय

ऐसा खेल है, जिसका

ही अनिश्चितता का एक

बालों को रंगने का नुकसान जानना जरूरी

आजकल बालों को रंगना फैशन बन गया है। पहले जहां सफेद बालों को काला करने की लिए ही कलर किया जाता था, अब युवा फैशन के लिए भी काले बालों को ग्लैमरस लुक देने के लिए सफेद रंगत दे रहे हैं। बालों को रंगने में हालांकि बुराई नहीं है, लेकिन अगर केमिकल उत्पादों का जरूरत से ज्यादा उपयोग किया जाए तो बाल झड़ने, खुजली के साथ बालों की अनेक समस्याएं खडी हो जाती हैं। यह आपकी सेहत को नकसान पहुंचा सकता है। बालों को रंगने से आपकी सुंदरता में निखार आता है तो आपको बालों को रंगने के नुकसान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। बालों को रंगने के लिए कुछ सावधानियों को भी जरूर अपनाना चाहिए, क्योंकि हेयर कलर और डाई आपके बालों को ड्राई और डैमेज कर बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। प्राचीन काल से ही मेंहदी, अखरोट और इंडिगो बालों को कलर और चमक देने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह अलग बात है कि आज बड़े पैमाने पर बालों को कलर किया जाता है और फैशन को ध्यान में रख कर कलर विभिन्न तरीकों से इस्तेमाल किया जाता है। परमानेंट डाई और कलर बालों की संरचना को बदलकर काम करते हैं। वास्?तव में यह बाहरी परत को असमान ढंग से हटाकर भीतरी परत में घुसकर काम करती है। सेमी परमानेंट तरीके जैसे बालों को धोना और क्रीम लगाना, 4 से 6 शैंपू के बाद निकल जाता है। यह बालों की बाहरी परत में जाकर काम करता है, लेकिन यह परमानेंट कलर्स से ज्?यादा नुकसान नहीं पहुचता है। सब्?जी से बने आधुनिक कलर्स भी आजकल हेयर मस्करा के रूप में भी उपलब्?ध हैं। हेयर मस्कारा कुछ हद तक क्रेयॉन की तरह होते हैं, जो बालों के स्ट्रैंड को स्ट्रीकश करने के लिए किए जाते हैं। यह काफी प्रभावी रूप से सफेद बालों को छिपाते हैं। यह बालों को ग्लैमरस लुक देते हैं और सामान्य बालों से अलग लुक देने में भी मदद करते है। यह एक अलग लुक पाने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते है। सिर्फ मनोरंजन के लिए या अलग लक देने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। हेयर मस्?कारा हेयर क्लर का अस्थायी तरीका है। ये उपयोग और हटाने में आसान होता है और अगले शैंपू तक ही रहता है। इसका मरू?य लाभ यह है कि ये बालों की संरचना और बनावट को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रगता है। बाजार में हर्बल उत्पादों से बने प्राकृतिक कलर भी मिल जाते हैं. लेकिन वह सामान्यत महंगे होते हैं। हर्बल रंगों को आप घर पर भी बना सकते हैं, जो बालों को काला-भूरा रंग देता है। यह 100 प्रतिशत केमिकल से मुक?त और पूरी तरह से प्राकृतिक है। इसमें मेंहदी, इंडिगो और कत्था जैसी प्राकृतिक कलरेंट शामिल हैं। इनमें मौजूद तत्व बालों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसे घर पर उपयोग करने के लिए पहले पेस्ट बनाने के लिए गुनगुने पानी में मिला लें। रबर के दस्ताने के साथ समान रूप से ऊपर से नीचे तक तुरंत बाल पर लगाएं। 3 घंटे के लिए छोड़ दें। अच्छी तरह धो लें और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए 1.15 मिनट के लिए हेयर ड्रायर का उपयोग करें। आंवला सफेद बालों को नियंत्रित करने के लिए उत्तम माना जाता है। एक कच्चे आंवले का रस पानी के गिलास में डाल कर रोज पीने से ये सफेद बालों को नियंत्रित करने में मदद करता है। आंवले को पानी के साथ पतला करके पीना जरूरी होता है। आंवला मेंहदी पाउडर में मिलाया जा सकता है। हालांकि मेंहदी सफेद बालों को लाल रंग देती है, लेकिन यह काले बालों को रंग नहीं देती। अगर आप मेंहदी से बालों को रंगना चाहते हैं तो 2 से 3 कप पानी में रातभर सुखा आंवला भिगोकर रख दें। अगली सुबह आंवला पानी से निकाल लें, लेकिन पानी फेंकें नहीं। आंवला पीस लें। मेंहदी पाउडर में आंवला पेस्?ट, 4 छोटे चम्मच नींबू का रस और कॉफी, 2 कच्चे अंडे. 2 चम्मच तेल और पर्याप्त आंवले का पानी मिलाएं। दो से तीन घंटे के लिए पेस्ट अलग रखें और फिर परे बालों में इस तरह लगाएं कि सारे बाल कवर हो जाएं। कम से कम दो घंटे के लिए रखें और सादे पानी से धो लें। सनिश्चित करें कि मेंहदी पाउडर अच्छी गुणवत्ता का ही हो। यह गहरे हरे रंग होना चाहिए। हमें बालों के स्वास्थ्य को अच्छा करने और बालो की समस्याओं को दूर करने के लिए मेंहदी के साथ आंवला, ब्राह्मी, भृंगराज, बेल आदि का इस्तेमाल करना चाहिए। आप मेंहदी का परीक्षण रंग और उसकी विशिष्ट खुशब् द्वारा कर सकते हैं। मेंहदी लगाने के लिए अपने कंधे पर एक तौलिया डालें और रबर के दस्ताने पहनें। बालों को कई भागों में बांटकर एक टेल कोंब का प्रयोग करें। प्रत्येक भाग के दोनों किनारों पर मेंहदी लगाएं और पूरे बालों को कवर करें, जब तक सिर के चारों ओर ना लग जाए, तब तक ठीक से लगाएं। इस पर एक प्लास्टिक की शावर केप पहनें। मेंहदी के मुख्य लाभ में से एक यह है कि ये अद्भृत कंडीशनर है। और बालों को सुरक्षा तथा शक्ति प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में मेंहदी का क्षतिग्रस्त बालों के लिए स्वास्थ्य को वापस लाने और खोपड़ी के लिए प्राकृतिक अम्ल व क्षारीय का संतुलन सही करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें एक-एक बाल को कोटिंग करने की क्षमता होती है। साथ ही बालों को ताकत, मोटाई प्रदान करती है। यह एक शक्तिशाली प्राकृतिक क्लींजर भी है। यह बालों का प्राकृतिक संतुलन खोए बिना उन्हें साफ करती है। यह बालों को स्वस्थ, साफ, चमकदार और संभालने में

गठबंधन में अकेली होती कांग्रेस

ANALYSIS



वर्तमान केंद्र सरकार पर निरंतर हमालवर रहने वाले इंडी गढबंधन के राजनीतिक दल आज स्वयं के लिए अलग मार्ग तलाशते दिख रहे हैं। कोई दल कांग्रेस को भाव देने को तैयार नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि कांग्रेस आज भी इस सच को आईने में देखने को तैयार नहीं है। आज कांग्रेस की सच्चाई यही है कि उसे अपनी विरासत पर ही भरोसा है, इसके अलावा अन्य राजनेता भले ही बड़े पद पर पहुंच जाएं, उन्हें जितना महत्व मिलना चाहिए, उतना मिलता नहीं है। वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कमोबेश ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं। वे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड़ा के समक्ष लगभग नतमस्तक से दिखाई देते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजे को कांग्रेस भले अपने लिए सफलता माने, लेकिन वह सफलता इसलिए नहीं मानी जा सकती, क्योंकि यह कांग्रेस की स्वयं की राजनीतिक ताकत नहीं थी, इसमें इंडी गठबंधन के दलों का योगदान था। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के नतीजों में विपक्षी दलों को निश्चित ही अपेक्षित सफलता मिली, लेकिन इसे कांग्रेस की सफलता नहीं माना जा सकता। अगर कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी नहीं होती तो कांग्रेस की इतनी सीटें नहीं आतीं।

सीधा आशय नहीं निकाल सकता। यानी जो दिखता है, वैसा होता नहीं है और जो हो जाता है, वह दिखता नहीं है। इसी कारण से कभी-कभी राजनीति से अविश्वास भी होने लगता है। यह अविश्वास केवल जनता के मन में उपजता है, ऐसा नहीं है, राजनीति के ज्ञाता भी इसकी परिधि में गाहे-बगाहे आ जाते हैं। आज के दौर में कांग्रेस के प्रति भी अविश्वास का भाव लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्तमान केंद्र सरकार पर निरंतर हमालवर रहने वाले इंडी गठबंधन के राजनीतिक दल आज स्वयं के लिए अलग मार्ग तलाशते दिख रहे हैं। कोई दल कांग्रेस को भाव देने को तैयार नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि कांग्रेस आज भी इस सच को आईने में देखने को तैयार नहीं है। आज कांग्रेस की सच्चाई यही है कि उसे अपनी विरासत पर ही भरोसा है, इसके अलावा अन्य राजनेता भले ही बड़े पद पर पहुंच जाएं, उन्हें जितना महत्व मिलना चाहिए, उतना मिलता नहीं है। वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे कमोबेश ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं। वे सोनिया गांधी, राहल गांधी और प्रियंका वाड्रा के समक्ष लगभग नतमस्तक से दिखाई देते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजे को कांग्रेस भले अपने लिए सफलता माने, लेकिन वह सफलता इसलिए नहीं मानी जा सकती, क्योंकि यह कांग्रेस की स्वयं की राजनीतिक ताकत नहीं थी, इसमें इंडी गठबंधन के दलों का योगदान था। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के नतीजों में विपक्षी दलों को निश्चित ही अपेक्षित

सफलता मिली, लेकिन इसे कांग्रेस की सफलता नहीं माना जा सकता। अगर कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी नहीं होती तो कांग्रेस की इतनी सीटें नहीं आतीं। सत्य यही है कि आज कांग्रेस बिना गठबंधन के आगे बढ़ नहीं सकती, लेकिन कांग्रेस के नेताओं का व्यवहार ऐसा है कि वही सबका नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं है। इसी कारण इंडी गठबंधन में दरार पैदा करने वाले स्वर भी सुनाई देने लगे हैं। राजनीतिक आकलन किया जाए तो इन स्वरों के यही निहितार्थ निकल सकते हैं कि कांग्रेस के पास इंडी गठबंधन को नेतत्व देने का सामर्थ्य नहीं है। बंगाल में राजनीतिक कौशल का लगातार परिचय देने वाली तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए व्याकुल दिखाई दे रही हैं। ममता बनर्जी की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि वे किसी और के नेतृत्व में काम करने के लिए सहज नहीं हैं। इसलिए उन्होंने यह स्वयं ही कहा है कि अगर कांग्रेस चाहे तो तृणमूल कांग्रेस गठबंधन का

नेतृत्व करने के लिए तैयार है। इसका आशय पूरी तरह से स्पष्ट है कि कांग्रेस में अब नेतृत्व करने की शक्ति नहीं बची है। हर जगह से कांग्रेस को आईना दिखाने का क्रम शुरू हो चुका है, लेकिन कांग्रेस में तो केवल और केवल इसी बात की राजनीति की जा रही है कि राहुल और प्रियंका को कैसे स्थापित किया जाए। इसी के चलते कांग्रेस अन्य दलों की लगभग अनदेखी करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस अनेक बार उत्थान और पतन की राजनीति से गुजरी है। लगातार तीन लोकसभा चुनावों में पराजय का दंश झेलने वाली कांग्रेस की विसंगति यही है कि वह केवल विरोध करने की राजनीति ही कर रही है। कांग्रेस के नेताओं का हर बयान मोदी या भाजपा तक ही सीमित है। यह अब कांग्रेस का स्थायी भाव सा बन गया है। इसका मतलब यह भी निकल सकता है कि उनके पास स्वयं की ऐसी कोई उपलब्धि नहीं है, जिसके आधार पर राजनीति की जा सके। अभी हाल ही में प्रियंका वाद्रा ने संसद में कांग्रेस का रटा-रटाया बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संविधान बदलना

चाहती है। इसमें कितनी सच्चाई है, यह तो राजनीति करने वाले जानते ही हैं, लेकिन ऐसे बयान इसलिए भी उचित नहीं कहे जा सकते क्योंकि यह बयान अनुमान पर ही आधारित हैं। यह बयान ठोस नहीं हैं। ऐसे बयानों का मतलब सबको समझ में भी आने लगा है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस की राजनीति आधारहीन होती जा रही है। वास्तव में कांग्रेस को अब समय के हिसाब से प्रासंगिक होना चाहिए। प्रासंगिकता के अभाव में कांग्रेस को अब वैसा भाव नहीं मिल रहा, जैसा कांग्रेस को चाहिए। अभी हाल ही महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा के चुनाव हुए। कांग्रेस को जैसे प्रदर्शन की उम्मीद थी, वैसा परिणाम नहीं रहा। झारखंड में गठबंधन को सफलता जरूर मिली, लेकिन इसे कांग्रेस की सफलता नहीं माना जा सकता। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बेमेल गठबंधन ले डूबा। यहां भी फजीहत कांग्रेस की हुई। कांग्रेस के समक्ष हालात यह होते जा रहे हैं कि उसे अब तिनके की तलाश करनी पड़ रही है। देश के कई राज्यों में कांग्रेस अपने बूते चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। जहां अकेले चलने का प्रयास किया, वहां धड़ाम से नीचे गिर गई। लगातार झटके खाने की आदी होती जा रही कांग्रेस को एक झटका दिल्ली में मिला है। आम आदमी केजरीवाल ने कांग्रेस से दूरी बनाकर यह संकेत दे दिया है कि कांग्रेस का वजुद क्या है। इसके बाद कांग्रेस को स्वयं का आकलन करना लेकिन, कांग्रेस ऐसा करने को तैयार नहीं दिखती। कांग्रेस की वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखकर यही कहा जा सकता है कि वह अब इंडी गठबंधन में अलग होती जा रही। कांग्रेस को उसके सहयोगी राजनीतिक दल ही किसी प्रकार का भाव देने की स्थिति में नहीं है। इसलिए कांग्रेस को चाहिए कि वह अपने आपको पिछलग्ग् बनने की बजाय ठोस धरातल बनाने की राजनीति करे, नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि कांग्रेस को राजनीतिक दल ही नहीं, जनता भी नहीं पूछेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

भारत के लिए चुनौती बना बांग्लादेश

ग्लादेश में हालात खराब होते चले जा रहे हैं क इसके चलते दक्षिण एशिया में जो परिदृश्य बन रहा है, वह भारत के लिए चिंता का विषय है। पाकिस्तान तो 1947 से ही भारत विरोधी हिंसात्मक कर रहा अफगानिस्तान को भारत ने बहुत आर्थिक मदद दी, परंतु उसका कोई विशेष सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। बांग्लादेश को हमने 1971 में स्वतंत्र कराया। शेख हसीना के कार्यकाल में ऐसा लगा कि हमारी पूर्वोत्तर की सीमाएं अब सुरक्षित रहेंगी और इस पड़ोसी देश से अच्छे संबंध बने रहेंगे, परंतु यह अध्याय भी 5 अगस्त 2024 को समाप्त हो गया, जब बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया और शेख हसीना को भारत में शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन की अगुवाई जमाते इस्लामी, हिजबुत तहरीर और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अलावा कई इस्लामी संगठन

कर रहे थे। अमेरिका का एक प्रभावी वर्ग भी आंदोलनकारियों का समर्थन कर रहा था। लगता है हमारी खुफिया एजेंसी को इस षडयंत्र की भनक नहीं लगी। बांग्लादेश में इस समय एक अंतरिम सरकार चल रही है, जिसके मुख्य सलाहकार नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस हैं। तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और विशेष तौर से हिंदुओं पर बराबर आक्रमण हो रहे हैं। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, संतों को प्रताड़ित किया जा रहा है, हिंदू अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है, महिलाओं का उत्पीडन हो रहा है, उनके घरों में लूटपाट हो रही है। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ८ दिसंबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध 2200 हिंसात्मक घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें हिंदुओं की हत्याएं भी शामिल हैं। बांग्लादेश सरकार का ध्यान जब इन घटनाओं की ओर आकर्षित

देती है कि यह हमारा आंतरिक है नहीं, राजनीतिक हैं। क्या यह अजीब नहीं कि जब किसी देश में मोहम्मद साहब का कार्टून बनता है या कहीं कोई मस्जिद गिर जाती है, तब तो वह मामला वैश्विक हो जाता है और दुनिया भर के मसलमान उस पर अपना विरोध प्रकट करते हैं, परंतु जब हिंदुओं के मंदिर तोड़े जाते हैं और उनका उत्पीड़न होता है तो यह संबंधित देश का आंतरिक मामला हो जाता है। बांग्लादेश में कुछ घटनाओं के पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं, क्योंकि वहां का अल्पसंख्यक वर्ग ज्यादातर अवामी लीग का समर्थन करता है, पर यह कहना गले के नीचे नहीं उतरता कि उन पर आक्रमण के पीछे सांप्रदायिक दुर्भावना नहीं है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी हाल में ढाका गए और उन्होंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में विशेष तौर से मोहम्मद यूनुस से बात की, परंतु स्थिति में कोई परिवर्तन होता नहीं प्रतीत होता। उलटे हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। भारत के लिए विशेष चिंता के तीन पहलू हैं। पहला तो यह कि बांग्लादेश में कट्टरपंथियों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। जमाते इस्लामी से प्रतिबंध हटा लिया गया है। पिछली सरकार ने जो कट्टरपंथी जेल में बंद कर रखे थे, उन्हें छोड़ दिया गया है। अंतरिम सरकार का समर्थन कर रहा हिजबुत तहरीर एक कट्टर इस्लामी संगठन है, जो दुनिया भर में खलीफा का साम्राज्य स्थापित करने में विश्वास करता है। दूसरा यह कि बांग्लादेश का झुकाव ही नहीं, बल्कि लगाव भी पाकिस्तान से होता जा रहा है। मोहम्मद युनूस हाल में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से जिस गर्मजोशी से मिले. वह देखने लायक था। पाकिस्तान से समुद्री रास्ते से बांग्लादेश को सामान भी जाने लगा है, जो वर्षों से बंद था। पाकिस्तानी गायक ढाका

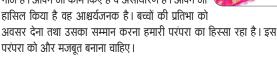
आमंत्रित किए जा रहे हैं। तीसरा यह कि चीन अब बांग्लादेश में अपना जाल और तेजी से फैला सकता है। उसकी बेल्ट एंड रोड एनिशिएटिव योजना को और गति मिल सकती है। इसके अलावा बांग्लादेश सैन्य सामग्री चीन से खरीदने जा रहा है। बांग्लादेश की घटनाओं को देखते हुए भारत के समक्ष तीन आशंकाएं उभर रही हैं। पहली यह कि क्या बांग्लादेश में भी अफगानिस्तान की तरह कोई तालिबानी राज्य स्थापित हो जाएगा। दूसरी क्या बांग्लादेश फिर से पूर्वीत्तर के आतंकी-अलगाववादी संगठनों की शरणस्थली बन जाएगा। क्या बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। इस समय वहां हिंदुओं की आबादी 7.95 प्रतिशत है। एक समय वह 20 प्रतिशत से अधिक थी। स्थिति काफी विषम है, परंतु हमें उसका समाधान तो ढूंढ़ना ही पड़ेगा। इतिहास साक्षी है कि अगर आपके पास आर्थिक और सैन्य

शक्ति है, तो आप किसी भी देश से निपट सकते हैं। भारत इन दोनों क्षेत्रों में अपनी सामर्थ्य तेजी से बढ़ा रहा है। बांग्लादेश में कैसी भी सरकार बने, हमें उससे निपटने में ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हमें किसी पड़ोसी देश पर आक्रमण नहीं करना है, परंतु उसे यह मालूम होना चाहिए कि अगर उसने कोई भारत विरोधी कार्रवाई की तो उसकी भारी कीमत चकानी पड सकती है। पर्वोत्तर की सीमाओं को हमें फिर से सुरक्षित करना पड़ेगा। बांग्लादेश की 4096 किमी सीमा पर सीमा सुरक्षा बल तैनात है, उसे अपनी ड्यूटी और मुस्तादी से करनी पड़ेगी। हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हमें बांग्लादेश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना पड़ेगा। अमेरिका में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद संभवत हमें इसमें मदद मिलेगी। बावजुद इसके बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के बारे में हमें सभी देशों में प्रचार करना

Social Media Corner

सच के हक में.

वर्ष 2022 से, आज के दिन को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मैं सभी देशवासियों की ओर से साहिबजादों की स्मृति को सादर नमन करती हूं। मुझे आप सभी पर गर्व है। मुझे ही नहीं, पूरे देश को, पूरे समाज को आप सभी पर नाज है। आपने जो काम किए हैं वे असाधारण हैं। आपने जो हासिल किया है वह आश्चर्यजनक है। बच्चों की प्रतिभा को



(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

आसान बनाती है।

मलयालम सिनेमा और साहित्य के सबसे सम्मानित शख्सियतों में से एक, श्री एमटी वासुदेवन नायर जी के निधन से दुखी हूं। मानवीय भावनाओं की गहन खोज के साथ उनके कार्यों ने पीढ़ियों को आकार दिया है और आगे भी कई लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने मूक और हाशिये पर पड़े लोगों को भी आवाज दी। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।ॐ शांति।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

शौर्य और बलिदान के प्रतीक साहिबजादा जोरावर सिंह जी व साहिबजादा फतेह सिंह जी के अद्वितीय त्याग को नमन। वीर बाल दिवस पर इन वीर बालकों की अमर गाथा हमें सच्चाई, धर्म और साहस के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)



ल में हिंदी के विरोध का स्वर फिर से उठा। यह संसद में तब उठा, जब भारतीय वायुयान विधेयक नाम से एक बिल पेश किया गया। केंद्र सरकार के इस कदम को गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी थोपने का प्रयास बताया गया। इसके पहले भारतीय न्याय संहिता से संबंधित अधिनियमों के नामकरण का भी विरोध किया गया था। तमिलनाडु में डीएमके की राजनीति मुख्यतः हिंदी विरोध पर केंद्रित रही है। उसकी देखादेखी अन्नाद्रमुक भी हिंदी विरोध को अपनी राजनीति का हथियार बनाती है। पिछले दिनों अन्नाद्रमुक ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कानूनों का नाम हिंदी और संस्कृत में रखना अप्रत्यक्ष रूप से हिंदी थोपना है। तमिलनाडु की तरह कर्नाटक में भी कभी-कभार हिंदी विरोध के स्वर सुनाई दे जाते हैं। हिंदी थोपने जैसा शब्द प्रयोग करना हिंदी विरोधियों के लिए एक मुहावरे की तरह है, जबिक हिंदी भाषा की उत्पत्ति शासकीय नहीं, बल्कि जन आकांक्षाओं की भाषा के रूप में सामने हुई थी। इसलिए जिन राज्यों में इसका विरोध अधिक हो रहा है, वहां सरकारें शासकीय संस्थानों एवं नाम पेटिकाओं पर से तो हिंदी को मिटा सकती हैं, लेकिन रोजमर्रा के जीवन में हिंदी के प्रयोग को लोगों की जुबान से नहीं हटा सकतीं। यह एक तथ्य है कि हिंदी विरोध के बाद भी तमिलनाडु में पिछले 10 वर्षों में हिंदी सीखने

वालों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के मुताबिक तमिलनाडु में 2009 में जहां हिंदी सीखने वालों की संख्या 2.18 लाख थी, वहीं 2019 में यह बढ़कर 5.90 लाख हो गई। स्पष्ट है कि हिंदी के विकास के लिए प्रोत्साहन की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह स्वतः अपना स्थान बना रही है। इससे यह भी साफ होता है कि हिंदी का विरोध करने वाले राज्यों में यह राजनीतिक दलों की संकीर्णता का परिचायक है, न कि वहां रहने वाले लोगों के विरोध का। इन राज्यों के राजनीतिक दल रोजगार के मुद्दे पर अपनी असफलता को हिंदी विरोध के नाम पर दबाने की कोशिश करते हैं। यह ठीक उसी तरह की प्रवृति है, जिस तरह चुनावों में अपनी हार का ठीकरा कुछ राजनीतिक दल ईवीएम पर फोड़ते हैं। वस्तुतः हिंदी भाषा आज बिना किसी सरकारी प्रोत्साहन के उन राज्यों में भी जनसंपर्क की भाषा बन चुकी है, जो कभी इसका विरोध करते थे। हिंदी का यह विस्तार किसी सरकार नहीं, अपितु जन सरोकार की बदौलत हुआ है। आज यह जन भाषा के रूप में श्रमिकों की भाषा के रूप में विस्तार कर रही है। हिंदी विरोधी जाने-अनजाने अंग्रेजी को मजबूत करने की वकालत ही करते हैं, जो एक साम्राज्यवादी भाषा है। यदि हिंदी उनकी जनआकांक्षाओं को अभिव्यक्त नहीं कर सकती, तो अंग्रेजी कैसे कर

हिंदी पर फिर संकीर्णता का प्रदर्शन

सकती है, क्योंकि भाषा केवल भाषा नहीं होती है, बल्कि वह बोलने वालों की लोकोक्तियों एवं महावरों के माध्यम से सामाजिक परंपरा की जीवंत संचय राशि भी होती है। भारत के कुछ राष्ट्रीय चरित्र जैसे राम आदि का वर्णन अलग-अलग भाषाओं में हुआ है। यह एका दिखाता है कि भारत में भले ही भाषाएं अलग-अलग हैं, लेकिन उनका मूल भाव एक है। इसीलिए बहुत सारी भाषाओं में एक आपसी संबंध भी मिलता है। इसलिए किसी भारतीय भाषा का विरोध कर-के अंग्रेजी का समर्थन करना मात्र नहीं है, बल्कि अपनी परंपरा को भी नष्ट करना है। यह कभी भी राष्ट्र के लिए उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषाएं जब गुम होती हैं, तो केवल भाषा नहीं गुम होती है, बल्कि उसे बोलने वालों का अपना इतिहास भी गुम हो जाता है। भाषा किसी भी देश के अतीत को जानने का एक साधन होती है। भारतीय भाषाएं साम्राज्यवाद की भाषा नहीं हैं, बल्कि जनमानस की भाषा हैं। इसलिए बिना प्रोत्साहन के भी ये भाषाएं अभी भी जीवंत हैं। हिंदी भाषियों को भी अन्य भाषियों से मेलजोल बढ़ाना चाहिए, उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और अन्य भाषा भाषियों को भी हिंदी भाषा के साहित्य की ओर एक पूर्वाग्रही होकर नहीं, बल्कि साहित्यानुरागी होकर जुड़ना होगा। अस्मिताओं के इस दौर में भाषा एक महत्वपूर्ण अस्मिता है।

चुनावी विश्वसनीयता

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने हाल के विधानसभा चुनावों में मतदान के आंकड़ों को लेकर कांग्रेस पार्टी के आरोपों पर 24 दिसंबर को अपना स्पष्टीकरण दिया। इस स्पष्टीकरण से चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को लेकर बढ़ती चिंता कम होने की संभावना नहीं है। बीते 20 दिसंबर को निर्वाचन आयोग की सिफारिशों पर केंद्र ने चुनाव संचालन नियमों में संशोधन किया था, ताकि उनमें स्पष्ट रूप से उल्लिखित चुनावी दस्तावेजों के सिवाय, अन्य चुनावी दस्तावेजों तक सार्वजनिक पहुंच प्रतिबंधित की जा सके। आयोग ने निजता और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह भी कहा है कि वह मतदान केंद्र के सीसीटीवी फुटेज साझा नहीं करना चाहता। नियमों में यह बदलाव पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक आदेश के बाद किया गया, जिसमें उसने आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े तमाम दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज सहित एक निजी व्यक्ति को देने का निर्देश दिया। अदालत ने नियम संख्या 93(2) - जो उन तमाम कागजात तक सार्वजनिक पहुंच की इजाजत देता था, जिन पर स्पष्ट रोक नहीं थी, के तहत इसे अनुमति योग्य करार दिया था। अब संशोधित नियम कहता है कि केवल वही कागजात लोक निरीक्षण के लिए खुले हैं जिनका इसमें स्पष्ट उल्लेख है। लोकतंत्र के ठीक से काम करने में जो संस्था इतना महत्व रखती है और फिर भी अपनी विश्वसनीयता को लेकर अभूतपूर्व चुनौती से जूझ रही है, उसके लिए कम गोपनीयता और अधिक पारदर्शिता ही सही रास्ता होना चाहिए। अफसोस की बात है कि आयोग इस मामले में चूक रहा है और अपनी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रहा है। वोटिंग मशीनों में इलेक्ट्रॉनिक तरीके से छेड़छाड़ के आरोप बेजा और गलत समझ पर आधारित हैं, लेकिन चुनाव संचालन से जुड़ी चिंताएं- जैसे पुलिस की जोर-जबरदस्ती, स्थानीय प्रशासन का पक्षपाती होना और विभिन्न साधनों के जरिये मतदाताओं को दबाना वैध हैं। इनकी गहन और निष्पक्ष जांच की जरूरत है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The year of rapid strides in AI, space

EXCITING new advancements with potentially farreaching implications were reported in the sphere of science and technology this year. Developments in artificial intelligence (AI) and space technology dominated 2024, garnering much public attention. While generative AI technologies became integral to laptops and smartphones, the world was surprised when Demis Hassabis, co-founder and CEO of Google DeepMind, was declared a cowinner of this year's Nobel Prize in chemistry. The recognition denotes the potential of applying AI in diverse fields. Hassabis has developed an AI model for creating new proteins — a breakthrough that can revolutionise the development of new medicines and vaccines.

In India, too, the application of AI technologies is picking up fast. Research related to AI is in progress, while the government has announced an AI Mission. In September, scientists at the Centre for Nano Science and Engineering, Indian Institute of Science (IISc), Bengaluru, made a major announcement that could impact AI and computing. They have developed a computing platform capable of storing and processing data in an astonishing 16,500 'conductance states' within a molecular film. Data storage and processing are limited to just two 'conductance states' in currently used digital computers. This could mean that complex AI tasks such as training LLMs (large language models) would not need supercomputers and could be handled with personal devices like laptops and smartphones in future. The new platform, developed by a team led by Sreetosh Goswami, is based on neuromorphic computing — computing that mimics the brain.

As the use of AI continued to spread to many areas, concerns were raised about potential ethical and privacy issues. India took baby steps for regulation with an advisory in March requiring companies engaged in AI to seek government permission before deploying certain AI models to prevent 'algorithmic discrimination' and the spread of deepfakes. Following the industry's objections that it would hamper innovation, the advisory was kept in abeyance. Globally, the European Union has taken the lead with its AI Act coming into force in August. It seeks to impose controls on providers of AI services based on their potential for causing harm. In space technology, the year saw significant developments towards achieving a fully reusable rocket. In October, private space firm SpaceX launched its Starship spacecraft using a 70-metretall rocket, Super Heavy, and made it return to the earth through controlled descent after launching the spacecraft. Not just this, the rocket was caught on the launch pad using a giant tower named Mechazilla with its gigantic robotic arms. The test demonstrated that rockets can be reused after they launch spaceships and satellites. At present, rockets burn down after propelling spacecraft in their orbit and some are partially usable. SpaceX CEO Elon Musk envisages refuelling of Super Heavy and its return to the launch pad within half an hour of its flight just like an aeroplane in the near future. Reusable rockets can bring down the cost of space transportation and change the dynamics of the space industry.

The Indian Space Research Organisation (ISRO) is engaged in developing a Reusable Launch Vehicle (RLV); it conducted an important test horizontal landing — with its winged vehicle Pushpak in June.In 2023, the government announced a grand space vision for Amrit Kaal under which India would establish the Bharatiya Antariksha Station by 2035 and send an Indian to the moon by 2040. This year, formal approval was granted for the construction of the station, envisaging the launch of its first module by 2028. The space station could take a final shape by 2035 and its assembly would be taken up along with the human space flight initiative, Gaganyaan. As per the approvals granted in September, four missions under the Gaganyaan programme are expected by

India, however, is way behind China, which already has its space station running. China has also forged ahead with its lunar exploration. In June, it accomplished the first-ever mission for the retrieval of lunar rock samples from the moon's far

How India's economy can catch up with that of China

Post-liberalisation policies must be reassessed and reformed to create faster learning enterprises and more productive employment.

SOME economists say India was in the dark ages before 1991, when the economy was lit up with the IMF-induced reforms. I grew up in post-Independence India. The world did not seem dark. There was aspiration to build a new nation and exhilaration in learning new capabilities. I worked for 25 years with the Tata group, building The economy of a large country is a complex adaptive enterprises; then as a consultant to 'learning enterprises' in the US and other countries for 20 years. I became a Member of India's Planning Commission in 2009, tasked to determine why India had lost the industrialisation race policies.Let's step back into the pre-1991 history. India needed wheels for economic growth when it became independent: trucks to carry goods and buses for public transport. Four joint ventures were licensed in 1954 to produce such commercial vehicles; the Tata-Daimler

Benz joint-venture was one. A multi-year phased manufacturing programme (PMP) was laid down in consultation with several foreign technology providers. Indian companies had to learn to produce more complex components in each phase with the technology provided by their foreign partners. The PMP in the automobile industry extended to 15 years, by the end of which 90 per cent of the vehicle had to be produced domestically.

The Tatas were good learners. Within 15 years, they produced trucks and buses to Daimler Benz's exacting standards, with over 95 per cent domestic content, incorporating components produced by hundreds of domestic companies, large and small, around the country. The Tata group established its own design and development centre in Pune, the first in India. When the technological tie-up with Daimler Benz ended, the group became free to export Indian-made vehicles. By the mid-1980s — before the

1991 liberalisation — Tata trucks and buses were running on roads of 50 countries, overtaking foreign competition. Sustainable economic growth is a process of enterprises in a country learning new skills and creating collective capabilities they did not have before. In a competitive world, late industrialists must learn faster than those ahead of them. A country's policymakers must create conditions for nurturing industries until they are strong enough for more open competition. That's how Germany, Japan, South Korea and China became industrial powerhouses. India lost the plot when, swayed by the Washington economics, it abandoned industrial policies

prematurely. Ultimately, the race between countries is

one between the abilities of their policymakers to learn

faster. Chinese policymakers have proved to be faster

learners. The Chinese and Indian manufacturing and capital goods sectors were of comparable size in 1991. By 2010, China's manufacturing sector was eight times larger, its capital goods' sector 50 times and China was exporting machinery and computers around the world.

system. Many industries must grow together. Lopsided growth of one industry can harm others, weakening the economy. India cannot rely only on software/services growth. It needs more hardware/manufacturing.

to China after 1991 and propose corrections to Indian India's software industry has produced wealth for promoters of companies. They obtained the wealth from the arbitrage between low cost. English-speaking Indian engineers produced by IITs, and prices of software services abroad. The firms reaped the benefits of public investments in India's world-class engineering

schemes to promote manufacturing. It is also renegotiating agreements with its trading partners. Liberal economists complain that these policies are a return to what, in their minds, were the dark ages before 1991.

Economists obsessed with Gross Domestic Product (GDP) growth as a panacea for a nation's success are realising that policies to spur GDP growth are insufficient for allround progress. Growth must be more inclusive and environmentally sustainable, too. Citizens are included in economic growth with jobs and livelihoods that provide them good incomes; poverty also reduces in an economically sustainable manner. Whereas price subsidies and unearned income support, which governments are politically compelled to give when the economy is not functioning well, are unsustainable in the long run. The evolution of India's industrial policy stalled

in 1991 because industrial policy was a bad phrase in the Washington Consensus' framework that swept the world with the fall of the Soviet Union. According to the new economic consensus, open trade across national borders and freedom for capital to roam the world is good for everyone. It is good for consumers everywhere, who can buy the best products at the cheapest prices. Unsurprisingly, the opening of the Indian economy was broadly supported by Indian citizens.

The catch is that citizens must earn enough to buy the products they are tempted to buy with open trade. For this,

they need to earn adequate incomes. The unintended consequence of India's open-market reforms is haunting the country now. Insufficient incomes, underemployment and inadequate social security — in agriculture, manufacturing and even services — is causing unrest nationwide.

Industrial depth was forsaken in recent decades for growth stimulated by free trade, which spurred shallow GDP growth. India's post-liberalisation policies must be reassessed and reformed to create faster learning enterprises and more productive employment. Premature and muddled liberalisation made it easier for investors to do business, but harder for the common man to earn and live with dignity. Ultimately, there are no shortcuts to the nurturing of human assets for the growth of economy. It is good for the people and good for economic growth, too.



Information Technology Agreement, concluded by 29 participating countries at the WTO's Ministerial Conference in Singapore in December 1996, led by the US, to do away with import duties on computer equipment. The Indian government agreed in March 1997, persuaded by its software industry, to reduce its hardware costs. China signed only in 2003. It used the shield of import duties to strengthen its own electronic hardware sector, which has grown formidably since then, and even become a threat to the US. India must build its own hardware industries quickly for its own security. The

institutions. They were also given incentives to invest and

grow their businesses — land at low cost and extended

tax holidays.Software engineers require computer

hardware to work on. India complied quickly with the

Detention revisited

government has introduced production-linked incentive

Infra to back students who fail exams poor

THE Central Government's decision to scrap the nodetention policy in the schools it governs marks a significant shift in the approach to elementary education. Under the new framework, students of Central schools in classes V and VIII who fail their exams will now face re-examinations and, if necessary, be held back. The shift is geared towards promoting accountability and elevate learning results. Around 20 states and UTs have already scrapped the no-detention policy.

However, the policy change exposes a glaring gap: inadequate infrastructure to support detained students. Remedial programmes, personalised teaching approaches and extensive teacher training are essential. But they remain woefully underdeveloped. In their absence, detention risks punishing students for systemic failures rather than addressing their learning needs. This could exacerbate stigma, fear of failure and dropout rates, particularly among marginalised



communities. Tamil Nadu's refusal to implement such

measures serves as a cautionary tale of the policy's potential to undo progress made under the Right to Education framework.

At the same time, the implementation of the nodetention rule under the right to primary education has, over the academic sessions, faced criticism for diluting academic rigour and fostering complacency among students and educators alike. Year after year, various surveys and reports have highlighted alarming gaps in the basic literacy and numeracy outcomes of students. The fall in the academic standards expected of them does necessitate reform. But education reform must strike a balance between academic excellence and inclusivity. It is not enough to abandon old policies; we must also invest in a framework that enables every child to thrive. It should not come at the expense of a child's self-esteem or access to

Remembering Vajpayee, the tall statesman

The Vajpayee government not only boosted economic growth but also brought distant regions closer, fostering unity and integration.

TODAY, December 25, is a special day for us. The nation Minister Atal Bihari Vajpayee. He stands tall as a

statesman and continues to inspire countless people. Our nation will always be grateful to Vajpayee for being the architect of India's transition into the 21st century. When he took oath as PM in 1998, the country had passed through a period of political instability. In about nine years, we had seen four Lok Sabha elections. The people of India were getting impatient and sceptical about the government's ability to deliver. It was Vajpayee who turned this tide by providing stable and effective governance. Coming from humble roots, he realised the struggles of the common citizen and the

transformative power of effective governance. One can see the long-term impact of Vajpayee's leadership in so many sectors. His era marked a leap in the world of information technology, telecom and communications. This was particularly important for a nation like ours, which is also blessed with a dynamic yuva shakti. The NDA government under Vajpayee made the first serious attempt to make technology accessible to the common man. At the same time, there was foresight in connecting India. Most people still recall the Golden Quadrilateral Project, which connected the length and breadth of India. Equally notable were the Vajpayee government's efforts to enhance local connectivity and through initiatives like the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana. His government also gave a push to metro connectivity by doing extensive work for the Delhi Metro, which stands out as a world-class project. Thus, the Vajpayee government not only boosted economic growth but also brought distant regions closer, fostering unity and

integration.

marks the 100th jayanti of our beloved former Prime Regarding the social sector, an initiative like the Sarva Shiksha Abhiyan highlights how Vajpayee dreamt of building an India where modern education is accessible His parliamentary brilliance was seen throughout his

to all people, particularly for the poor and marginalised sections.At the same time, his government presided over many economic reforms which set the stage for India's economic surge after several decades of following an economic philosophy which encouraged cronyism and stagnation.A wonderful example of Vajpayee's leadership can be seen in the summer of 1998. His government had just assumed office and on May 11, India conducted the Pokhran tests, known as Operation Shakti. These tests exemplified the prowess of India's scientific community. The world was stunned that India had done the tests and expressed its anger in no uncertain terms. Any ordinary leader would have buckled, but Vajpayee was made differently. And, what happened? India stood firm, with the government calling for another set of tests two days later, on May 13! If the May 11 tests showed scientific skill, the May

13 ones showed true leadership. It was a message to the world that gone were the days when India would buckle under threats or pressure. Despite facing international sanctions, the then NDA government stood firm, articulating India's right to safeguard its sovereignty while simultaneously being the strongest proponent of world peace. Vajpayee understood the Indian democracy and also the need to make it stronger. He presided over the NDA's creation,

which redefined coalitions in Indian politics. He brought people together and made the NDA a force for development, national progress and regional ambitions. political journey. He belonged to a party with a handful

of MPs, but his words were enough to rattle the might of the all-powerful Congress party of that time. As Prime Minister, he blunted the criticisms of the Opposition with style and substance. His was a career spent largely in the Opposition Benches, but it never carried any trace of bitterness against anyone, even though the Congress stooped to new lows by going to the extent of calling him a traitor!He was also not one to cling to power through opportunistic means. He preferred to resign in

1996 rather than follow the path of horse-trading and dirty politics. In 1999, his government was defeated by one vote. A lot of people told him to challenge the immoral politics happening then, but he preferred to go by the rules. Eventually, he came back with another

resounding mandate from the people.

When it comes to commitment to protecting our Constitution, Vajpayee, again, stands tall. He was deeply impacted by the martyrdom of Syama Prasad Mookerjee. Years later, he was a pillar of the anti-Emergency movement. In the run-up to the 1977 elections after the Emergency, he agreed to a merger of his own party (Jan Sangh) into the Janata Party. I am sure it would have been a painful decision for him and the others, but safeguarding the Constitution was all that mattered to him.

It is also noteworthy how deeply rooted Vajpayee was in the Indian culture. Upon becoming India's External Affairs Minister, he became the first Indian leader to speak in Hindi at the United Nations. This one gesture

showcased his immense pride in India's heritage and identity, leaving an indelible mark on the global stage. Vajpayee's persona was magnetic and his life enriched by his love for literature and expression. A prolific writer and poet, he used words to inspire, provoke thought and even offer solace. His poetry, often reflective of his inner struggles and hopes for the nation, continues to resonate with people across age groups.

SVAMITVA scheme: What is it and 3 things to know

New Delhi. The Union Ministry of Panchayati Raj (MoPR) announced on Wednesday that rural residential properties worth Rs 1.37 lakh crore could now be monetised for credit access under the SVAMITVA scheme. This landmark initiative, utilising drone technology for surveying and demarcating properties in rural areas, aims to unlock the economic potential of villages and improve financial inclusion.

TRANSFORMING RURAL ECONOMIES WITH **PROPERTY CARDS**

Launched in 2020 by Prime Minister Narendra Modi, the SVAMITVA (Survey of Villages and Mapping with Improvised Technology in Village Areas) scheme addresses the long-standing issue of unmapped rural properties in several states. The lack of clear land ownership records had previously denied rural residents access to institutional credit.

By issuing legally-backed property cards, the scheme enables property owners to secure loans, spurring economic activity in rural areas.

So far, 317,000 villages—92% of the targeted 344,000—have been surveyed, with 136,000 villages already receiving property cards. On December 27, PM Modi is set to distribute five million additional property cards across India.

BENEFITS AMID CHALLENGES

Beyond financial inclusion, the SVAMITVA scheme has resolved disputes, empowered women through joint property ownership, and helped gram panchayats tackle encroachments. However, challenges persist, particularly in tribal areas where communal land ownership and family disputes complicate title claims. The parliamentary standing committee on Panchayati Raj has urged the government to address these issues within the legal framework.States like Jharkhand have resisted implementation, while Tamil Nadu, Bihar, and Odisha, having updated rural land records, opted out of the scheme. Despite hurdles, the ministry aims to complete the project by FY 2026.

PAVING THE WAY FOR RURAL PROSPERITY

By granting clear ownership of residential properties, the SVAMITVA scheme lays the foundation for rural economic growth. As more villages come under its ambit, this transformative initiative holds the promise of empowering millions and driving sustainable development in India's hinterlands

Sagility India share price jumps 5%, up 71% postlisting. More gains ahead

New Delhi Shares of Sagility India surged 5% on Thursday, continuing their upward trajectory since the company's recent market debut. The stock hit an intraday high of Rs 158.40, up 5.09%, before settling at Rs 155.30, reflecting a 4.91% gain. Since its listing, Sagility India's shares have delivered a 71% return, significantly outperforming the broader indices. Sagility India, which operates in the business process management (BPM) space, has attracted strong investor interest due to its growth prospects in healthcare outsourcing. The company's expansion into emerging markets and increasing demand for tech-driven BPM solutions have boosted market confidence. Analysts have offered varied outlooks for the stock, with most acknowledging the fact that the company's postlisting performance has been strong. While there are some concerns about valuations, analysts see more upside potential in the company's stock.

On the technical front, the stock shows strong support in the Rs 140-Rs 135 range, with resistance seen around Rs 165-Rs 170. Analysts suggest maintaining a cautious approach as the stock consolidates after its steep rise.

Sagility India focuses on healthcare BPM services, offering end-to-end solutions powered by artificial intelligence and data analytics. With its global presence and scalable business model, the company aims to capture a larger share of the healthcare outsourcing market.

Explained: Why Ola Electric share price surged 6% in early trade

New Delhi sOla Electric Mobility's share price gained 6% after it announced a significant expansion of its retail footprint. The electric two-wheeler (E2W) maker increased its network to 4,000 stores nationwide, a fourfold jump from its previous count.

This includes the addition of 3,200 new stores integrated with service facilities. The company aims to enhance electric vehicle (EV) adoption by extending its reach beyond tier-1 and tier-2 cities to smaller towns and tehsils across India. The stock hit an intraday high of Rs 99.90 on Thursday, reflecting a 6.22% increase. It was last seen trading 1.78% higher at Rs 95.72, marking a 30.41% gain over the past month. However, the company's shares pared some gains and were trading 1.84% higher at Rs 95.78 on the BSE.Despite the stock's upward momentum, the company has faced regulatory scrutiny.

Earlier this month, Ola Electric received a showcause notice from the Central Consumer Protection Authority (CCPA) for additional documents regarding its handling of consumer complaints. WHAT'S NEXT FOR OLA ELECTRIC?

Market analysts offered mixed views on the stock's outlook.Kranthi Bathini, Director of Equity Strategy at WealthMills Securities, told Business Today that the the stock is currently in an uptrend after hitting its all-time low of Rs 66.60. "Investors with a high-risk appetite can consider adding it for a one-year horizon," Bathini told the publication.

Technically, the stock has support in the Rs 92–Rs 80

range, with a potential upside of Rs 100–Rs 110. Ravi Singh, Senior Vice-President (Retail Research) at Religare Broking, stated, "The overall structure on daily charts is not strong. Buying around Rs 85 could offer an upside target of Rs 100, with a stop loss at Rs 80."Ola Electric, founded in 2017, specialises in manufacturing electric vehicles and their key components, including battery packs and motors, at its Ola Futurefactory. Promoters held a 36.78% stake in the company as of September 2024.

Global Capability Centres to expand workforce in India by 20% in 2025

Bengaluru alone accounts for 870 GCCs, followed by Hyderabad with 550 centres.

BENGALURU. Top executives from across various sectors believe Global Capability Centres (GCCs) landscape will expand further in 2025. In 2024, GCCs and their growth, apart from job opportunities, were widely discussed by the top executives across various sectors.

As of 2024, there are over 1,700 GCCs, more than 2,975 units, employing over 1.9 million people in the country.Bengaluru alone accounts for over 870 GCCs, followed by Hyderabad with 550 centres. Vikram Ahuja, co-founder, ANSR and CEO of Talent500, points out that GCCs in the country will expand their workforce by 18-20% in 2025, and that hiring will surpass 2024 levels. According to ANSR, over 60,000 jobs were created by GCCs in 2024 in



Bengaluru alone.Karnataka released its GCC policy in November and it aims to establish 500 new GCCs by 2029. Upasna Nischal, India site head and head of HR-India, Fidelity International, said the number, kind and quality of capabilities that are delivered from India continue to grow and evolve and now nearly 90% of the GCCs operate as multi-functional centres, supporting technology, operations, product engineering and more. Close to \$64 billion business is generated by GCCs. Guardian India, the GCC for the Guardian Life Insurance Company of America, plans to ramp up its hiring in 2025 as compared to the previous year. In 2025, we aim to expand

our workforce and capability substantially to meet the growing demands of our parent organisation, to improve capability and drive innovation," said Shiney Prasad, country head, Guardian India. It aims to

scale its operations in both Gurugram and Chennai. Its key areas include technology—particularly in AI/ML, data science, suggestive decisioning, business operations — and specialised roles in actuarial, finance and underwriting.

BPCL to invest Rs 6,100 crore for refinery in Andhra

BENGALURU. State-owned Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL) has approved plans to build a new refinery in Andhra Pradesh. In an exchange filing, the company said it will invest about Rs 6,100 crore in pre-project activities for the refinery.BPCL's board has granted approval to begin initial activities for setting up a greenfield refinery and petrochemical complex on the East Coast of India.

The pre-project activities will involve a range of crucial tasks, including initial studies, land identification and acquisition, preparation of a detailed feasibility report (DFR), environmental impact assessment (EIA), basic design engineering package, and front-end engineering design (FEED), the company said in the filing. The refinery and petrochemical complex is expected to become one of the largest refineries on India's East Coast, following the 15 MTPA Paradip refinery by Indian Oil Corporation (IOC) in Odisha and Hindustan Petroleum Corporation's (HPCL) expanded Visakhapatnam refinery in Andhra Pradesh. The BPCL refinery is a part of the commitments made under the Andhra Pradesh Reorganisation Act of 2014.

Mazagon Dock share price rises nearly 5% in early trade. Should you buy

New Delhi. Shares of Mazagon Dock Shipbuilders Ltd climbed nearly 5% on Thursday in a volatile market, reflecting strong investor interest in the multibagger defence stock. The stock rose 4.72% to an intraday high of Rs 4848.40, compared to its previous close of Rs 4629.50. However, Mazagon Dock shares pared some gains to trade just 1.5% higher at Rs 4,698.85 on the BSE at 12:49 pm.It is worth noting that the defence stock has delivered strong returns, gaining over 105% in the past year and 486% over two years.In 2024 alone, Mazagon Dock shares have risen 106%, highlighting its sustained growth momentum.

From a technical perspective, the stock's Relative Strength Index (RSI) stands at 47.9, indicating it is trading in a neutral zone—neither overbought nor oversold. The shares are trading below their 5-day, 10-day, and 20-day moving averages but remain above

their 30-day, 50-day, 100-day, 150day, and 200-day averages.nalysts at Axis Securities highlighted this as a medium-term support base, adding From a technical perspective, the that the daily RSI has broken above a downward-sloping trendline,



signaling a potential breakout. They project target levels of Rs 4,965 and Rs 5,085 in the near term.

Mazagon Dock is one of India's leading Mazagon Dock is one of India's leading defence public sector undertakings under the Ministry of Defence.In

2024 alone, Mazagon Dock shares have risen 106%, highlighting its sustained growth momentum.

stock's Relative Strength Index (RSI) stands at 47.9, indicating it is trading

in a neutral zone-neither overbought nor oversold. The shares are trading below their 5day, 10-day, and 20-day moving averages but remain above their 30-day, 50-day, 100-day, 150-day, and 200-day averages. Analysts at Axis Securities highlighted this as a medium-term support base, adding that the daily RSI has broken above a downwardsloping trendline, signaling a

potential breakout. They project target levels of Rs 4,965 and Rs 5,085 in the near term

defence public sector undertakings under the Ministry of Defence.

How Steve Jobs' advice fuelled the creation of Salesforce's AppExchange

Salesforce's Marc Benioff credits Steve Jobs' visionary advice for inspiring the creation of the transformative AppExchange platform.

New Delhi. Salesforce CEO Marc Benioff recently recounted a life-altering encounter with the legendary Steve Jobs that reshaped his career and Salesforce's future. Speaking on Lenny's Podcast, Benioff revealed how Jobs' enigmatic guidance during a creative slump in his entrepreneurial journey led to the creation of Salesforce's groundbreaking AppExchange.

JOBS'TRANSFORMATIVE CHALLENGE During their conversation, Jobs gave Benioff three directives that were as ambitious as they were cryptic. The first was a bold challenge: "Your company, it better get 10 times larger in 24 months, or it's over." He also advised securing a key client, like Avon, and concluded with a cryptic suggestion: "You better go build an application economy."

Salesforce CEO Marc Benioff recently recounted a life-altering encounter with the legendary Steve Jobs that reshaped his career

Sumitomo Mitsui strengthens Indian subsidiary with Rs 3,000 crore funding

New Delhi Sumitomo Mitsui Financial Group (SMFG) has invested Rs 3,000 crore in SMFG India Credit Co. Ltd (formerly Fullerton India Credit Co.

Ltd.) through a rights issue. This latest capital infusion includes Rs 300 crore directed to SMFG India Home Finance Co. Ltd (formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.), also known as SMFG Grihashakti.

The funding highlights SMFG's commitment to strengthening its presence in the Indian market. With this, SMFG India Credit has seen its highest-ever annual fund infusion of Rs 4,300 crore in the 2024 financial year, following an

earlier investment of Rs 1,300 crore in April 2024.SMFG India Credit's Chief Financial Officer, Pankaj Malik, said the infusion demonstrates SMFG's confidence in India's growth potential and the company's vision. He said, "The enhanced capital base allows us to scale our business operations and

strengthen our ability to serve a diverse customer base. Our focus remains on driving financial inclusion and empowering underserved communities



across the country.' SMFG INDIA CREDIT OPERATIONS Registered as a Non-Banking Financial Company - Investment and Credit Company (NBFC-ICC) with the Reserve Bank of India, SMFG India Credit has been operating since 2007. It has built a strong presence in India with over 828 branches across more than 670 towns and 70,000 villages.SMFG India Credit's Chief Financial Officer, Pankaj Malik, said the infusion

> demonstrates SMFG's confidence in India's growth potential and the company's vision. He said, "The enhanced capital base allows us to scale our business operations and strengthen our ability to serve a diverse customer base. Our focus remains on driving financial inclusion and empowering underserved communities across the country."SMFG INDIA **CREDIT OPERATIONS**

Registered as a Non-Banking Financial Company - Investment and Credit Company (NBFC-ICC) with the Reserve Bank of India, SMFG India Credit has been operating since 2007. It has built a strong presence in India with over 828 branches across more than 670 towns and 70,000 villages.



and Salesforce's future. Speaking on Lenny's Podcast, Benioff revealed how Jobs' enigmatic guidance during a creative slump in his entrepreneurial journey led to the creation of Salesforce's groundbreaking AppExchange.

JOBS' TRANSFORMATIVE **CHALLENGE**

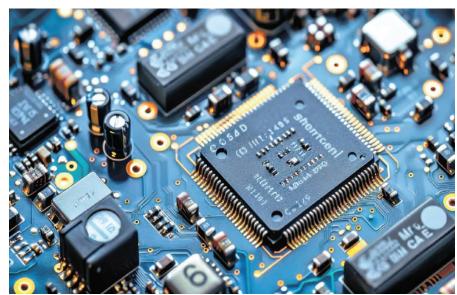
During their conversation, Jobs gave Benioff three directives that were as ambitious as they were cryptic. The first was a bold challenge: "Your company, it better get 10 times larger in 24 months, or it's over.s

2024 landmark year for semiconductor industry in India

2024 landmark year for semiconductor industry in India

NEW DELHI. This year has been a landmark one for the country's semiconductor industry as the government announced first semiconductor fab in Dholera, Gujarat.

The government approved the first fab proposal, which will be set up in partnership with Tata Electronics, a subsidiary of Tata Group, and Powerchip Semiconductor Manufacturing Corp (PSMC) of Taiwan, at a cost of Rs 91,000 crore. As per the government, the plant will produce 50,000 wafer starts per month (WSPM). Additionally, the government has approved the establishment of two ATMP (assembly, testing, marking, and packaging) units one in Assam and the other in Dholera, Gujarat. Assam's Morigoan plant, with an



investment of Rs 27,000 crore, is expected to generate 15,000 direct jobs and 11,000 to 13,000 indirect jobs. Another semiconductor assembly and test (OSAT) facility, being set up by CG Power and Industrial Solutions Ltd. (CG) with an

investment of Rs 7,600 crore, is a joint venture with Japan's Renesas Electronics Corporation and Thailand's Stars Microelectronics. So far, chip industry has attracted investments of Rs 1.26 lakh crore, including the approval last year of

US semiconductor giant Micron Technology's packaging unit in Gujarat. This year, the government approved a proposal from Kaynes Semicon to establish a semiconductor unit in Sanand, Gujarat, Rs 3,300 crore investment.

The proposed unit will have a capacity of 60 lakh chips a day and will serve a range of applications, including industrial, automotive, electric vehicles, consumer electronics, telecom, and mobile phones. The government maintained that construction of all four chip units is progressing rapidly, and a robust semiconductor ecosystem is emerging around these units.

In a separate development, the Maharashtra government has approved a chip manufacturing project to be jointly set up by Israel's Tower Semiconductor and the Adani Group. The project, located in Panvel, Raigad district, will involve an investment of Rs 58,763 crore in the first phase, with an additional Rs 25,184 crore in the second phase, creating 15,000 jobs. The Ministry of Electronics and Information Technology has not yet approved any related applications.

Friday, 27 December 2024

Cold wave, dense fog hit capital

NEW DELHI. A cold wave and dense fog engulfed Delhi on Christmas morning, causing a sharp drop in temperatures and poor visibility across the city. The Indian Meteorological Department (IMD) recorded a minimum temperature of 8.4 degrees Celsius, while visuals from Kartavya Path, Janpath, Dwarka, and India Gate showed no visibility due to the dense fog.

The minimum temperature was 1.5 degrees Celsius below the season's average, while the national capital recorded a maximum temperature of 22.4 degrees Celsius, two notches above normal.

Visibility in the city was recorded at 100 meters due to dense fog at 5:30 am. The visibility prompted the Indira Gandhi International (IGI) Airport to issue an advisory over the possible impact on flights. At least 20 trains to Delhi from various parts of the country were running late due to foggy conditions on Wednesday.

The trains to Delhi running late included Goa Express, Poorva Express, Kalindi Express, Rewa-Anand Vihar Terminal SF Express and others.

The Delhi airport said in its advisory that flights that are not CAT III compliant may get affected, requesting passengers to contact the airline for updated flight information. IndiGo airline also asked passengers to check the flight status before heading to the Delhi airport.CAT III compliant flights are those aircraft that have a Category III (CAT III) system, which enables them to land safely even during poor visibility conditions, such

CRY launches 'Girl Interrupted' initiative to champion education

NEW DELHI. Child Rights and You (CRY) has launched the initiative 'Girl Interrupted' under its ongoing Poori Padhai Desh Ki Bhalai campaign.

This campaign is aimed to address one of the most pressing issues—an interruption in girls education, particularly at the secondary level.

The 'Girl Interrupted' campaign shines a spotlight on the stark reality that millions of Indian girls face when societal norms, financial barriers, and gender biases disrupt their educational journey. These interruptions don't just curtail their potential but significantly hinder societal and national progress.

The campaign is a series of images that make one stop and question why they are incomplete. In a world of technology, this is going back to basics where The 'Girl Interrupted' initiative redefines how we perceive disruptions in education by creatively and provocatively showcasing their ripple effect. From visuals and videos to nationwide awareness activities, every element of this campaign drives home the critical importance of uninterrupted secondary education for India's girls. Conceptualized by TistaThinks the campaign will emphasize the importance of a woman's contribution to society and how a nation can prosper when women prosper. Tista Sen said "This project is all heart. The issue that as a nation we are losing out because women are interrupted in their pursuit of education is both detrimental to society and a woman's well-being. We wanted to shake apathy."Puja Marwaha, the CEO of CRY said, "In the first phase of Poori PadhaiDesh Ki Bhalai, the campaign highlighted how essential it is for girls to complete their school education – not just for them

but because the entire nation benefits from it.

Crackdown on 'illegal' migrants: Civil rights groups raise plight of homeless

►The groups have written to the Delhi **Urban Shelter** Improvement Board (DUSIB), highlighting many homeless people are being denied access to shelter homes due to the lack of Aadhaar cards or mobile phones.

NEW DELHI. More than 20 civil rights groups have raised objections to the ongoing crackdown by Delhi authorities on alleged

illegal immigrants, citing its adverse impact on homeless individuals.

The groups have written to the Delhi Urban Shelter Improvement Board (DUSIB), highlighting many homeless people are being denied access to shelter homes due to the lack of Aadhaar cards or mobile

With temperatures plummeting during the harsh winter, activists argue that such exclusions violate the right to a dignified life guaranteed under Article 21 of the Constitution.

We raise concerns about reports of homeless individuals being refused entry to night mobile phones. These shelters, designed to provide refuge to the most vulnerable during harsh weather conditions, have inadvertently become inaccessible to those who need them the most. Many homeless individuals lack



shelters due to the absence of Aadhaar cards or With Delhi experiencing one of its coldest winters in 14 years, with temperatures dropping to as low as 4.9 degrees Celsius, this

these documents or devices precisely because of their precarious living and working conditions.

'Promises are imaginary': BJP hits out at AAP chief

Sachdeva pointed out that for the first time in 12 years of governance, the government promised to fix erroneous electricity and water bills and repair dilapidated roads—but only after being re-elected.

NEW DELHI. The BJP on Wednesday accused AAP chief Arvind Kejriwal of resorting to fictitious schemes in a

desperate bid to secure reelection, following his release from jail. The party claimed that Kejriwal, sensing impending defeat in the upcoming assembly elections, began announcing policies that lacked concrete implementation and were merely aimed at winning votes. Delhi BJP president Virendra Sachdeva said, "After returning from jail, Kejriwal realised he could lose the upcoming election. This is when

he began announcing promises that were entirely imaginary and had no basis for real execution.

Sachdeva pointed out that for the first time in 12 years of governance, the AAP-led government promised to fix erroneous electricity and water bills, ensure clean water supply instead of contaminated water, and repair dilapidated roads—but only after



being re-elected.

"These promises come with no concrete plan or timeline," he added. The Delhi BJP president also accused Kejriwal of repackaging old schemes in an attempt to salvage his image. He criticised Chief Minister Atishi for reintroducing the Mahila Samman Scheme, which he

claimed had already failed in Punjab. "After deceiving women in Punjab with the same scheme, Kejriwal is now trying to sell the same unfulfilled

discriminatory practice poses a severe threat

to the lives of vulnerable populations," the

food to homeless individuals.

judicial mandates underscoring the

dire need for action. "The Supreme

Court, in 2010, mandated the Delhi

government to provide shelter and

The court reiterated in 2012 that the right

to dignified shelter is an essential

component of the Right to Life under

Article 21 of the Constitution. The

National Urban Livelihoods Mission -

Shelter for Urban Homeless (NULM-

SUH) policy guarantees access to

permanent shelters with essential

amenities such as water, sanitation, and

security," the group mentioned. The

citizen groups have made several demands to

They urged DUSIB to direct all shelter operators

to admit homeless individuals without

requiring Aadhaar cards, mobile phones, or

address these issues.

other identity documents.

promise of `2,100 per month to women in Delhi," Sachdeva said. Additionally, Sachdeva highlighted Kejriwal's opposition to the Ayushman Bharat scheme, despite BJP MPs fighting for its implementation in Delhi. "Kejriwal has persistently resisted Ayushman Bharat but now promises a new 'Sanjeevani Scheme' for senior citizens, once again only after elections," he

said. "Both the schemes by Kejriwal-without any official notifications—are misleading people, particularly women and senior citizens," Sachdeva said. The allegations come at a time when the AAP is intensifying its poll campaign.

246 teams constituted for survey to identify 'out of school children'

The survey will focus on identifying OoSC, including children with special needs (CwSN) and those with disabilities, for enrollment in nearby schools.

NEW DELHI. The Delhi Directorate of Education has formed 246 teams to identify Out-of-School Children (OoSC) during the winter vacation and facilitate their enrolment in schools.

In a circular dated December 18, Samagra Shiksha, a society under the education department, announced an extensive survey from January 1 to January 15. The survey will focus on identifying OoSC, including children with special needs (CwSN) and those with disabilities, for enrollment in nearby schools.

The survey will be conducted district-wise by Samagra Shiksha-Delhi teams led by District Urban Resource Centre Coordinators (DURCCs), district coordinators, and the Inclusive Education Branch (IEB). The survey will cover children in the age groups of below six years and 6 to 19 years. It will be conducted daily



between 9 am and 1 pm. The survey teams are required to submit daily records to the DURCCs, which will then be mailed to the OoSC Cell at Samagra Shiksha headquarters by 5 pm. A complete report, signed by the Coordination Team and countersigned by the DURCC, must be submitted to Samagra circular mentioned.

The department stated that children identified during the survey, including CwSN, will be admitted to schools by January 31. A final report on their enrolment will be submitted by February 7. District coordinators have been directed to rope in the services of attendants and others are utilised for door-todoor verification of out-of-school CwSN and the implementation of home-based education (HBE) during the winter vacation, it read.

However, attendants and others working in special schools, hostels, and resource centres will be exempted from participating in the survey, the circular stated. It added that details of the newly identified OoSC must be uploaded on the Prabandh portal for the 2025-26 academic session by January 15.

AAP says Parvesh Verma giving cash to voters, BJP leader refutes charge

A defiant Verma, however, asserted that he has launched a scheme to help women with the financial assistance of Rs 1,100 through the 'Rashtriya Swabhiman', an organisation founded by his father.

NEW DELHI. A bitter political confrontation ensued in Delhi on Wednesday over BJP leader Parvesh Verma allegedly distributing Rs 1,100 Delhi constituency, with AAP chief Arvind Kejriwal calling him a "traitor" and CM Atishi demanding his arrest.Kejriwal, who has held the seat since 2013 and is the AAP's candidate from the constituency for the upcoming Assembly polls, also claimed that Verma is the BJP's chief ministerial face in the elections and asked Delhiites if they wanted such a CM.A defiant

Verma, however, asserted that he has launched a scheme to help women with the financial assistance of Rs 1,100 through the 'Rashtriya Swabhiman', an organisation founded by his father.

In a dig at the AAP chief, the BJP leader said he was only helping people and "not distributing liquor like him". The former In another post, he said, "According to Delhi CM lashed out at Verma in over a

dozen posts on X. "They are giving Rs 1,100 to each voter every day and asking helping the needy or openly buying votes? Your father must be ashamed of a traitor son like you," Kejriwal assailed the BJP leader in one of the posts in

sources, the BJP is going to declare

Would the people of Delhi want such a person to be their CM?"

The AAP chief claimed that he visited many areas in New Delhi where people told him about being offered Rs 1,100 and also asked women of Delhi to visit Verma's house and demand the money from him. At a press conference here, Atishi alleged that Rs 1,100 each was being given to women from slum clusters at Verma's Windsor Place residence and their voter

ID details were being noted down. them to vote for their party. Are you Denying the charges, Verma said the money was distributed as part of a scheme by 'Rashtriya Swabhiman'. "I ask the Delhi Police, CBI, ED to conduct raids at the bungalow where crores of rupees are kept," Atishi said, adding AAP will make formal complaints to the police and the EC.

Three arrested as police bust honey trap racket, accused faked as cops to extort money

NEW DELHI. Delhi Police's Crime Branch on Wednesday claimed to have busted a gang of fake policemen who would extort people after setting up ĥoney traps in outer Delhi's Kanjhawala area, police said. Three fake Delhi Police identity cards and a Delhi Police head constable rank uniform were also recovered from the accused.

Neeraj Tyagi alias Dheeraj alias Dheeru, 42 Years, of Tilak Nagar, Ashish Mathur, 31, of Karala, and' Deepak alias Sajan, 30, of Kharkhoda were arrested near Budh Vihar Nala, Main Kanjhawala Road on Tuesday," Additional Commissioner of Police (crime) Sanjay Bhatia said. The accused were taken to the Crime Branch office for further interrogations where they tried to escape from the custody but were overpowered, Bhatia added. Neeraj and Deepak were wanted in a honey trap case of Bindapur in the Dwarka district, he said.

Another officer said that in August, 2024, a 60-year-old doctor was contacted through telephone by an unknown girl. The girl had some chat with the doctor and after a few days, the girl called him at her home, saying that her mother was ill. "The doctor went to the address of the girl, located near the Janakpuri Metro station, West Delhi. There, she served him snacks," the officer said. The girl unbuttoned the doctor's shirt and four people, including two in police uniform, entered the room, police said in a statement. The girl escaped and all the four people caught the doctor and allegedly extorted Rs nine lakh from him by threatening arresting in a criminal case, it stated. The complainant reported the incident to the local police of Binda Pur and a case under relevant sections of the BNS was registered. Four accused, including two women, were arrested but Neeraj and Deepak were absconding, Bhatia said.

Bid to acquire ill-gotten gains not money laundering: Delhi Court



NEW DELHI. A Delhi court has declined to take cognisance of a chargesheet against Adhunik Corporation Limited (ACL) and its two directors, Mahesh Kumar Agarwal and Nirmal Kumar Agarwal, in a coal scam case filed by the Enforcement Directorate (ED). The court held that merely attempting to acquire proceeds of crime or anticipating undue benefits does not constitute money laundering under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA).

Special Judge Arun Bhardwaj provided relief to ACL and its directors in the case linked to the allocation of the New Patra Para coal block in Odisha. The ED alleged that Rs 50.37 crore was infused into ACL through family members and group companies in anticipation of benefits from criminal activity related to a scheduled offence registered by the CBI.

The judge, in the order, noted that the ED's own findings indicated that any undue benefits were merely anticipated, and no actual proceeds of crime were in existence. "An attempt to acquire proceeds of crime or anticipating undue benefits cannot be considered money laundering as there are no proceeds of crime at that stage," the judge ruled.

The court further observed that the capital infusion by family members and group companies began even before the alleged conspiracy related to the predicate offence. Additionally, no external investors had funded ACL due to the coal block allocation. As such, the investments could not be categorised as "proceeds of crime" under PMLA.

The court highlighted that even after the de-allocation of the coal block seemed imminent due to lack of progress, family members and group companies continued their investments, which reinforced the view that these were independent of the alleged criminal activity.

This decision comes after the accused were convicted in a related corruption case filed by the CBI, where they were sentenced to four years in prison for conspiracy and cheating the government. However, their jail term was stayed by the Delhi High Court pending appeals against their conviction.

NEWS BOY

China To Build World's Largest Hydropower Dam In Tibet

Beijing. China has approved the construction of what will be the world's largest hydropower dam, kicking off an ambitious project on the eastern rim of the Tibetan plateau that could affect millions downstream in India and Bangladesh. The dam, which will be located in the lower reaches of the Yarlung Zangbo River, could produce 300 billion kilowatt-hours of electricity annually, according to an estimate provided by the Power Construction Corp of China in 2020. That would more than triple the 88.2 billion kWh designed capacity of the Three Gorges Dam, currently the world's largest, in central China.

The project will play a major role in meeting China's carbon peaking and carbon neutrality goals, stimulate related industries such as engineering, and create jobs in Tibet, the official Xinhua news agency reported on Wednesday. A section of the Yarlung Zangbo falls a dramatic 2,000 metres (6,561 feet) within a short span of 50 km (31 miles), offering huge hydropower potential as well as unique engineering challenges.

The outlay for building the dam, including engineering costs, is also expected to eclipse the Three Gorges dam, which cost 254.2 billion yuan(\$34.83 billion). This included the resettling of the 1.4 million people it displaced and was more than four times the initial estimate of 57 billion yuan.

Authorities have not indicated how many people the Tibet project would displace and how it would affect the local ecosystem, one of the richest and most diverse on the plateau. But according to Chinese officials, hydropower projects in Tibet, which they say hold more than a third of China's hydroelectric power potential, would not have a major impact on the environment or on downstream water supplies

ndia and Bangladesh have nevertheless raised concerns about the dam, with the project potentially altering not only the local ecology but also the flow and course of the river downstream.he Yarlung Zangbo becomes the Brahmaputra river as it leaves Tibet and flows south into India's Arunachal Pradesh and Assam states and finally into Bangladesh.China has already commenced hydropower generation on the upper reaches of the Yarlung Zangbo, which flows from the west to the east of Tibet. It is planning more projects upstream.

Bashar Al-Assad's Wife Asma Battling Leukemia, Has 50% Chance Of Survival: Report

World AsThma al-Assad, wife of deposed Syrian President Bashar al-Assad, is reportedly battling leukemia, an aggressive cancer of the bone marrow and blood, and has a 50-50 chance of survival. The British-born former first lady has been isolated to minimize the risk of infection and is undergoing treatment, reported The Telegraph. According to the report, Asma has previously battled breast cancer in 2019. She had declared herself cancer-free after a year of treatment. But the blood cancer is believed to have reappeared after a period of remission, the report said.

Born in London in 1975 to Syrian parents, Asma al-Assad has a dual British-Syrian citizenship. She completed degrees in computer science and French literature at King's College London before pursuing a career in investment banking. Asma married Bashar al-Assad in December 2000. The couple has three children: Hafez, Zein, and Karim. Asma has reportedly sought to exile herself in London with her children since the Syrian uprising began. Reports suggested that she has also filed for divorce from the ousted Syrian President as she is "dissatisfied" with her life in Moscow. However, the Kremlin has rejected the reports, saying, "No they do not correspond to reality". She has also allegedly applied to a Russian court seeking special permission to leave the country, with her application currently under review by Russian authorities. Bashar al-Assad, along with his family, fled Syria on December 8 following an 11-day rebel offensive led by Hayat Tahrir al-Sham (HTS), after years of civil war sparked by his violent crackdown on anti-government protests in 2011. The war has killed over 500,000 people and displaced more than half the country's population.

At Least 33 Killed In Mozambique Prison Riot On Christmas Day

Maputo. A prison riot in Mozambique's capital Maputo left 33 people dead and 15 injured, the country's police general commander Bernardino Rafael said on Wednesday, as civil unrest linked to October's disputed election continues.

A decision on Monday by Mozambique's top court confirming long-ruling party Frelimo's victory in the election has sparked fresh nationwide protests by opposition groups and their supporters who say the vote was rigged. While Rafael blamed protests outside the prison for encouraging the riot, Justice Minister Helena Kida told local private broadcaster Miramar TV that the unrest was started inside the prison and

had nothing to do with protests outside.
"The confrontations after that resulted in 33 deaths and 15 injured in the vicinity of the jail." Rafael told a media briefing. The identities of those killed and injured were unclear. About 1,534 people escaped from the prison in the incident but 150 have now been recaptured, Rafael said, adding that there were prison break attempts at two other prisons. "We are worried as a country, Mozambicans and security forces," Rafael said. "We expect in the next 48 hours a rise in crime."

Mozambique's interior minister said on Tuesday that at least 21 people were killed in unrest after the top court's decision. Prior to Tuesday, civil society monitoring group Plataforma Decide said at least 130 people have been killed in clashes with police since the unrest started.

New York taxi crashes into pedestrians on Czhristmas Dzay, 7 injured

The incident, which took
place in Midtown Manhattan
near Macy's flagship store in
Herald Square, injured at
least seven people on
Wednesday, the police said.

World. A taxi jumped a sidewalk and hit pedestrians in New York outside a Macy's department store on Christmas Day when the taxi driver suffered a medical episode, the New York police said. The incident, which took place in Midtown Manhattan near Macy's flagship store in Herald Square, injured at least seven people on Wednesday, the police said. The accident site is near the corner of West 34th Street and Avenue of the

Americas, or Sixth Avenue. The store is decorated with full

elaboration for Christmas and New Year and is an attraction point for tourists and New Yorkers around the holiday season. The taxi driver who suffered the medical episode is 58 years old. The injured include a 9-year-old boy, alongside two women aged 49 and four other women aged 19, 37 and 41, the police further said. Out of the seven people who were injured, three were taken to the hospital for treatment. The 9-year-old boy suffered a cut, one of the 49-yearold women suffered leg injury and the 41-year-old woman who suffered injuries to her head. The other three people who were hurt in the accident declined medical treatment, while all the injuries reported were non-life threatening, the police added.



How Warren Buffett Plans To Distribute His Fortune After Death

World. Billionaire Warren Buffett has shared his thoughts on the future of his immense fortune and offered advice on inheritance in a message to his company's shareholders.

The Berkshire Hathaway CEO revealed his plans for wealth distribution in a letter posted to the company website. Mr Buffett announced that \$1.1 billion of his Berkshire shares would be donated to his family's four foundations, with the remainder of his holdings to be gradually distributed by his three children after his passing.

The 94-year-old's message carried an introspective tone, reflecting on the inevitability of mortality. "Father time always wins. But he can be fickle — indeed unfair and even cruel — sometimes ending life at birth or soon thereafter while, at other times, waiting a century or so before paying a visit. To date, I've been very lucky, but, before long, he will get around to me," he wrote. Acknowledging the challenges his children may face due to their own advancing years — now aged 71, 69 and 66 — Mr Buffett said that he has appointed three potential trustees to ensure his wishes are honoured if his children cannot complete the task.



"Three potential successor trustees have been designated. Each is well known to my children and makes sense to all of us. They are also somewhat younger than my children," Mr Buffett wrote.He underscored his preference for decisions within the foundations to be made unanimously and shared his approach to simplifying his will, which he reviews periodically. Mr Buffett also offered advice for parents navigating the sensitive topic of inheritance planning. He said, "I have one further suggestion for all parents, whether they are of modest or staggering wealth. When your children are mature, have them read your will before you sign it."He stressed the importance of transparency, urging parents to explain their decisions to avoid misunderstandings. "Be sure each child understands both the logic for your decisions and the responsibilities they will encounter upon your death. If any have questions or suggestions, listen carefully and adopt those found sensible. You don't want your children asking "Why?" in respect to testamentary decisions when you are no longer able to respond."

Reflecting on decades of observation, Mr Buffett noted how unresolved issues stemming from wills have caused discord among families. He recounted instances he and his late business partner, Charlie Munger, witnessed when miscommunication and perceived inequities led to fractured relationships."Jealousies, along with actual or imagined slights during childhood, became magnified, particularly when sons were favoured over daughters, either in monetary ways or by positions of importance,' Buffett wrote. Yet, he also highlighted success stories of open discussions about a will bringing families closer and together. "Charlie and I also witnessed a few cases where a wealthy parent's will that was fully discussed before death helped the family become closer. What could be more satisfying?" Buffett added.

Japan Airlines Hit By Cyberattack, Domestic, International Flights Delayed

Tokyo, Japan.Japan Airlines on Thursday reported a cyberattack that caused delays to domestic and international flights but later said it had found and addressed the cause.Problems with the airline's baggage check-in system had delayed more than a dozen flights at several Japanese airports, public broadcaster NHK said, but there were no mass cancellations or major disruption.

Japan Airlines (JAL) is the country's second-biggest airline after All Nippon Airways (ANA).

'We identified and addressed the cause of the issue. We are checking the system recovery status," JAL said in a post on social media platform X."Sales for both domestic and international flights departing today have been suspended. We apologize for any inconvenience caused," the post said.

Earlier Thursday, a JAL spokeswoman told AFP the company had been subjected to a cyberattack.

Network disruption began at 7:24 am on Thursday (2224 GMT Wednesday), JAL said in a statement.

Then "at 8:56 am, we temporarily isolated the router (a device for exchanging data between networks) that



Panama Canal, Canada, Greenland - Donald Trump's Christmas Wishlist

World. In his Christmas greetings, US President-elect Donald Trump repeated his call to acquire the Panama Canal and Greenland and annex Canada. In a series of posts on his social media platform 'Truth Social', Trump fired at "radical Left lunatics" and Canadian Prime Minister Justin Trudeau. He began by addressing the issue of the Panama Canal and making it clear that the US would take control.

"Merry Christmas to all, including to the wonderful soldiers of China, who are lovingly but illegally operating the Panama Canal, where we lost 38,000 people in its building 110 years ago, always making certain that the United States puts in billions of dollars in 'repair' money, but will have absolutely nothing to say about anything'," he wrote.Later in the day,

while announcing Kevin Marino



Cabrera as the US Ambassador to the Republic of Panama, Trump said the country is "ripping" the US off on the Panama Canal, "far beyond their wildest dreams". Reiterating his idea to make Canada the 51st US state, Trump charged at Trudeau and said that if it were to happen, "their taxes would be cut by more than 60 per cent, their

businesses would immediately double protected like no other country anywhere in the World."Similarly, he gave a message to the people of Greenland, who he thinks wanted the US to be there - "we will". In another post, he charged at "radical Left lunatics", who are constantly trying to "obstruct our court system and our elections."He refused to wish a Merry Christmas to those "lucky souls' or "37 most violent criminals", who were given a pardon by Joe Biden. "Instead, will say, GO TO HELL!"In another post, he charged at "radical Left lunatics", who are constantly trying to "obstruct our court system and our elections."He refused to wish a Merry Christmas to those "lucky souls' or "37 most violent criminals", who were given a pardon by Joe Biden. "Instead, will say, GO TO HELL!"

was causing the disruption", it added.

JAL shares fell as much as 2.5 percent in morning trade after the news emerged, before recovering slightly.

The airline is just the latest Japanese firm to be hit by a cyber attack. Japan's space agency JAXA said in 2023 that it was likely penetrated by a cyber attack by unknown entities, but no sensitive information about rockets or satellites was accessed.

The same year, Nagoya Port, one of Japan's busiest, was crippled by a ransomware attack that was blamed on Lockbit, a Russia-based cybercrime organisation.

Japan's National Center of Incident Readiness and Strategy for Cybersecurity (NISC) -- the agency responsible for defences against cyberattacks -- was itself reportedly infiltrated by hackers in 2023 for as long as nine months.n 2022, the government said a cyberattack was behind disruption at a Toyota supplier that forced the top-selling automaker to halt operations at domestic plants for a day.

More recently, the popular Japanese video-sharing website Niconico suspended its services in June because it was under a large-scale cyberattack, its operator said.

Baby froze to death overnight in Gaza as Israel, Hamas trade accusations of ceasefire delays

JERUSALEM. A baby girl froze to death overnight in Gaza, while Israel and Hamas accused each other of complicating ceasefire efforts that could wind down the 14-month war. The 3-week old baby was the third to die from the cold in Gaza's tent camps in recent days, doctors said, deaths that underscore the squalid conditions, with hundreds of thousands of Palestinians crammed into often ramshackle tents after fleeing Israeli offensives. Israel's bombardment and ground invasion of Gaza has killed over 45,000 Palestinians, more than half of them women and children. The offensive has caused widespread destruction and displaced some 90% of Gaza's 2.3 million people, often multiple times. Hundreds of thousands are packed into tent camps along the coast as the cold, wet winter sets in. Aid groups have struggled to deliver food and supplies and say there are shortages of blankets, warm clothing and firewood.

Israel has increased the amount of aid it allows into the territory, reaching an

average of 130 trucks a day so far this month, up from around 70 a day in October and November. Still, the amount remains well below than previous months and the United Nations says it is unable to distribute more than half the aid because Israeli forces deny permission to move within Gaza or because of rampant lawlessness and theft from trucks.

The father f 3-week-old Sila, Mahmoud al-Faseeh, wrapped her in a blanket to try and keep her warm in their tent in the Muwasi area outside the town of Khan Younis, but it wasn't enough, he told The Associated Press.He said the tent was not sealed from the wind and the ground was cold, as temperatures on Tuesday night dropped to 9 degrees Celsius (48 degrees Fahrenheit.) Muwasi is a desolate area of dunes and farmland on Gaza's Mediterranean coast.

"It was very cold overnight and as adults we couldn't even take it. We couldn't stay warm," he said. Sila woke up crying three times overnight and in the morning they found her unresponsive, her body stiff.



"She was like wood," said al-Faseeh. They rushed her to a field hospital where doctors tried to revive her, but her lungs had already deteriorated. Images of Sila taken by the AP showed the little girl with purple lips, her pale skin blotchy. Ahmed al-Farra, director of the children's ward at Nasser Hospital in Khan Younis, confirmed that the baby died of hypothermia. He said two other babies — one 3 days old, the other a month old — had been brought to the hospital over the past 48 hours after dying of hypothermia. Ceasefire complications

Meanwhile, hopes for a ceasefire looked complicated Wednesday, with Israel and Hamas that runs Gaza trading accusations of delaying an agreement. Although Israel and Hamas have expressed optimism that progress was being made toward a deal, sticking points remain over the exchange of hostages for Palestinian prisoners and the withdrawal of Israeli troops from Gaza, people involved in the talks say.

On Wednesday, Hamas accused Israel of introducing new conditions related to the withdrawal from Gaza, the prisoners and the return of displaced people, which it said was delaying the deal.srael's government accused Hamas of reneging on understandings that have already been reached." Still, both sides said discussions are ongoing.Israel's negotiating team, which includes members from its intelligence agencies and the military, returned from Qatar on Tuesday evening for internal consultations, following a week of what it called "significant negotiations."

NEWS BOX

What will happen at MCG if temperature rises to extreme conditions on day one

MELBOURNE: Just as Australia captain Pat Cummins won the toss and opted to bat first against India in the fourth Test of the ongoing Border Gavaskar Trophy at the Melbourne Cricket Ground, thousands of fans are stilling lining up to enter the monumental stadium. The tickets are already sold out and Cricket Australia had even released an extra thousand seats to accommodate as many fans as they can for what is going to be an extremely hot day in Melbourne. The weather prediction has been there for a while, especially for day one where the temperature is expected to close in on 40 degree Celsius. It is perhaps one of the reasons why India despite the grass cover on the MCG surface decided to go in with two spinners in Washington Sundar and Ravindra Jadeja. That Shubman Gill was struggling for form perhaps made the decision all the more easier. Going by the team sheet, captain Rohit Sharma who



pushed himself down the order in Adelaide is slotted at No 3 with Washington coming down the order. Two days out from the Test, the Melbourne Cricket Club chief had asked fans to stay hydrated with the venue providing free water and sunscreen for those who are coming in. Just outside the venue, even as fans walk in from Jolimont junction, volunteers could be seen distributing free water bottles to assist the fans. There is no exaggeration to what has been said about the weather. Through the course of the day the temperature is expected to go up to 39 degrees and it is not going to be easy out in the middle. The officials are going to be keeping track of the conditions using Wet Bulb Globe Temperature. It is an experimental forecast tool indicating expected heat stress on the human body when in direct sunlight. According to the National Weather Service, the WBGT estimates the effect of temperature, relative humidity, wind speed, and solar radiation on humans using a combination of temperatures from three thermometers. And at any point through the day should the conditions be deemed extreme for play, the umpires are empowered to suspend play according to law 2.7.1. During the 2017-18 Ashes, such hot conditions led to England captain Joe Root getting hospitalised after getting to his half century at the Sydney Cricket Ground.

Coaching & playing: Twin role with purpose for TN shuttler duo

CHENNAI. Shuttlers Lokeshviswanathan and Naveen P's journey is a tale of perseverance, hard work and resourcefulness. In the just-concluded national championships in Bengaluru, the doubles specialists from Tamil Nadu were one of the standout performers as they reached the title match before going down with a fight. What makes their effort noteworthy is the fact that their day job is coaching the sport, something they took up out of passion and to meet their day-to-day



This is uncommon, especially among some of the top medal contenders at the domestic circuit, who generally tend to have a healthy support system. A lot of them are associated with some of the famed academies in the country. "To meet our day-to-day expenses, we have to take up coaching. The other players will be training for four to five hours per day. We generally train for the last 10 days or so before we take part in matches," Lokeshviswanathan said.

The top talents are generally funded for international events, where they can obtain much-needed exposure. More importantly, they also gain valuable ranking points in order to be eligible for marquee events and a chance to represent the country. That is still a distant dream for Lokeshviswanathan and Naveen, who have multiple state titles to their name. "Even if we take part in four or five international tournaments, we won't have enough ranking points,'

Lokeshviswanathan explained. Having endured many challenging days in the early days of their playing career, Lokeshviswanathan, who acquired his coaching certificate from SAI NIS Patiala, is hoping to pass on the knowledge to the noping to pass on the knowledge to the youngsters. They are running a private academy in Coimbatore, where 20 professionals and 20 beginners are part of the training programme. "I always wanted to stay connected with this sport. I wanted to guide my juniors. While playing, I planned it Hearned under several coaches and for the it. I learned under several coaches and for the last few years, me and my partner have been

running an academy of our own," he said. zaving learned things the hard way, he intends to make things easier for his wards.

ICC likely to punish Virat Kohli for shouldering Sam Konstas: Sources

A top source within the ICC has indicated that Virat Kohli could face punishment for shouldering Sam Konstas on Day 1 of the Boxing Day Test. The source stated that the match referee and umpires will review the matter and may call the players for an explanation.

New Delhi The International Cricket Council (ICC) is set to review the on-field altercation involving batting star Virat Kohli and Australian teenage debutant Sam Konstas on Day 1 of the Boxing Day Test in Melbourne. Kohli appeared to deliberately bump into the young Sam Konstas, who had been aggressively taking on the Indian fast bowlers after Australia won the toss and chose to bat in Melbourne.

During the break between the 10th and 11th overs of the Australian innings, Konstas and



Usman Khawaja were switching ends when Kohli walked toward the young batter and collided with him. Former Australian captain Ricky Ponting, commentating at the time, remarked that he believed Kohli had made deliberate contact. Replays revealed that Kohli was fully aware of his trajectory, while Konstas, with his head down and adjusting his gloves, unintentionally walked into the Indian batter. According to a senior source within the ICC, the incident has not gone unnoticed and could lead to

disciplinary action against the veteran Indian batter. "It is now up to the match referee and umpires to review the footage and assess the situation. They may call the players involved for explanations," the source revealed.

The clash occurred in the heat of the game as Konstas, making his debut for Australia, was involved in a routine exchange on the field. Kohli's apparent shoulder nudge was captured by cameras, sparking immediate reactions from fans and pundits alike.

"If the explanation provided by Kohli does not satisfy the officials, he could face punishment in the form of demerit points,"

the source added. Demerit points are part of the ICC's disciplinary system, which can lead to fines or even suspension if a player accumulates too many points within a specified period. While the ICC has yet to make an official statement on the matter, the incident has already stirred significant

debate in cricketing circles. The final decision now rests with the match referee and umpires, whose report will determine the course of action. "Let's see what stand the referee takes," the ICC source concluded.

Melbourne crowd pays floppy hat tribute to Shane Warne on Boxing Day

New Delhi . In a heartwarming moment on Day 1 of the Boxing Day Test between Australia and India, cricket lovers at the Melbourne Cricket Ground paid tribute to legendary Shane Warne. At 3:50 pm local time on Thursday, December 26, fans took a moment to doff their floppy hats as a tribute to the legendary leg-spinner, who died in March 2022.

The tradition of doffing floppy hats began in the Boxing Day Test in 2022 and has continued ever since. Shane Warne's children were also in attendance at the MCG on Thursday, kickstarting the tributes for their late

father. The play was halted for a minute at 3:50 pm and those with floppy hats in the stands did not miss the opportunity to remember Shane Warne. A video clip of the leg-spinner was played on the big screen, much to the cheers of the crowd. It was done at 3:50 pm as a tribute to Warne's shirt



number. In the Boxing Day Test of 2022, fans and players donned iconic floppy hats, a signature of Warne's laid-back yet fiercely competitive style. The stands were awash with white as attendees celebrated his immense contribution to Australian cricket and the global game. A special ceremony featured highlights of Warne's career,

evoking memories of his match-winning spells at the MCG.On Thursday, more than 80,000 fans turned up to watch the much-awaited opening day of the fourth Test of the Border-Gavaskar Trophy. And the on-field action lived up to the hype when 19-year-old debutant opener, Sam Konstas, torched the Indian bowling attack.Konstas hit just 60 off 66 balls, taking the attack to Jasprit Bumrah, smashing the fast bowler for 34 runs in his first spell. India were taken by surprise by the teenager's power-packed knock. Usman Khawaja went on to hit his maiden fifty of the series while

Marnus Labuschagne showed signs of returning to form with a stroke-filled fifty. Australia went past the 200-run mark in the third session. Australia, however, lost a bit of momentum in the final session, losing the wickets of Labuschagne (72) and Travis Head in quick succession.

Sam Konstas reminded me of 2003 Virender Sehwag: Langer praises Aussie opener

New Delhi. Former Australian opener Justin Langer praised teenage debutant Sam Konstas's confidence and aggressive approach, comparing him to another attacking former opener, Virender Sehwag. The former Indian star is widely regarded as one of the batters who revolutionised Test cricket with his aggressive strokeplay, and Langer believes Konstas displayed a similar level of confidence.

The 19-year-old Konstas (60 off 65 balls) demonstrated why he is so highly rated after Australia chose to bat on a favourable surface. Konstas shared an 89-run opening stand with veteran Usman Khawaja (38*), who had the opportunity to regain some form. By the break, Khawaja and Marnus Labuschagne (12*) were still at the crease. That's the word (awe). Before the game, Sam Konstas was very confident, had been speaking a lot. He has backed it up with his actions, has been incredible to watch. He reminded me of Virender Sehwag back in 2003, when he

Langer said during his commentary stint on Star Sports.Konstas also demonstrated his smashing Mohammed Siraj for boundaries and unsettling the Indian attack. His innings veteran Usman Khawaja. Langer noted that the way Konstas has played on debut, he has freed up Usman Khawaja. He has looked at ease, he was used to batting with David confidence wasn't limited to his batting. A verbal exchange with Virat Kohli after a midpitch collision demonstrated Konstas' spunk, while his unconventional tactics drew both sledging and applause. Despite the fiery

Brave Sam Konstas reverse scoops as Jasprit Bumrah concedes first Test six in 3 years

New Delhi. Nerveless teenage opener Sam Konstas lit up the Boxing Day Test with an unconventional onslaught of ramp shots against Indian pace spearhead Jasprit Bumrah. Konstas, the youngest player ever to open the batting in a Test match for Australia, struck two boundaries and a six using reverse ramp shots against Bumrah. Bumrah conceded a six after 4,483 deliveries and three years since Cameron Green hit him for one in Sydney in 2021. Remarkably, Konstas achieved this feat with a reverse ramp just 23 balls into his debut innings. The Indian pacer, who has dominated Australia's top order throughout the series, could only laugh as Konstas flicked him over the wicketkeeper's head for back-to-back boundaries. Konstas sprinted to the wicket with infectious energy and completed his first national anthem as a Test cricketer with a smile and a musical flourish. He then survived a challenging opening over from Bumrah, who beat his bat four times. Not since records began in 2006 has there been as many play-and-misses in the first two overs of a Test match. Nerveless teenage opener Sam Konstas lit up the Boxing Day Test with an unconventional onslaught of ramp shots against Indian pace spearhead

Jasprit Bumrah. Konstas, the youngest

player ever to open the batting in a Test

match for Australia, struck two boundaries

and a six using reverse ramp shots against

Bumrah. Bumrah conceded a six after 4,483 deliveries and three years since Cameron Green hit him for one in Sydney in 2021. Remarkably, Konstas achieved this feat with a reverse ramp just 23 balls into his debut innings. The Indian pacer, who has dominated Australia's top order throughout the series, could only laugh as Konstas



for back-to-back boundaries. Konstas sprinted to the wicket with infectious energy and completed his first national anthem as a Test cricketer with a smile and a musical flourish. He then survived a challenging opening over from Bumrah, who beat his bat four times. Not since records began in 2006 has there been as many play-and-misses in

the first two overs of a Test match. The 19year-old raced to his half-century in just 52 balls, becoming the youngest Australian in more than seven decades to score a fifty. The teenage sensation had already made his mark with a blazing 60-run knock before Ravindra Jadeja trapped him in front of the stumps."I wonder if he sat back last night and said, 'You know what, boys? I'm going

to reverse sweep him all day here," Ponting quipped. Konstas' daring approach to Bumrah contrasted starkly with the Indian bowler's typically dominant performances. Despite the initial misses, the young opener's persistence paid off, unsettling Bumrah and setting the tone for a brisk start to the innings. His unorthodox methods drew comparisons to his explosive performances in recent matches, including a century against India for the Prime Minister's XI and a

quick-fire half-century for the Sydney Thunder. Adding to the drama, Konstas later walked down the pitch to a delivery from Mohammed Siraj, engaging in a heated exchange with the fiery Indian pacer. His aggression complemented his partner Usman Khawaja's steadier approach, with Khawaja surviving an early lbw review to anchor the other end.

scored 195 off 233 balls on Day 1. He blew us away, we couldn't believe the confidence,' ability to take on experienced bowlers, included six boundaries and two maximums, as he formed an 89-run partnership with Konstas' aggressive approach eased the pressure on Khawaja, who had struggled for form throughout the series."We also see that Warner, who played with an aggressive approach. Now, he's playing with a partner with a similar approach, and that takes a lot of pressure off," Langer added. The debutant's atmosphere, he stood firm, delivering a promising start to his Test career.

AUS vs IND, 4th Test: Jasprit Bumrah, India recover from Konstas punch on Boxing Day

Boxing Day Test: Australia's toporder stepped with the bat to quide the hosts to 311 for six at the close of play on Day 1. Jasprit Bumrah-inspired India took 4 wickets in the final session to script a small comeback after Sam Konstas's

New Delhi. Jasprit Bumrah's comeback spell in the final session helped India pull back after four Australian batters hit fifties to guide the hosts to 311 for six at the close of play on Day 1 of the Boxing Day Test against Australia at the MCG. Sam Konstas, Usman Khawaja,

Marnus Labuschagne and Steve Smith hit fluent fifties after Pat Cummins won the toss and opted to bat first. Australia, at one point, were cruising at 237 for 2 but Bumrah's late burst in the final session helped India get four wickets and script a small but morale-boosting comeback at the MCG.

Australia's 19-year-old debutant, Konstas, showed why he is regarded as one of the brightest young talents in world cricket after Australia opted to bat on a pitch conducive to batting. With a quick-fire 60 off 65 balls, Konstas displayed remarkable composure and skill, particularly in his 89-run opening stand with veteran Usman Khawaja (38 not out).Konstas' fearless approach was evident from the start. After a few play-and-misses off Jasprit Bumrah's first over, the teenager found his rhythm, playing a series of audacious shots. Konstas's reverse lap-scoop against Bumrah was followed by a six over mid-on, and another reverse lap-scoop brought a boundary wide of third man. The teenager's boldness drew attention, particularly as Bumrah, usually a difficult bowler to handle, had never been hit for two sixes in his first spell of a Test match morning.Konstas' confidence didn't go



unnoticed, as the young opener engaged in a verbal exchange with Virat Kohli after the Indian batting star shouldered the Australian on the field. Despite the pressure from experienced bowlers like Bumrah and Mohammed Siraj, who tried to unsettle him with short-pitched deliveries, Konstas

remained undeterred. He hit six boundaries and two sixes before Ravindra Jadeja broke the partnership, trapping Konstas in front

with a clever arm ball. **BUMRAH COMEBACK**

Konstas's debut special allowed his veteran opening partner, Khawaja (57 off 121 balls), the opportunity to find some form with a patient half-century. However, Khawaja would likely be frustrated with himself after failing to time a pull shot off a Bumrah half-track, which went straight into KL Rahul's hands after the lunch break.Labuschagne became the third Australian batter, after Usman Khawaja and Sam Konstas, to score a half-century. He built a crucial partnership of 83 runs off 127 balls with Steve Smith before being dismissed by Washington Sundar

for 72 off 145 balls. Bumrah then dismissed Travis Head for a duck and Mitchell Marsh for four just after the tea break. This is a rare failure for the in-form Australian batter, who had scored two centuries and a fifty in the series so far.



Shraddha

'Wanted To Prove...'

eteran actor Shakti Kapoor has always been known for his larger-than-life personality, both on and off-screen. However, his appearance on Bigg Boss Season 5 in 2011 had a deeply personal motive tied to his daughter, Shraddha Kapoor. The actor revealed that Shraddha had encouraged him to abstain from alcohol, prompting his decision to join the reality show as a contestant. Shakti Kapoor stayed on the show for 28 days before being evicted as



the fifth contestant. In an interview with Rediff.com shortly after his stint, Shakti shared that his participation wasn't driven by the desire to win but by a promise to his children. "I was not there to win but to prove to my children that I can stay away from alcohol for a month. I am proud that I could prove that," he said.

Shakti's commitment paid off, as his children and wife were thrilled with his efforts. Shraddha, in particular, expressed her admiration in a heartfelt way. "Now my daughter Shraddha says that she wants to be born as my daughter even in her next life," Shakti shared, reflecting on the emotional bond with his family. The actor also spoke about how his wife, Shivangi Kapoor, was equally impressed by his conduct during the show. "My wife is also proud of me and the way I have conducted myself on the show. She said that she loves me more than she ever loved me. So I told her that I will take her for another honeymoon,"

he added humorously. While Shakti Kapoor has significantly reduced his on-screen appearances in recent years, he did return in 2023 with a role in Sandeep Reddy Vanga's mal, starring Ranbir Kapoor. Despite his limited presence in films, his legacy as one of Bollywood's most iconic comic and villainous actors remains intact.



Bhumi Pednekar's

Hunt For Chole Bhature In Delhi Is So Relatable

humi Pednekar is an ultimate foodie. Recently, the actress decided to try the quintessential Delhi street snack -Chole Bhature. Well, we don't blame here. The pipping hot bhature served with spicy chole has the power to take your tastebuds on a joyride. And, for Bhumi, it was no different. The actress has dropped a video of herself exploring the vibrant streets of the



National capital under the cold winter sun along with her team members to search for the Best Chole Bhature.In the clip, Bhumi could be heard saying, "I can't believe I'm once again on the streets of another city trying to find food. I think I have come to Nirula's after almost 10 years. I want chole kulche, but I can't believe they're not available!" She then makes a sad face and says, "We have no time, we really have to go and get it."

The clip ends with the actress relishing over a hot tempting plate of Chole Kulche at a famous restaurant in Delhi,

while her teammate is seen holding a plate of Chold Bhature. "I've craved this. Just the best," Bhumi concluded the video. She wore a black sweatshirt paired with blue jeans and white sneakers. The video caption reads, "On the streets to find chole bhature." As soon as the video was shared online, it captured the

audience's attention. Bhumi's sister Samiksha Pednekar commented, "Yummm!!" Another one wrote, "Come to my home I make the best ever!!", while many users recommended different places to try the Best Chole Bhature in the National capital. Meanwhile, on the work front, the actress last appeared in the thriller film Bhakshak. Helmed by Pulkit, the film was

backed by Shah Rukh Khan's production banner Red Chillies Entertainment and received good responses from fans and critics alike.

She will be next seen in an untitled romantic comedy film alongside Arjun Kapoor and Rakul Preet Singh. Any new update

regarding the film is still awaited. Bhumi will be mking her web series debut with

Daldal in which she will be seen playing a cop. Filming of the series is already completed. It will be released on Prime Video next year. Apart from this, she also has another web show titled The Royals opposite Ishaan Khatter. The show also features celebs like Nora Fatehi, Chunky Panday, Sakshi Tanwar, Dino Morea and Milind

Aishwarya Rai's Jodhaa Akbar Lehenga Displayed At Academy Museum: 'All Hail Queen'



ishwarya Rai Bachchan, a global icon and one of the most celebrated faces of Indian cinema, continues to make waves internationally. Her unforgettable performance as Jodhaa Bai in Ashutosh Gowariker's 2008 epic Jodhaa Akbar left an indelible mark on cinema lovers. The film's grandeur, storytelling, and intricate costumes transported audiences to a historical era of splendor. Recently, the red wedding lehenga worn by Aishwarya in the film made its way to the prestigious Academy Museum, earning praise from fans worldwide. The Academy took to its social media handle on December 24 to pay tribute to the iconic costume. Referring to it as "a lehenga fit for a queen, designed for the silver screen," the post celebrated the craftsmanship of designer Neeta Lulla. "Aishwarya Rai Bachchan's red wedding lehenga is a feast for the eyes: vibrant zardozi embroidery, centuries-old craftsmanship, and a hidden gem-quite literally. Look closely, and you'll spot a peacock, India's national bird, made entirely of jewels," read the caption.

Fans were overjoyed to see Indian cinema receiving recognition on such an international platform. "Finally, iconic Indian movies are getting featured on The Academy page," one user commented, while another praised Aishwarya's role in bringing global attention to Bollywood's artistry. "So academy finally recognised Aishwarya Rai Movie," a third user said. A fourth user wrote, "All Hail Queen."

The lehenga, with its intricate zardozi embroidery and jewel-encrusted peacock motif, stood as a testament to India's rich cultural heritage and craftsmanship. Designed by Neeta Lulla, the ensemble was more than a costume—it was a work of art that reflected the essence of Jodhaa Bai's regal character. Jodhaa Akbar featured Hrithik Roshan as Emperor Akbar and earned widespread acclaim for its grand sets, compelling performances, and A. R. Rahman's memorable music. Fans have long regarded the film as a masterpiece, and the inclusion of Aishwarya's costume in the Academy Museum reinforces its legacy. Fans continue to celebrate this moment, hailing it as a win for Indian artistry on the world stage.

Akshay Kumar, **Abhishek Bachchan And Others Starrer Housefull 5 Shoot Completed**



kshay Kumar starrer comedy drama Housefull 5 shoot has been completed today. The makers shared the wrap photos on social media which have gone viral. Fans have also reacted to it. The film also features Riteish Deshmukh, Abhishek Bachchan, Shreyas Talpade, Chunky Panday, Jacqueline Fernandez, Nargis Fakhri, and more. Taking to their Instagram handle, Nadiawala Grandson shared a series of photos and wrote, "That's a wrap for Housefull 5! A rollercoaster of emotions, filled with laughter, hard work, and unforgettable memories. Get ready to laugh your hearts out on 6th June 2025 in cinemas near you!! #SajidNadiadwala's #Housefull5. Directed by @tarun mansukhani". Akshay Kumar is missing from the photos. One of the fans wrote, "Housefull 5 biggest blockbuster loading." Another wrote, "Where is akkki paaji."

Recently, Akshay Kumar addressed reports of an eye injury sustained on the set of his upcoming film, Housefull 5. The actor humorously assured fans and media about his well-being during a press conference. When asked about the injury, Akshay playfully responded, "I can see you," with a thumbs-up, quipping that his vision remained unaffected.For those unaware, reports from Hindustan Times revealed that the incident occurred during a stunt sequence in Mumbai. An object unexpectedly hit Akshay's eye, causing an injury. A specialist was immediately called to examine him, and his eye was bandaged. Although advised to rest, Akshay quickly returned to the set to resume shooting, ensuring the film's schedule wasn't delayed.

Known for his commitment, Akshay took only a brief break while the team proceeded with other cast members' scenes. The actor's dedication has always been a hallmark of his career, and this instance further reinforced his work ethic. Housefull 5 is highly anticipated by fans, as it marks the continuation of one of Bollywood's most successful comedy series. The buzz around the film has already begun, with fans eagerly awaiting the release of its first look.

Akshay Kumar's quick recovery and return to work have reassured his fans, showcasing his professionalism and resilience. With Housefull 5 in its final stages of production, audiences can expect another laughter-filled entertainer from the franchise that has delivered consistent box-office